THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 300 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.6 2079 शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वैश्विक चुनौतियों के लिए 'ग्लोबल साउथ' जिम्मेदार नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं आपका स्वागत इस समिट में कर रहा हूं। मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आप दुनिया के विभिन्न जगहों से इसमें हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने हमेशा ग्लोबल साउथ के अपने भाइयों के साथ अपने विकास संबंधी अनुभव को साझा किया है। बता दें, इस समिट का उद्देश्य एकता की आवाज, एकता का उद्देश्य है।

उन्होंने कहा, हम नए वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। पिछला वर्ष युद्ध, संघर्ष, आतंकवाद और तनाव से भरा हुआ था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बढ़ती खाद्य उर्वरक और ईंधन की कीमतों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, इन अधिकतर वैश्विक चुनौतियों के लिए 'ग्लोबल साउथ' जिम्मेदार नहीं है, लेकिन इसका सबसे अधिक प्रभाव उस पर ही पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि वैश्विक पटल पर छाई अस्थिरता की स्थिति कब तक बनी रहेगी। ऐसे में हमारा (ग्लोबल साउथ) भविष्य सबसे अधिक दांव पर लगा है। हमारे देशों में तीन-चौथाई मानवता रहती है। भारत ने हमेशा अपने विकास के अनुभव को ग्लोबल साउथ के साथ साझा किया है।

हमारी विकास साझेदारी में सभी भौगोलिक और विविध क्षेत्र शामिल है। भारत ने इस वर्ष अपनी जी-20 अध्यक्षता शुरू की है, यह स्वाभाविक है कि हमारा उद्देश्य वैश्विक दक्षिण की आवाज को उठाना है।

पीएम ने कहा, हमने विदेशी शासन के खिलाफ लड़ाई में एक-दूसरे का समर्थन किया और हम इस सदी में फिर से एक नई विश्व व्यवस्था बनाने के लिए ऐसा कर सकते हैं, जो हमारे नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करेगी। आपकी आवाज भारत की आवाज है और आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं। वैश्विक मुद्दों को हल करने में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की बड़ी भूमिका है। हमें इनमें सुधार और प्रगति को शामिल करना चाहिए।

राजनीतिक विज्ञापन मामले में आप को डीआईपी का नोटिस

10 दिन में 164 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सूचना एवं प्रचार निदेशालय (डीआईपी) ने आम आदमी पार्टी को 164 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबाकि, राशि का भुगतान 10 दिनों के अंदर करने के लिए कहा गया है।

दरअसल, दिल्ली उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव को 2015-2016 के दौरान सरकारी विज्ञापनों की आड़ में प्रकाशित राजनीतिक विज्ञापनों के लिए आप से 97 करोड़ रुपये वसूलने का निर्देश दिया था। इसके एक माह बाद नोटिस भेजा गया है। लेकिन इसमें रकम 164 करोड़ रुपये कर दी गई है। इसमें इस राशि पर ब्याज भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि अगर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को तय समय तक रकम का भुगतान नहीं करेंगे तो आप की संपत्तियां भी कुर्क की जा सकती हैं। हालांकि नोटिस पर अभी तक आम आदमी पार्टी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। >14

तेलंगाना समेत तीन राज्यों में सुरक्षा बलों ने चलाया बड़ा ऑपरेशन

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना और ओडिशा के ट्राई-जंक्शन सुकमा में सुरक्षा बलों का बड़ा ऑपरेशन चल रहा है। इसका मकसद कई घातक हमलों के मास्टरमाइंड और भाकपा (माओवादी) के बटालियन नंबर 1 का कमांडर मदावी हिड़मा को निशाना बनाना है। इसके साथ ही इस इलाके से माओवादियों को हमेशा के लिए खत्म करना है।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले माओवादी उग्रवाद का सफाया कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन में सैनिकों की इतने बड़े पैमाने पर तैनाती कभी नहीं की गई थी। क्योंकि कार्रवाई में हेलिकॉप्टरों को लगाया गया है।

सीआरपीएफ की कमांडो यूनिट कोबरा, छत्तीसगढ़ पुलिस और तेलंगाना पुलिस के तेजतर्रार लोग इस ऑपरेशन में लगे हुए हैं। इस ऑपरेशन में सटीक जगह का पता लगाने के लिए यूएवी का इस्तेमाल भी गया था। सीआरपीएफ के छत्तीसगढ़ सेक्टर के महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, बीजापुर-सुकमा (छत्तीसगढ़)-तेलंगाना के सीमावर्ती क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन की एक यूनिट को हेलिकॉप्टर से फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस पर भेजा जा रहा था, जब टीम हेलिकॉप्टर से उतर रही थी, तभी कोबरा कमांडो और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई।

यह देखकर कि सुरक्षाकर्मी उन पर निशाना साधने में कामयाब हो रहे हैं, माओवादी भाग निकले। कोबरा कमांडो को कोई नुकसान नहीं हुआ है और घटना में माओवादियों को हुए नुकसान की जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। >14

मोदी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया

हुबली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और उनके सहयोगियों ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी मेगा इवेंट में विशाल सभा को संबोधित किया। पार्टी ने रोड शो भी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन में सम्भोदित करते हुए कहा स्वामी विवेकानंद में अपने जीवनकाल में कर्नाटक की बहुत यात्राएं की थी। इन यात्राओं ने उनके जीवन में बहुत मदद की थी। मैसूर के महाराजा ने स्वामी जी की शिकागो यात्रा में उनकी बहुत मदद की थी। "उठो, जागो और लक्ष्य से पहले मत रुको" विवेकानंद जी का ये उद्घोष, भारत के युवाओं का जीवन मंत्र है। मोदी ने कहा युवा शक्ति के सपने भारत की दिशा तय करते हैं। युवा शक्ति की आकांक्षाएं भारत की मंजिल तय करती है। युवा शक्ति का जुनून भारत का रास्ता तय करता है और युवा बने रहने का मतलब अपनी सोच, मेहनत, आकांक्षाओं और लगन में युवा होना। आज गांव हो, शहर हो या हो कस्बा, हर जगह उफ़ान पर है युवाओं का जज्बा। प्रधानमंत्री ने कहा हर मिशन के लिए बुनियाद की जरूरत होती है, चाहे अर्थव्यवस्था हो या शिक्षा, खेल हो या स्टार्ट अप, कौशल विकास हो या डिजिटलाइजेशन हर क्षेत्र में एक मजबूत बुनियाद पिछले 8-9 साल में रखी गई है, आपकी उड़ान के लिए रनवे तैयार है।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग पर फरवरी में सुनवाई

सुब्रमण्यम स्वामी ने दाखिल की है पीआईएल

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की उस याचिका पर फरवरी में सुनवाई करेगी, जिसमें राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले पर फरवरी के दूसरे हफ्ते में सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि इस मामले में तत्काल सुनवाई नहीं की जा सकती, क्योंकि फिलहाल संविधान पीठ में सुनवाई जारी है।

भाजपा नेता स्वामी ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने इस मामले में जवाब देने की प्रतिबद्धता जताई है और कैबिनेट सचिव को इस पर समन जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसजी तुषार मेहता ने 12 दिसंबर तक जवाबी एफिडेविट फाइल करने की बात कही थी। लेकिन जवाब अब तक दाखिल नहीं किया गया है। पहले कहा गया था कि सरकार का जवाब तैयार है।

स्वामी की इन दलीलों पर मेहता ने कहा कि इस मांग पर चर्चा जारी है और सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कोर्ट से कहा कि मामले में फरवरी के पहले हफ्ते में सुनवाई की जाए। राम सेतु, तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट से पांबन द्वीप और श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट से दूर मन्नार द्वीप के बीच चूने के पत्थरों की एक श्रृंखला है। इसे आदम का पुल भी कहा जाता है।

भाजपा नेता ने कहा था कि वह मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसके तहत केंद्र सरकार ने राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने उनकी मांग पर विचार करने के लिए 2017 में बैठक बुलाई थी लेकिन बाद में कुछ नहीं हुआ। भाजपा नेता ने इससे पहले की यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में विवादास्पद सेतुसमुद्रम पोत मार्ग परियोजना के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था।

नूपुर शर्मा को मिला बंदूक का लाइसेंस

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि भाजपा से निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा (जिनकी पिछले साल एक टीवी बहस के दौरान विवादास्पद टिप्पणियों ने विरोध और हिंसा को जन्म दिया था) के पास अब बंदूक का लाइसेंस है। सूत्र ने कहा कि उसे अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक रखने का लाइसेंस दिया गया है। पिछले साल एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर उनकी विवादित टिप्पणियों के कारण हिंसा और आलोचना हुई थी।

टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। अब जब राज्य में इस साल पंचायत चुनाव होने हैं तो उसका असर अभी से ही दिखना शुरू हो गया है और छिटपुट हिंसा की घटनाएं शुरू हो गई हैं। बता दें कि गुरुवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले के केतुग्राम इलाके में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्य कर दी गई। खबर के अनुसार, बाइक पर सवार दो हमलावरों ने टीएमसी नेता दुलाल शेख (50 शेख) की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अमगरिया बाजार इलाके में दुकान पर बैठकर चाय पी रहे थे। गोली लगने के बाद दुलाल शेख को तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शेख के बेटे ने बताया कि उसके पिता को टीएमसी के ही विरोधी गुट द्वारा धमकी दी जा रही थी। मृतक दुलाल शेख रेत और बिल्डिंग मैटेरियल की सप्लाई के व्यापार से जुड़े थे। टीएमसी नेता की हत्या पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जॉय प्रकाश मजूमदार ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव के चलते भाजपा और सीपीआई(एम) टीएमसी के प्रभावशाली नेताओं की हत्या की साजिश रच रही हैं। इसकी जांच की जाएगी की दुलाल शेख भी ऐसी किसी साजिश का शिकार तो नहीं हुए। >14

राष्ट्रपति के पास पहुंचा सीएम स्टालिन और राज्यपाल रवि विवाद

सरकार ने लिखी चिट्ठी

चेन्नई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच तनातनी बढ़ती ही जा रही है। इस बीच सरकार की ओर से राज्यपाल रवि को लेकर एक पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा गया है। हालांकि, इस पत्र में क्या है? इसका खुलासा नहीं किया गया है। डीएमके सांसद टीआर बालू ने बताया, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा लिखा गया पत्र राज्य के कानून मंत्री एस रघुपति ने राष्ट्रपति को सौंपा। उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया गया पत्र में क्या है? उन्होंने बस इतना कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने जो भी पत्र में लिखा है, उससे राष्ट्रपति को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा, विधानसभा में राज्यपाल ने जो कुछ भी किया, वह सदन के संवैधानिक प्रावधान व नियमों के विरूद्ध है।

अभिभाषण विवाद से बढ़ी है तनातनी :

बता दें, बीते सोमवार को राज्यपाल आरएन रवि और सीएम एमके स्टालिन के बीच तनातनी बढ़ गई। जब विधानसभा सत्र के दौरान राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कुछ प्रमुख अंशों को छोड़ दिया। यह अभिभाषण राज्य सरकार की ओर से तैयार किया गया था, जिसके बाद सीएम एमके स्टालिन ने इस पर खेद जताया और प्रस्ताव पास कर मूल भाषण को रिकॉर्ड पर लेने को कहा। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने सदन का बहिष्कार किया और बाहर चले गए।

सुषमा स्वराज को मां कहने वाले, बीजेपी को निपटा रहे

बैंगलुरू, 12 जनवरी (एजेंसियां)। साल 1999 था, बीजेपी नेता सुषमा स्वराज ने कर्नाटक के बेल्लारी से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया। सुषमा हार गईं, लेकिन यहां उन्हें मिले गली करुणाकर रेड्डी, गली जनार्दन रेड्डी और गली सोमशेखर रेड्डी। इसके बाद से लगातार 10 साल तक हर साल सुषमा बेल्लारी में वारा महालक्ष्मी की पूजा में जाती थीं। रेड्डी भाई सुषमा को थाई यानी मां कहते थे।

अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहा, जी. जनार्दन रेड्डी इस बार कर्नाटक में बीजेपी के लिए ही मुसीबत बनते नजर आ रहे हैं। उन्होंने नई पार्टी कल्याण राज्य प्रगति पक्ष बना ली है और चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। उनके दो विधायक भाई करुणाकर रेड्डी और सोमशेखर रेड्डी फिलहाल बीजेपी में ही हैं। उनके खास दोस्त श्रीरामुलु भी कर्नाटक की बीजेपी सरकार में मंत्री हैं। तीनों भाइयों में सबसे ज्यादा मजबूत जनार्दन रेड्डी हैं। कारोबार के हेड भी वही हैं।

जेल काटकर लौटे हैं जनार्दन रेड्डी

सुषमा और रेड्डी भाइयों की कहानी बेपटरी तब हुई, जब कर्नाटक में लोकायुक्त रहे जस्टिस संतोष हेगड़े की एंट्री हुई। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रेड्डी भाइयों ने अवैध खनन के जरिए देश के 10 बंदरगाहों से चीन को तकरीबन 16,500 करोड़ रुपए

जनार्दन रेड्डी ने नई पार्टी बनाई, बागियों को टिकट देंगे, भाइयों पर कन्फ्यूजन

का लौह अयस्क गैरकानूनी तरीके से निर्यात किया था। इन आरोपों के बाद सुषमा ने साल 2011 में रेड्डी भाइयों को एक संदेश भेजकर साफ कर दिया कि अब वे उनकी 'मां' नहीं हैं।

अवैध माइनिंग केस में जेल काटकर आ चुके जनार्दन रेड्डी से 2018 में ही बीजेपी ने दूरी बना ली थी। तब अमित शाह खासतौर से उनसे नाराज बताए गए थे। रेड्डी बंधुओं को कर्नाटक में खनन कारोबार का बादशाह कहा जाता है। आंध्रप्रदेश से सटी कर्नाटक बॉर्डर वाले एरिया में अब भी इनका अच्छा खासा प्रभाव बताया जाता है।

'2018 से ही चुनावी तैयारियां शुरू कीं'

जनार्दन रेड्डी के एक करीबी नेता ने नाम न बताते हुए कहा कि हम 2018 से ही चुनावी तैयारियां शुरू कर चुके थे। सोशल मीडिया पेज बनाए, ग्राउंड सर्वे करवाए। सर्वे से मिले रिजल्ट के बाद ही नई पार्टी बनाई है। जनार्दन रेड्डी गंगावती से चुनाव लड़ेंगे, इसका डिसीजन भी सर्वे में आए रिजल्ट के हिसाब से ही हुआ है।

'गंगावती में रेड्डी कम्युनिटी डिसीजन मेकर

होती है। वहां जनार्दन रेड्डी का प्रभाव भी है, इसलिए वे गंगावती जीत सकते हैं। इसका अंदाजा इससे भी लगता है कि जिस दिन उन्होंने गंगावती से चुनाव लड़ने का ऐलान किया, उसी दिन बीजेपी के सिटिंग एमएलए संगठन मंत्री से मिलने पहुंच गए। 'राज्य में जब-जब सत्तासीन पार्टी से नाराज होकर किसी नेता ने नई पार्टी बनाई है, तब-तब सरकार चला रही पार्टी को हार मिली है। 1983 में एस बंगारप्पा ने कांग्रेस से अलग होकर कर्नाटक क्रांति रंगा दल बनाया था। उस वक्त उन्होंने जनता पार्टी का समर्थन किया और कर्नाटक में पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनी।

येदियुरप्पा और रेड्डी भाइयों में कभी नहीं बनी 2012 में बीएस येदियुरप्पा ने बीजेपी से नाराज होकर कर्नाटक जनता पार्टी बनाई थी। इसका नतीजा ये हुआ कि 2013 में बीजेपी सत्ता से बाहर हो गई और कांग्रेस को जीत मिली। इसी तरह इस बार जनार्दन रेड्डी ने नई पार्टी बनाई है। सभी जानते हैं कि वे चुनाव नहीं जीतेंगे, लेकिन यदि इन्होंने 4 से 5% वोट भी ले लिए तो कई सीटों पर जीत-हार का गणित बदल जाएगा। बेल्लारी, विजयनगर, कोप्पल, रायचूर, यादगिर, बीदर में जनार्दन रेड्डी की मजबूत पकड़ है।

जनार्दन रेड्डी के करीबी एक नेता ने बताया कि, 'हम उन लोगों को टिकट देंगे, जिनके टिकट बीजेपी और कांग्रेस से कटेंगे। कैंडीडेट्स के नाम फाइनल होने के बाद असंतुष्ट नेता खुद हमारी पार्टी को एप्रोच करेंगे, क्योंकि जिन्हें भी टिकट दिया जाएगा, उन्हें भी चुनाव लड़ने के लिए 5-5 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। पार्टी 8 से 10 सीटें भी जीत लेती है तो किंगमेकर की भूमिका में आ जाएगी। इसलिए अभी कैंडीडेट्स के नाम फाइनल करने में कोई जल्दबाजी नहीं है। पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, अभी इस पर फैसला नहीं लिया गया है।'

ऑपरेशन लोटस से बीजेपी को पहली बार सरकार में लाए थे रेड्डी

जनार्दन रेड्डी और बीजेपी के रिश्तों में अब भले ही दरार आ गई है, लेकिन बीजेपी को कर्नाटक में पहली बार सत्ता का स्वाद चखाने में सबसे बड़ा रोल जनार्दन रेड्डी ने ही निभाया था। 2008 में बीजेपी ने 224 में से 110 सीटें जीती थीं। बहुमत के लिए पार्टी को सिर्फ 3 सीटें चाहिए थीं। रेड्डी बंधुओं की मदद से बीजेपी ने कांग्रेस के तीन और जेडीएस के चार विधायकों का इस्तीफा करवा दिया। ये विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे।

उपचुनाव में बीजेपी के 7 में से 5 उम्मीदवार जीत गए और पार्टी का आंकड़ा 115 पर पहुंच गया था। विधायकों को तोड़ने का आरोप रेड्डी ब्रदर्स पर लगा था। 2008 से 2013 तक बीजेपी सत्ता में रही। इस दौरान उसे तीन मुख्यमंत्री बदलने पड़े। यही वो दौर था, जब रेड्डी का विशाल एम्पायर टूटना शुरू हुआ।

2011 में उन्हें 16 हजार करोड़ के माइनिंग स्कैम में गिरफ्तार किया गया। उस वक्त केंद्र में यूपीए की सरकार थी।

सिर्फ कर्नाटक नहीं, आंध्रप्रदेश में भी पकड़ रेड्डी भाइयों की सिर्फ कर्नाटक नहीं, बल्कि आंध्रप्रदेश में भी मजबूत पकड़ रही है। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएसआर रेड्डी से उनके काफी अच्छे संबंध थे। 2001 में उन्होंने 10 लाख रुपए लगाकर ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी शुरू की थी। इसके बाद से ही वे कर्नाटक-आंध्रप्रदेश में माइनिंग के बिजनेस में एक्टिव थे। 5 साल में उनकी कंपनी का टर्नओवर 3 हजार करोड़ रुपए हो गया था।

सीएम धामी बोले- जोशीमठ के 25% घरों में ही दरारें

1.5 लाख रुपए की मदद सैनिक भी औली शिफ्ट

जोशीमठ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के जोशीमठ में बिगड़ते हालात पर सीएम पुष्कर धामी ने गुरुवार को अधिकारियों और एक्सपर्ट्स के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए धामी ने कहा कि लोगों से अपील है कि जोशीमठ के सिर्फ 25% घरों में दरारें हैं, ऐसे घरों को खाली करवा लिया गया है। ऐसा माहौल न बनाएं कि जोशीमठ खत्म हो रहा है।

यहां की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर है। 4 महीने बाद चार धाम की यात्रा भी है। डर का माहौल बनने से पर्यटक नहीं आएंगे। सीएम ने कहा कि प्रभावितों के खाते में फौरी राहत के तौर पर 1.5 लाख रुपए की मदद आज शाम तक आ जाएगी। सरकार की ओर से प्रभावितों को और मदद दी जाएगी। हमने सरकार और जनप्रतिनिधियों की कमेटी बना दी है, जो मुआवजे के बारे में बात कर रही है।

उधर, जोशीमठ भू-धंसाव पर जनरल पांडे ने कहा- सेना की 25-28 इमारतों में मामूली दरारें आ गई हैं। सैनिकों को अस्थायी रूप से शिफ्ट कर दिया गया है। अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें औली में स्थाई तौर पर तैनात करेंगे।

पिछले 24 घंटों में जोशीमठ में 50 से ज्यादा अन्य मकानों में दरारें देख गईं। इससे पहले यह आंकड़ा 723 था। उधर, सीएम CM पुष्कर सिंह धामी ने रात जोशीमठ में गुजारी। इससे पहले वे पीड़ित परिवारों से मिले। आज भी वे भूस्खलन को लेकर अधिकारियों और पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। उधर बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात उत्तराखंड के गंगोत्री, औली समेत जोशीमठ के सुनील वार्ड में बर्फबारी हुई है।

इनका कहना है कि मुआवजा तय हुए बिना वे अपनी संपत्ति कैसे छोड़ दें। कुछ लोगों को होटलों में शिफ्ट किया गया। लेकिन वहां भी दरारें थीं। इससे लोग नाराज हो गए। इनका कहना था कि जब मरना ही है तो हम अपने घरों में ही मरना पसंद करेंगे।

जोशीमठ में घर के सर्वों को लेकर असमंजस बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि सबकुछ वैसा नहीं है, जैसा दिख रहा है। एक कमरे में तीन-तीन परिवार रह रहे हैं। छोटे बच्चों वाले परिवारों के लिए सर्द रातें किसी बुरे सपने के समान साबित हो रही हैं। सुबह होने पर इनमें से ज्यादतर परिवार अपने घरों के बरामदों में आकर बैठ जाते हैं।

सिंहद्वार के रमेश सिंह नेगी ने कहा कि मंगलवार को सर्वे करने वाली टीम ने उनके मकान को सुरक्षित बताया था। रमेश बुधवार को काम पर चले गए। दोपहर में उनकी पत्नी ने फोन कर बताया कि सर्वे टीम आई है और कह रही है कि आधे घंटे में मकान खाली कर दो।

9 साल के बच्चे की बलि

पहले किडनैप किया; फिर सिर काटा, शरीर के कई टुकड़े भी किए

अहमदाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली में एक 9 साल के बच्चे को किडनैप कर उसकी हत्या कर दी गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नर बलि रस्म के तहत उसका सिर काट दिया गया। बाद में उसके शरीर के कई टुकड़े भी कर दिए गए। घटना गुजरात के वलसाड जिले की है, जहां एक हफ्ते पहले एक नहर के पास बच्चे का कटा हुआ सिर मिला। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, इस केस में एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत में लिया गया है।

बताया जा रहा है कि मृतक बच्चा आदिवासी समुदाय का था। उसके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। वहीं, मामले में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने आरोपियों के लिए सख्त सजा की मांग की है। इस मामले में पुलिस को एक लेटर जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि मासूम बच्चे की बलि किसी अपराधी और तांत्रिक ने दी। भाजपा के मुताबिक, यह घटना घिनौनी और अमानवीय और बेहद संगीन अपराध है।

29 दिसंबर से लापता था बच्चा

पुलिस ने बुधवार को बताया कि लड़का दादरा और नगर हवेली के जिले सिलवासा के सयाली गांव से 29 दिसंबर से लापता था। परिवार ने 30 दिसंबर को थाने में किडनैपिंग का मामला दर्ज कराया। उसके बाद बच्चे की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान सिलवासा से करीब 30 किमी दूर वापी के एक नहर उसका कटा सिर मिला। वहीं, बॉडी के बाकी पार्ट्स सयाली गांव में पाया गया। पुलिस के मुताबिक, बच्चे के बॉडी पार्ट्स को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

लड़के ने कबूला, बच्चे का सिर काटा

पुलिस ने बताया कि हत्या की जांच के दौरान वह उस आरोपी लड़के के पास पहुंची और उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी लड़के ने बताया कि उसने 29 दिसंबर को बच्चे को किडनैप किया और पैसे के लिए उसने बच्चे की नर बलि के रूप में हत्या कर दी। लड़के ने खुलासा किया कि इस घटना में उसके दो साथी शैलेश कोहकेरा और रमेश सांवर ने उसकी मदद की। पुलिस के मुताबिक, रमेश ने ही लड़के और शैलेश को पैसों का लालच देकर बलि देने के लिए उकसाया था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 3 जनवरी को तीनों की गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

बूचड़खाने में काम करने वाले ने की रेता गला

पुलिस ने बताया कि आरोपी लड़का वापी जिले के कपराडा तालुका के कर्जन गांव का रहने वाला है। वह वहां बूचड़खाने में कसाई का काम करता है। उसे सूरत के ऑब्जर्वेशन होम में भेजा गया है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, वापी में बिना सिर का शव मिलने के बाद मामले की जांच के लिए 100 पुलिसकर्मियों की एक टीम गठित की गई थी। इन पुलिसकर्मियों ने सीसीटीवी के आधार पर आस-पास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के बाद गांव और नहर के पास के इलाकों की तलाशी ली गई।

सांसद महुआ मोइत्रा ने टी स्टॉल पर चाय बनाई

लिखा- किसे पता कि मैं कहां पहुंच जाऊं

कोलकाता, 12 जनवरी (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे सड़क के किनारे एक टी स्टॉल पर चाय बना रही हैं। उन्होंने यह वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। कैप्शन लिखा, 'चाय बनाने में हाथ आजमाया। किसे पता कि मैं कहां पहुंच जाऊं।'

सोशल मीडिया पर लोग उन्हें पीएम की रेस में शामिल होने पर बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने उनकी पोस्ट पर कमेंट किया, 'बहुत जल्द पीएम बनने की बधाई'। दरअसल, पश्चिम बंगाल में हाल ही में पंचायत चुनाव होने हैं। ऐसे में टीएमसी सांसद 2023 में शुरू हुई बंगाल सरकार की योजना 'दीदिर सुरक्षा कवच' का लिए प्रचार कर रही हैं। यह वीडियो महुआ के लोकसभा क्षेत्र कृष्णानगर का है।

सुभाष चंद्र बोस के पोते ने चुटकी ली वीडियो में देखा जा सकता है कि महुआ टी स्टॉल पर एक के बर्तन में चीनी डालती हैं, फिर वे चाय उबालने लगती हैं। बाद में चाय की टपरी का मालिक उनसे बर्तन वापस ले लेता है। महुआ मोइत्रा के वीडियो पर भाजपा के पूर्व नेता और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि आप जानती हैं कि यह आपको कहां ले जाएगा।

एक यूजर ने लिखा आपमे पीएम बनने की काबिलियत है।

उधर, सोशल मीडिया पर यूजर्स भी महुआ के इस वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। ज्यादातर यूजर्स उन्हें पीएम की रेस में शामिल होने की बधाई दे रहे हैं। एक ट्विटर यूजर ने टीएमसी सांसद को 'एमबीए चायवाली' कहा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि आपने शीर्ष नौकरी के लिए एक बॉक्स चेक किया है अब जुमलों पर हाथ आजमाएं।

स्पाइसजेट ने एयरोब्रिज पर यात्रियों को लॉक किया

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के यात्रियों को एयरोब्रिज पर लॉक कर दिया गया। यह दावा दिल्ली-बेंगलुरु स्पाइसजेट की उड़ान SG 8133 के एक यात्री ने किया है। उसका कहना है कि एयरलाइन ने मंगलवार यानी 10 जनवरी को उड़ान भरने से पहले सभी यात्रियों को बोर्डिंग गेट और विमान के बीच के रास्ते पर बंद कर दिया। ट्रैवल व्लॉगर सौमिल अग्रवाल ने इसका वीडियो शेयर किया है। साथ ही कैप्शन में लिखा- स्पाइसजेट मैं समझता हूं कि कभी-कभी उड़ान में देरी हो जाती है। लेकिन यात्रियों को बोर्डिंग गेट पार कराना, अपने यात्रियों को आगे नहीं जाने देना और उन्हें बीच में बंद करना अच्छा नहीं है। जब यात्रियों ने बोर्डिंग गेट खोलने के लिए कहा, ताकि वे वेटिंग एरिया में वापस आराम कर सकें तो अधिकारियों ने इनकार कर दिया और गायब हो गए। जब सीनियर सिटिजन्स ने पानी मांगा क्योंकि वे वहां एक घंटे से ज्यादा समय से बंद थे, तो अधिकारियों ने उन्हें पानी नहीं दिया और कहा कि गेट खुलते ही फ्लाइट में पानी मांग लेना। जब लोगों ने उनसे पूछा कि इसमें कितना समय लगेगा तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। कौन अपने ग्राहकों के साथ ऐसा व्यवहार करता है?

स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने सफाई देते हुए कहा कि नेटवर्क में खराब मौसम के कारण उड़ान में देरी हुई, जिससे क्रू की ड्यूटी की समय सीमा ज्यादा हो गई। इसके बाद यात्रियों से अनुरोध किया गया कि वे एयरोब्रिज पर प्रतीक्षा करें, क्योंकि सुरक्षा जांच पहले ही की जा चुकी थी।

उन्होंने बताया कि एयरलाइन की ओर से उन यात्रियों को पानी परोसा गया था, जो एयरक्राफ्ट के दरवाजे और एयरोब्रिज के पास निचली मंजिल पर थे। वीडियो को बोर्डिंग गेट के बाहर शूट किया गया था, जिसकी पहुंच सीमित थी। उक्त उड़ान के सभी यात्रियों को सर्विस रिकवरी वाउचर दिए किए गए थे। एयरलाइन ने कहा कि बोइंग विमान के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्नअराउंड समय 40-45 मिनट है और इस विशेष उड़ान के लिए, यह औसत टर्नअराउंड समय से लगभग 20 मिनट ज्यादा था।

विशाखापट्टनम में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

आरोपियों को पकड़ने के लिए खंगाले जा रहे सीसीटीवी, 19 जनवरी को पीएम मोदी हरी झंडी दिखाने वाले हैं

विशाखापट्टनम , 12 जनवरी (एजेंसियां)। देश में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में पथराव की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। विशाखापट्टनम में हरी झंडी दिखाए जाने से पहले ही बुधवार को ट्रेन में पथराव हुआ। 19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे देश को समर्पित करने वाले थे। डीआरएम के मुताबिक, घटना कांचरापलेम के पास मेंटेनेंस के दौरान हुई है। वंदे भारत एक्सप्रेस के एक कोच का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

कुछ संदिग्धों की पहचान

रेलवे अधिकारी अनूप कुमार सत्पथी ने बताया कि घटना बुधवार शाम 6:30 बजे की है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दो खिड़की के शीशे पूरी तरह से टूट गए और उन्हें जल्द ही बदल दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली गई है। आरपीएफ उन पर नजर बनाए हुए है। मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। मोदी 19 जनवरी को हरी झंडी दिखाने वाले थे

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर देश को समर्पित करने वाले थे। यह ट्रेन सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम के बीच चलेगी। इस दौरान यह वारंगल, खम्माम, विजयवाड़ा और राजमुंद्री में रुकेगी।

बंगाल में वंदे भारत पर हफ्तेभर में 3 बार पथराव हुआ

पश्चिम बंगाल में वंदे भारत ट्रेन पर रविवार को पथराव हुआ। हफ्तेभर में ट्रेन पर पथराव की यह तीसरी घटना थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बारोसई रेलवे स्टेशन के पास वंदे भारत C14 कम्पार्टमेंट पर पत्थर फेंके गए। इससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इस घटना के चलते ट्रेन को बोलपुर स्टेशन पर काफी देर तक रोकना पड़ा। गनीमत यह रही कि इस पत्थरबाजी में किसी यात्री को कोई चोट नहीं आई।

इससे पहले 2 जनवरी की रात मालदा में वंदे भारत पर पथराव हुआ। पत्थरबाजी कुमारगंज रेलवे स्टेशन के पास हुई। 3 जनवरी को हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत ट्रेन पर किशनगंज में पत्थरबाजी हुई थी।

विकास से सहमत विरोधी दलों को साधने पर जोर

लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए का कुनबा बढ़ाने के लिए और दलों को जोड़ेगी भाजपा

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने जा रहे लोकसभा और उससे पहले 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा एनडीए का कुनबा बढ़ाने की दिशा में बढ़ सकती है। वैचारिक विरोध के बावजूद मोदी सरकार के विकास के एजेंडे पर राजी दलों को गठबंधन में लाने की सहमति पार्टी में बनी है। जिन राज्यों में पार्टी अभी मजबूत स्थिति में नहीं है वहां स्थानीय दलों से गठबंधन से परहेज नहीं होगा।

भाजपा महामंत्रियों की मंगलवार को बैठक में एनडीए के मौजूदा और भावी सहयोगियों पर मंथन किया गया। 10 राज्यों में इस साल होने वाले चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। सूत्रों ने कहा, भाजपा मिशन दक्षिण को सफल बनाने के लिए गठबंधन की शर्तों को उदार करेगी। खासकर पुराने सहयोगियों से गठबंधन में।

आंध्र प्रदेश में तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी), अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना को सहयोगी बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि टीडीपी से गठबंधन कर भाजपा आंध्र में अपनी पैठ मजबूत कर सकती है। उसका फोकस तेलंगाना पर है ऐसे में बीआरएस (पहले टीआरएस) से मुकाबले के लिए यदि टीडीपी को साथ लेना पड़े तो भाजपा इससे परहेज नहीं करेगी।

उत्तर-पूर्व के चार राज्यों में चुनाव हैं। यहां त्रिपुरा में भाजपा की सरकार है जबकि नागालैंड, मिजोरम और मेघालय में गठबंधन की सरकार है। इन तीनों राज्यों में गठबंधन के मौजूदा घटक दलों के साथ तालमेल बेहतर करने और नए सहयोगियों को जोड़ने की रणनीति बनाई गई। पार्टी के एक बड़े नेता कहते हैं कि भाजपा, खुद से गठबंधन की पहल नहीं करेगी चूंकि पार्टी खुद मजबूत स्थिति में है।

समराला चौक पहुंचे राहुल गांधी; बोले- लुधियाना को नोटबंदी व गलत जीएसटी ने पहुंचाया नुकसान

लुधियाना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में दूसरे दिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज के अंतिम पड़ाव समराला चौक लुधियाना पहुंच गई। उनके साथ पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजावडिंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व सांसद रवणीत बिट्टू के अलावा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी दिखे। यात्रा के बाद अब राहुल गांधी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कल लोहड़ी की वजह से यात्रा नहीं होगी। समराला चौक पर पहुंचे राहुल गांधी ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने लुधियाना में स्मॉल स्केल इंडस्ट्री को फोकस करके केंद्र पर चोट की। उन्होंने कहा कि लोग लुधियाना को मैनचेस्टर जैसा कहते हैं, लेकिन असल में मैनचेस्टर लुधियाना की तरह है। मैनचेस्टर का भविष्य नहीं है, लेकिन लुधियाना का है। लुधियाना को नोटबंदी और गलत जीएसटी ने चोट पहुंचाई।

राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र का फोकस सिर्फ दो-तीन घराने हैं। स्मॉल स्केल इंडस्ट्री की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। बड़े घराने देश को रोजगार नहीं दे सकते, लेकिन स्मॉल स्केल इंडस्ट्री दे सकती है। केंद्र स्मॉल स्केल इंडस्ट्री के लिए कुछ नहीं कर रही। अगर स्मॉल स्केल इंडस्ट्री को सहायता मिले तो हम चाइना से मुकाबला कर सकते हैं।

लुधियाना नें केंद्र सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि केंद्र देश में डर, नफरत व अहिंसा फैला रहा है। धर्म को दूसरे धर्म से, दोस्त को दोस्त और भाई को भाई से लड़ा रहा है। इस नफरत के बीच उन्होंने महोब्बत की दुकान खोली है। इस यात्रा में भाग लेने वाले लाखों करोड़ों लोगों ने इस महोब्बत की दुकान को खोला है। पंजाब मदद करने वालों का राज्य हैं। यहां गुरुओं ने सभी को प्यार करना सिखाया है। अंत में उन्होंने सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हुए अलविदा कहा।

पंजाब में दूसरे दिन की यह यात्रा खन्ना से शुरू हुई थी। सुरक्षा कारणों के चलते सुबह स्टार्ट पॉइंट को जसपालों से 1 कि.मी. आगे कद्दो चौक और समय 7 बजे से किया गया। आज इवनिंग वॉक को नहीं रखा गया। वहीं राहुल गांधी आज अपने पुराने रंग टी-शर्ट व बिना पगड़ी के ही दिखे।

यात्रा शुरू होने से पहले 1984 के दंगा पीड़ितों को लुधियाना में नजरबंद कर दिया गया है। सूचना के अनुसार दंगा पीड़ितों की बसी कॉलोनी सीआरपी दुगरी में नजरबंद किया है। बुधवार ही दंगा व 1947 बंटवारे के पीड़ितों का एक नोट कांग्रेस ऑफिस के बाहर चिपका रोष जाहिर किया गया था। जिसके बाद सतर्कता के चलते यह कदम उठाया गया है।

लुधियाना में राहुल की यात्रा का 15 जगहों पर स्वागत किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 13 जनवरी, 2023 3

सु वि चा र

दूसरों के अवगुण न देखना ही सबसे बड़ा त्याग है

तेलंगाना कांग्रेस को चुनाव के लिए तैयार करने के लिए ठाकरे ने सभी से मुलाकात की : रेवंत

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि एआईसीसी के राज्य मामलों के प्रभारी माणिक राव ठाकरे ने चुनावों के लिए तेलंगाना कांग्रेस को तैयार करने के लिए बैठकें कीं।

जैसा कि तेलंगाना में चुनावी वर्ष है, नए प्रभारी के रूप में कार्यभार संभालने वाले ठाकरे ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ लगातार दो दिनों तक बैठक की। उन्होंने कहा कि ठाकरे ने पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति, कार्यकारी समिति, डीसीसी, सीसीसी के अध्यक्षों, राज्य के महासचिवों और संबद्ध संघों के नेताओं के साथ बैठक की।

रेवंत ने कहा कि ठाकरे के पास पार्टी और राजनीति दोनों का लंबा अनुभव है। उन्होंने कहा कि यूथ कांग्रेस से लेकर पीसीसी अध्यक्ष तक कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। रेवंत ने याद दिलाया कि मुंबई में हुए बम धमाकों और सांप्रदायिक दंगों के समय वह गृह मंत्री थे और ठाकरे ने ऐसी कठिन परिस्थितियों में गृह मंत्री के रूप में बहुत कुशलता से काम किया। उन्होंने कहा कि जना रेड्डी ने गृह मंत्री के रूप में कुशलता से काम किया जब वाईएसआर संयुक्त राज्य में सीएम थे। जब शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे तब भी ठाकरे ने कुशलता से काम किया था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि ठाकरे तेलंगाना में जना रेड्डी जितने ही अनुभवी नेता हैं। वह समस्याओं को हल करने में अपनी अलग शैली दिखाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसे नेता को तेलंगाना राज्य मामलों के प्रभारी के रूप में पाकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि इतने अनुभव और मान्यता के साथ प्रभारी के रूप में एक नेता की नियुक्ति से समझा जा सकता है कि हाईकमान को तेलंगाना से कितना प्यार है।

उन्होंने कहा कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान ठाकरे ने 26 जनवरी से होने वाली हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के बारे में पार्टी में सभी से बात की। रेवंत ने कहा कि ठाकरे ने कहा कि इस प्रक्रिया को 20 जनवरी तक समन्वय के साथ पूरा किया जाना चाहिए और वह 21 जनवरी को फिर से आएंगे और हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा समितियों की पूरी घोषणा करेंगे।

सीएम केसीआर ने लोगों के साथ धोखा किया : इटेला

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज सीएम केसीआर पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम ने न केवल राज्य में लोकतंत्र की हत्या की है, बल्कि तेलंगाना में सामंती शासन भी चला रहे हैं। इटेला ने आज संगारेड्डी जिले में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री से पूछा कि राज्य में किसी भी स्थान पर उनकी यात्रा के दौरान विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करना कैसे सही था? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम ने अवैध बेल्ट की दुकानों से आबकारी विभाग की आय में वृद्धि की है। राज्य की पार्टियों, एटाला ने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन के बावजूद अगले विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि लोग केसीआर पर विश्वास नहीं कर रहे थे और कहा कि सीएम की नजर अब देश के लोगों पर है। उन्होंने कहा कि वे अविभाजित करीमनगर और वारंगल जिलों से बहुमत से विधायक सीटें जीतेंगे।

यात्रियों को सुखद बस यात्रा उपलब्ध कराने को प्राथमिकता : पुव्वाड़ा

परिवहन मंत्री ने सिटी बस स्टैंड का उद्घाटन किया

खम्मम, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने गुरुवार को यहां खम्मम सिटी बस स्टैंड का उद्घाटन किया। मंत्री ने सांसद नामा नागेश्वर राव, मेयर पी नीरजा, नगर आयुक्त आदर्श सुरभि और अन्य लोगों के साथ बस स्टैंड से एक स्थानीय बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पुराने बस स्टैंड का जीर्णोद्धार कर इसे लोगों के लिए सुलभ बनाया गया है। अप्रैल 2021 में एनएसपी क्षेत्र में एक आधुनिक नए बस स्टैंड के उद्घाटन के बाद, पुराने बस स्टैंड को बंद कर दिया गया था और यात्रियों की यात्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पुराने बस स्टैंड के जीर्णोद्धार पर 50 लाख रुपये खर्च किए गए थे, जिसका इतिहास बहुत पुराना है। अजय कुमार ने कहा कि वर्तमान में सिटी बस स्टैंड से कालवोड्डु क्षेत्र, पुराने मछली बाजार को कवर करने वाले नए बस स्टैंड, जिला परिषद केंद्र, आईटी हब, एसआर एंड बीजीएनआर कॉलेज, एनटीआर सर्कल और आरटीओ कार्यालय क्रॉस रोड तक 10 सिटी बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। सूडा के अध्यक्ष बच्चू विजय कुमार, आरटीसी के कार्यकारी निदेशक वेंकटेश्वर राव, इसके क्षेत्रीय प्रबंधक प्रभुलता, डिप्टी मेयर फातिमा ज़ोहरा, डीसीसीबी के अध्यक्ष के नागभूषणम और अन्य उपस्थित थे।

ईसामिया बाजार स्थित नारायण सेवा संस्थान केन्द्र मे आगामी नवीनीकृत भवन उद्घाटन कार्यक्रम संबंधी निमंत्रण पत्र का विमोचन प्रमुख समाजसेवी व लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, उत्तम डामराणी जैन, अलका चौधरी, रिद्धीश जागीरदार, मयुर पुरोहित, महेन्द्र सिंह रावत।

दमरे ने त्योहारी सीजन के लिए विशेष उपाय शुरू किए

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने संक्रांति त्योहार के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों के बीच बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए कई पहल की हैं। प्रवास के लिए प्रत्याशित भारी भीड़ से निपटने के लिए दमरे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न प्रावधान तैयार किए गए हैं। जबकि अधिकांश यात्रा करने वाले लोग अपनी यात्रा की योजना पहले से ही बना लेते हैं, यात्रा करने वाले लोगों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत अल्प सूचना पर अपनी यात्रा की योजना बनाता है और परिवहन के किफायती विकल्पों पर यात्रा करना पसंद करता है।

इस तरह यात्रियों के इस वर्ग को पूरा करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने विशेष रूप से दो तेलुगु राज्यों के बीच विभिन्न स्थानों के लिए विशेष ट्रेनों की शुरुआत की है। साथ ही, शबरीमाला तीर्थयात्रा में "ज्योति" दर्शन के मद्देनजर, बड़ी संख्या में शबरी तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए, पवित्र स्थान की ओर अतिरिक्त विशेष ट्रेनों को भी अधिसूचित किया गया है। इसके अलावा, दमरे ने अपने रेल यात्रियों को परेशानी मुक्त और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए अपने संसाधनों (जैसे जनशक्ति) का इष्टतम उपयोग करके विशेष व्यवस्था भी की है। अनारक्षित कोचों से यात्रा करने के इच्छुक यात्री अपने स्मार्ट फोन में "यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप" का उपयोग करके ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से टिकट खरीदने का विकल्प चुनकर बुकिंग काउंटरों पर भीड़ से बच सकते हैं। जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवकों (जेटीबीएस), स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) के सुविधाकर्ताओं से भी टिकट प्राप्त किए जा सकते हैं।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर बुकिंग काउंटरों की संख्या 12 से बढ़ाकर 21 करने, बुकिंग काउंटरों पर अतिरिक्त जनशक्ति उपलब्ध कराने के माध्यम से यात्रियों की परेशानी मुक्त यात्रा के लिए भीड़ प्रबंधन के उपाय। स्टेशन टिकट चेकिंग स्टाफ की संख्या 20 से बढ़ाकर 40 कर दी गई है, ताकि यात्रियों को सही ट्रेनों में चढ़ने के लिए बिंदु से बिंदु तक मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। आरक्षित कोचों में अनाधिकृत यात्रियों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने और स्टेशन तथा ऑनबोर्ड पर धक्का-मुक्की और भगदड़ को रोकने के लिए टिकट जांच कर्मचारियों की स्क्वॉड टीम को विशेष निर्देश दिए गए हैं, जिनकी संख्या त्योहारी सीजन के लिए दोगुनी कर दी गई है। नियमित आधार पर 30 आरपीएफ कर्मियों के अलावा, स्टेशन परिसर में यातायात के मुक्त प्रवाह के लिए और बुकिंग काउंटरों पर, प्रवेश/निकास द्वारों के पास और एफओबी और ट्रेनों के पास कतार/भीड़ प्रबंधन के लिए 30 और आरपीएफ कर्मचारियों को नामित किया गया है।

आसिफाबाद के दो गांवों का विकास करेगी बीमा कंपनी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्टार यूनियन दाई-इची (एसयूडी) लाइफ इंश्योरेंस, एक बीमा कंपनी, ने हाल ही में कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के अधिकारियों के साथ पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, ताकि तिरयानी मंडल के गिन्नेधारी गांव और आसिफाबाद जिले के रौतासंकेपल्ली गांव में 25 लाख रुपये खर्च कर शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं बनाई जा सकें। 10 जनवरी को एसयूडी लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभय तिवारी और ग्रुप बिजनेस के प्रमुख सुभाष चंद्रा ने आसिफाबाद में आसिफाबाद विधायक अथरम सक्कू और जिला परिषद अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी की उपस्थिति में कलेक्टर राहुल राज के साथ एमओयू निष्पादित किया। अभय ने कहा कि बीमा कंपनी दोनों गांवों में चरणबद्ध तरीके से विकासात्मक गतिविधियां शुरू करेगी। ईएसजी कार्यक्रम का लक्ष्य दो गांवों की साक्षरता दर में सुधार करना है जो वर्तमान में 56 प्रतिशत है। यह बच्चों के लिए एक डिजिटल एप्लिकेशन सदस्यता के साथ एक कंप्यूटर और प्रोजेक्टर के साथ एक ई-लर्निंग सुविधा स्थापित करेगा। यह आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की योजना बना रहा है। यह पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण भी करेगा और स्थानीय लोगों को सरकार के 5 एकड़ के क्षेत्र में पेड़ लगाने में मदद करेगा। यह नहर के किनारे और गाँव के तालाब के चारों ओर लगभग 1,000 फल देने वाले पेड़ जैसे अमरूद, सीताफल, केसर आम या क्षेत्र के लिए उपयुक्त अन्य पौधों का रोपण करेगा।

टीपीसीसी प्रमुख ने की पुलिस की खिंचाई

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज राज्य पुलिस की आलोचना की और कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के दौरे के दौरान पुलिस का रवैया अच्छा नहीं था। सीएम के दौरे से पहले कांग्रेस पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए, रेड्डी ने पुलिस द्वारा उनके नेताओं की निवारक गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक और प्रकृति में तानाशाही करार दिया।

उन्होंने हैरानी जताई कि मुख्यमंत्री के दौरे से पहले पुलिस उनकी पार्टी के नेताओं को कैसे गिरफ्तार करेगी? उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या तेलंगाना राज्य किसी नरेश के शासन में है? उन्होंने पुलिस से उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करने की मांग की और चेतावनी दी कि अगर पुलिस ने उनकी पार्टी के नेताओं को रिहा नहीं किया तो वे गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि कोठागुडेम जिले में सीएम केसीआर के दौरे से पहले पुलिस ने कांग्रेस पार्टी, भाजपा और आदिवासी संगठनों के नेताओं को गिरफ्तार किया था।

मंत्री ने किया खेतेश्वर महाराज के शिष्य तुलछाराम का अभिनंदन

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास एवं छायांकन राज्य मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गौलीगुड़ा में श्री खेतेश्वर महाराज के शिष्य तुलछाराम का स्वागत करते हुए राज पुरोहित समाज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की।

इस मौके पर मंत्री श्रीश्रीश्री तुलचरणजी ने महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बाद में श्री श्री श्री तुलचरंजी महाराज ने मंत्री को आशीर्वाद दिया। राजपुरोहित समाज के पदाधिकारियों ने मंत्री को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, बीआरएस नेता नंदू बिलाल सहित बेगमबाजार बाजार पार्षद जी. शंकर यादव और बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ व अन्य मौजूद रहे। इस महोत्सव की अध्यक्षता राजपुरोहित समाज के अध्यक्ष जोग सिंह, विजय राजजी, गुमान सिंह व अर्जुन सिंह ने की।

संगारेड्डी : अमीनपुर में लड़के के गले में फंसा नायलॉन का मांझा

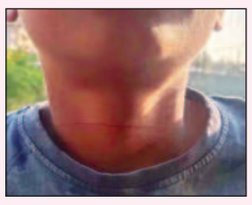

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर में एक बार फिर नायलॉन मांझे से बचने की जरूरत पर बल देने वाली एक घटना में मांजा गले में फंस जाने से कक्षा 5 के एक छात्र के गले में चोट लग गई। छात्र श्रीकांत अपने दोस्तों के साथ बुधवार को स्कूल से लौटकर अपनी कॉलोनी में पतंग उड़ा रहा था, तभी उसके एक दोस्त द्वारा उड़ाई गई पतंग में से नायलॉन का मांजा उसके गले में फंस गया। श्रीकांत मामूली चोट के साथ बाल-बाल बच गए क्योंकि वे स्थिर खड़े रहे और घबराए नहीं। इस बीच, तेलंगाना में नायलॉन मांझे के इस्तेमाल के खिलाफ अभियान चलाने वाली एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) ने घटना के बाद उस जगह का दौरा किया और इलाके में बच्चों को नायलॉन मांझे के इस्तेमाल से बचने की जरूरत के बारे में शिक्षित करने के बाद उनसे पतंग उड़ाते समय नायलॉन मांझा जब्त किया। एडब्ल्यूसीएस के संस्थापक प्रदीप नायर ने कहा कि प्रतिबंधित नायलोन मांझे में फंसकर कई पक्षी और जानवर मर रहे हैं। एडब्ल्यूसीएस को हैदराबाद और उसके आस-पास मांझा में फंसे पक्षियों को बचाने के लिए हर दिन कम से कम 10 कॉल मिल रहे है। कई पक्षी इसलिए भी मर रहे हैं क्योंकि उन्हें लोगों ने नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि अकेले एडब्ल्यूसीएस ने 2022 में नायलॉन मांझे में फंसे कम से कम 350 पक्षियों को बचाया है, उन्होंने पतंग उड़ाने वालों से नायलॉन मांझे से बचने की अपील की।

श्रीशैलम मंदिर में भक्तों को दर्शन प्रदान करेगी एपीएसआरटीसी

अमरावती, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्वामित्व वाली एपीएसआरटीसी ने श्रीशैलम मल्लिकार्जुन स्वामी के भक्तों के लिए एक खुशखबरी दी है। इसने कहा कि यह मंदिर के दर्शन प्रदान करेगा और कहा कि वे भक्तों को सर्वदर्शनम की सुविधा प्रदान करेंगे, जो अपनी सेवाओं का आरक्षण करते हैं। निगम के प्रबंध निदेशक द्वारिका तिरुमाला राव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वे बहुत जल्द टिकट देंगे. उन्होंने कहा कि वे श्रद्धालुओं को मंदिर में टिकट की उपलब्धता बनाए रखने के लिए भी कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के सभी धार्मिक स्थलों के लिए अपनी बस सेवाएं संचालित करने का फैसला किया है और कहा कि वे राज्य के श्रद्धालुओं के लिए अपने पैकेज लेकर आएंगे।

पत्नी ने शराबी पति की हत्या की

पेड्डापल्ली, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ओडेला मंडल के लंबाडी तांडा में गुरुवार दोपहर एक 38 वर्षीय व्यक्ति, गुगुलोथ तेजा नाइक की कथित तौर पर उसकी पत्नी ने हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक शराब के नशे में धुत तेजा नाइक का अपनी पत्नी कविता से अक्सर झगड़ा होता था। गुरुवार को भी उसने कथित तौर पर नशे की हालत में उसके साथ बहस की। अपने उत्पीड़न को बर्दाश्त करने में असमर्थ, कविता ने कथित तौर पर तेजा नाइक पर एक कौवा से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ओडेला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए पेड्डापल्ली अस्पताल भेज दिया है।

नगर में शराब पीकर गाड़ी चलाने पर नौ लोगों को जेल

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तृतीय विशेष मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट, राजेंद्रनगर ने गुरुवार को शराब पीकर गाड़ी चलाने के दौरान पकड़े गए नौ लोगों को दोषी ठहराया और जेल भेज दिया। शमशाबाद ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर रोक लगाने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के दौरान गुरुवार को 29 लोगों को पकड़कर अदालत में पेश किया। अदालत ने नौ लोगों को दो दिन से पांच दिन के बीच की अवधि के लिए जेल भेज दिया, जबकि शेष को जुर्माना भरने को कहा।

भारतीय सेना 15 जनवरी को बेंगलुरु में मनाएगी 75वां सेना दिवस

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिगेडियर के. सोमा शंकर, एसएम, कार्यकारी जनरल ऑफिसर कमांडिंग तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र ने कहा कि भारतीय सेना 15 जनवरी को बेंगलुरु में अपना 75 वां सेना दिवस मना रही है। यह आयोजन पहली बार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से दूर ले जाने के लिए भारत सरकार की पहल के एक भाग के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

देश के विभिन्न भागों में इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से स्थानीय नागरिकों की बड़ी भागीदारी होगी। हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) केएम करियप्पा ने 1494 में कमांडर-इन-चीफ का पदभार संभाला था, इस प्रकार स्वतंत्रता के बाद पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड की शुरुआत सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, पीवीएसएम.एवीएसएम द्वारा मद्रास इंजीनियर सेंटर युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के साथ शुरू होगी। वीएसएम एडीसी उन सभी सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देंगे, जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया। थल सेना प्रमुख इसके बाद एमईजी एंड सेंटर बेंगलुरु परेड ग्राउंड में सेना दिवस परेड की समीक्षा करेंगे और बहादुरी और बलिदान के लिए व्यक्तिगत कार्यों के लिए वीरता पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके अलावा सक्रिय परिचालन परिस्थितियों में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सीओएएस यूनिट प्रशस्ति पत्र भी इकाइयों को प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष सेना दिवस परेड में सेना सेवा कोर से घुड़सवार दल और रेजिमेंटल ब्रास बैंड से युक्त एक सैन्य बैंड सहित आठ मार्चिंग टुकड़ियां दिखाई देंगी। इनमें से प्रत्येक टुकड़ी गौरवशाली इतिहास और अनूठी परंपराओं वाली रेजीमेंट का प्रतिनिधित्व करती है। सेना दिवस परेड को सेना उड्डयन ध्रुव और रुद्र हेलीकाप्टरों के फ्लाई पास्ट द्वारा समर्थित किया जाएगा। इसके अलावा भारतीय सेना की सूची में आयोजित विभिन्न हथियार प्रणालियां प्रदर्शित की जाएंगी जिनमें केएस वज्र चालित बंदूकें, पिनाका रॉकेट, टी 90 टैंक, बीएमपी 2 पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन तुंगुस्का वायु रक्षा प्रणाली .155 मिमी बोफोर्स, लाइट स्ट्राइक वाहन स्वाति रडार और विभिन्न असॉल्ट ब्रिज शामिल हैं। बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम के उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में हम सेना के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सेना दिवस के महत्व के लिए आम जनता तक पहुंचे हैं।

भारतीय सेना ने एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम की योजना बनाई है ताकि नागरिकों के साथ बंधन को मजबूत किया जा सके। स्कूलों और कॉलेज के छात्रों के साथ दूरस्थ गांवों और समाज के सभी क्षेत्रों के लोगों के साथ कार्यक्रमों का आयोजन करके। इन कार्यक्रमों को सेना दिवस 2023 की प्रस्तावना के रूप में आयोजित किया गया था। दक्षिणी कमान में 18 विभिन्न स्टेशनों पर एक रन का आयोजन किया गया था, जिसकी थीम रन फॉर सोल्जर्स-रन विद सोल्जर्स थी। हैदराबाद में इसे नेकलेस रोड पर आयोजित किया गया था, जिसमें 1000 लोगों ने भाग लिया था। रक्त दान शिविर आयोजित किया गया था जिसमें सिकंदराबाद और हैदराबाद में 7500 यूनिट रक्तदान किया गया था, यह सैन्य अस्पतालों में आयोजित किया गया था, जहां विद्यांजलि योजना के तहत, 75 सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की पहचान की गई थी और पारस्परिक रूप से लाभकारी विकास कार्यक्रमों को साझा किया गया था।

75 अमृत सरोवर/तालाबों को किया गया है जल जीवन सुरक्षा के तहत पुनर्जीवित किया गया। "वृक्षारोपण पर्यावरण सुरक्षा" योजना के तहत 75000 पौधे लगाए गए हैं। एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत थीम के तहत डब्ल्यूपीएन डिस्प्ले बैंड प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। प्री इवेंट के दौरान 1100 से अधिक स्थानीय नागरिक पहले ही परेड देख चुके हैं।

दरभंगा में सीएम नीतीश की समाधान यात्रा

बिहार के दूसरे तारामंडल का किया शुभारंभ, कहा – एम्स को कहीं और शिफ्ट करेंगे

दरभंग, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दरभंगा पॉलिटेक्निक परिसर में राज्य के दूसरे तारामंडल का शुभारंभ सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को किया। सीएम निर्धारित समय से करीब एक घंटा बीस मिनट लेट पहुंचे थे। शुभारंभ के बाद सीएम ने तारामंडल के अंदर और बाहर बारीकी से मुआयना किया और संबंधित अधिकारी से कई जानकारी ली।

सीएम ने तारामंडल पर लिखे नाम तारामंडल सह विज्ञान संग्रहालय को बदल कर ₹तारामंडल सह ज्ञान विज्ञान केंद्र संग्रहालय₹ करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि वे यह सौगात दरभंगा वासियों को बहुत पहले देने का सोचे थे जो सपना आज पूरा हो गया। यह तारामंडल पटना से बड़ा बना है। कुछ और काम होना है जो जल्द पूरा हो जाएगा।

एम्स को डीएमसीएच के अलावा कहीं और किया जाएगा शिफ्ट

सीएम ने एम्स को डीएमसीएच के अलावा कहीं और शिफ्ट करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने सोंचा था कि डीएमसीएच को ही एम्स में अपग्रेट किया जाएगा। किसी का नाम लिए बिना इशारों में कहा कि केंद्र सरकार के जिद के कारण डीएमसीएच अपग्रेड नहीं किया गया। एम्स अलग बनाया जाएगा।

हालांकि सीएम ने यह नहीं बताया कि एम्स कहां बनेगा। उनसे जब पूछा गया कि निर्माण कार्य रुका हुआ है तो कहा कि जल्द ही जगह चिन्हित कर शुरु कराया जाएगा।

तारामंडल में मनोरंजन के कई साधन, दरभंगा के लिए बड़ी उपलब्धि

इस तारामंडल को अमेरिका की टीम ने डिजाइन किया है। 88 करोड़ की लागत से तारामंडल और 300 सीटों के ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया है। तारामंडल के अंदर एक साथ 150 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। तारामंडल का ट्रायल किया गया जो सफल रहा। साथ ही इसी भवन में 150 सीट के ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया है जिसमें मनोरंजन के कई साधन है। दरभंगा के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

इससे पहले सीएम ने कादिराबाद में बने फ्लोटिंग सोलर प्लांट का निरीक्षण किया। प्लांट में कुछ बदलाव का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि सोलर प्लांट लगाने की योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। सीएम के साथ मंत्री विजय कुमार चौधरी, संजय झा, अशोक चौधरी, ललित यादव, मदन सहनी भी मौजूद थे। सीएम को देखने के लिए लोग घरों के छत पर थे जिनका उन्होंने अभिवादन किया।

यूपी में दो दिन हो सकती है बारिश

कानपुर सबसे ठंडा, 11 दिन में साढ़े पांच घंटे निकली धूप, 15 से 21 जनवरी तक बर्फीली हवाएं चलेंगी

लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने यूपी में अगले दो दिन बारिश के आसार जताए हैं। पश्चिमी यूपी में बारिश की ज्यादा संभावना है। वहीं लखनऊ और आस-पास के जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। बुधवार को प्रदेश में 4.8°C के साथ कानपुर नगर सबसे ठंडा रिकॉर्ड किया गया। कानपुर में एक से 11 जनवरी के बीच केवल साढ़े पांच घंटे ही धूप निकली है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 15 से 21 जनवरी तक UP में फिर बर्फीली हवाएं चलेंगी, लेकिन कोहरे का प्रकोप मामूली रूप से कम होना शुरू हो जाएगा।

21 जनवरी के बाद मौसम साफ होने और न्यूनतम तापमान बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली के कुछ इलाकों में बुधवार रात बूंदाबांदी हुई है। पश्चिमी UP यानी गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और इसके आस-पास भी दो दिन बारिश का असर ज्यादा दिखाई देगा।

बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान 4 से 9°C के बीच दर्ज हुआ, जबकि अधिकतम तापमान 27°C तक दर्ज हुआ। सबसे कम तापमान 4.8°C कानपुर में रिकॉर्ड किया गया। धूप निकलने के चलते झांसी में दिन का पारा 27°C दर्ज हुआ। सोनभद्र के चुर्क में अधिकतम पारा 24.5°C और प्रयागराज में 19°C दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, पीलीभीत, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर और आसपास के इलाकों के लिए ठंड का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में ठंड का येलो अलर्ट जारी

वाराणसी और आसपास के इलाकों, लखनऊ और उसके आसपास, पश्चिमी UP में मेरठ, कासगंज, अमरोहा, संभल, बंदायू आदि इलाकों में ठंड का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार के शिक्षा मंत्री बोले- रामचरितमानस नफरत फैलाने वाला ग्रंथ

कहा- मनु स्मृति दलितों और वंचितों के हक छीनने की बातें करता है

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर ने मनु स्मृति और रामचरितमानस को समाज में नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बताया है। उन्होंने कहा- रामचरित मानस समाज में दलितों-पिछड़ों और महिलाओं को पढ़ाई से रोकता है। उन्हें उनका हक दिलाने से रोकता है। चंद्रशेखर RJD से विधायक हैं। शिक्षा मंत्री पटना के ज्ञान भवन में आज नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी के 15वें दीक्षांत समारोह में अतिथि थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सशक्त और समृद्ध मोहब्बत से बनेगा, न कि नफरत से। देश में छह हजार से अधिक जातियां हैं। जितनी जातियां हैं, उतनी ही नफरत की दीवार है। जब तक यह समाज में मौजूद रहेगी, भारत विश्वगुरु नहीं बन सकता है।

डॉ. चन्द्रशेखर ने कहा कि संघ और नागपुर से जुड़े लोग समाज में नफरत फैलाते हैं। संबोधन के दौरान उन्होंने रामचरितमानस का दोहा अधम जाति में विद्या पाए, भयहु यथा अहि दूध पिलाए... पढ़ते हुए कहा कि यह समाज में नफरत फैलाने वाला ग्रंथ है। अधम का मतलब होता है नीच, नीच जाति के लोगों को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार नहीं था,

नीच जाति के लोग शिक्षा ग्रहण करके जहरीले हो जाते हैं जैसे कि सांप दूध पीने के बाद हो जाता है।

यह समाज में दलितों-पिछड़ों और महिलाओं को पढ़ाई से रोकता है। उन्हें उनका हक दिलाने से रोकता है।

शिक्षा मंत्री कार्यक्रम से निकलकर मीडिया के सामने भी अपने बयान पर कायम रहे। उन्होंने कहा कि किसी जमाने में पहले मनु स्मृति ने समाज में नफरत का बीज बोया। फिर उसके बाद रामचरितमानस ने समाज में नफरत पैदा की। आज के समय में गुरु गोलवलकर का विचार समाज में नफरत फैला रहा है।

आगे उन्होंने कहा कि मनु स्मृति को बाबासाहेब अंबेडकर ने इसलिए जलाया था, क्योंकि वह दलितों और वंचितों के हक छीनने की बातें करता है। रामचरितमानस में ऐसे कई छंद हैं, जो समाज में नफरत पैदा करते हैं।

शिक्षा मंत्री ने एनओयू के कार्यक्रम में हजारों छात्र-छात्राओं से जाति का बंधन तोड़ने की अपील की। कहा कि किसी से जाति न पूछो और किसी की जाति पता लगाने की कोशिश न करो। न ही अपनी जाति किसी को बताओ। अपना व्यक्तित्व काफी है अपनी पहचान के लिए। उन्होंने कहा कि वह अपने नाम चंद्रशेखर के आगे-पीछे कोई टाइटल नहीं लगाते, ताकि उनकी जाति का पता न चले। ऐसे में जब मीडिया ने सवाल किया कि सरकार जातिगत जनगणना करा रही है, इसमें क्या वह अपनी जाति बताएंगे? साथ में आप जाति का बंधन तोड़ने की बातें करते हैं, उधर बिहार के शिक्षक लोगों से जाति पूछते चल रहे हैं।

इस पर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि समाज में वंचित तबके के बहुसंख्यक लोगों को काफी दबा कर रखा गया है। ऐसे में जातिगत गणना कराकर उन्हें उनका उचित सम्मान देने का सरकार काम करेगी। गणना के दौरान क्या वह अपनी जाति बताएंगे, इस पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। कहा कि अभी शैक्षणिक कार्य बंद हैं, ऐसे में गणना कार्य करने में शिक्षकों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

अखिलेश बोले- गंगा विलास उद्योगपतियों का क्रूज

कहा- बीजेपी नाविकों का रोजगार छीनेगी, धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाकर कमाना चाहती है पैसे

लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। गंगा विलास क्रूज पर सियासत शुरू हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश ने इसे उद्योगपतियों का क्रूज बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाकर पैसे कमाने की नीति निंदनीय है। पूरी दुनिया से लोग काशी के आध्यात्मिक वैभव की अनुभूति करने के लिए आते हैं। विलास-विहार के लिए नहीं। भाजपा बाहरी चकाचौंध से असल मुद्दों के अंधेरों को अब और नहीं ढक पाएगी। सरकार यह बताए कि वाराणसी के नाविकों के लिए क्या किया? उन्होंने कुछ भी नहीं किया। अब क्या भाजपा नाविकों का रोजगार भी छीनेगी? साथ ही अखिलेश यादव ने नए साल पर समाजवादी कैलेंडर जारी किया।

टूरिज्म बढ़ाने के लिए जो नावें खरीदी, उन्हें डस्टबीन में डाल दिया

गोमती रिवर फ्रंट योजना को लेकर इशारों में अखिलेश ने कहा- शहर में नदियां साफ करने का काम सपा सरकार ने किया था। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नावें भी खरीदी थी। मगर लगता है कि सरकार ने उन नावों को डस्टबीन में डाल दिया।

करोड़ों खर्च हुए, मगर गंगा साफ नहीं हुई

अखिलेश ने कहा, जब मैं संगम गया और नाव पर बैठा तो मैंने कहा सरकार ने नाव तो बहुत अच्छी खरीदी है। लेकिन नाव पर मौजूद कर्मचारी ने कहा यह तो वही नाव है, जो आप ने खरीदी थी। लोग हकीकत कह रहे हैं। सपा कुछ नहीं कह रही। हजारों करोड़ रुपए खत्म हो गए, लेकिन गंगा साफ नहीं हुई।

चुनाव के चक्कर में जनता को बीजेपी धोखा दे रही

भाजपा बड़े-बड़े लोगों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर अखिलेश यादव ने कहा कि पहले जो इन्वेस्टर समिट हुए। उसमें कितना पैसा धरातल पर आया। पुराने एमओयू जमीन पर उतरे नहीं और नए एमओयू साइन कर रहे हैं। चुनाव के चक्कर में आम जनता को धोखा दिया जा रहा है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के जरिए लाखों-करोड़ों का इन्वेस्टमेंट बता रहे हैं, तो ये बताएं कि जॉब्स कितनी मिली। पहले के एमओयू को कितना धरातल पर उतारा गया। सरकार इसका भी तो जवाब दे। साथ ही उन्होंने कहा कि आपको गोरखपुर जाना चाहिए। देखिए, वहां सरकारी पैसा कैसे पानी की तरह बहाया जा रहा है।

कैलेंडर पर अखिलेश ने संस्मरण लिखे

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुलायम सिंह यादव के जीवन पर कैलेंडर तैयार किया गया है। दीपक कबीर ने ये कैलेंडर तैयार किया है। इसको बुधवार को सपा कार्यालय में अखिलेश यादव ने लॉन्च किया है। विवेकानंद परिनिर्वाण दिवस पर दिवंगत मुलायम सिंह यादव के जीवन और संघर्ष पर बने कैलेंडर का विमोचन किया गया। ये कैलेंडर 12 पेज का है। अखिलेश यादव अपने पिता के बारे में जो सोचते हैं, वह भी उन्होंने अपने कलम से इस कैलेंडर के पन्ने पर उतारा है।

'नए यूपी' की नई पुलिस सीधे ठोक देती है

साल के शुरुआत के 11 दिन में 4 को मार गिराया, 5 साल में 172 बदमाश ढेर

लकनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ये नया उत्तर प्रदेश है, ये नई पुलिस है, अपराधियों को पाताल लोक से खोजकर गोली मारेगी। ये शब्द यूपी के डीजीपी डीएस चौहान के हैं। 21 नवंबर 2022 को वाराणसी में दो अपराधियों का एनकाउंटर करने के बाद उन्होंने ये बयान दिया था। नए उत्तर प्रदेश का जिक्र सबसे ज्यादा एनकाउंटर के बाद ही हुआ था। सीएम योगी आदित्यनाथ भी अक्सर अपराधियों को सजा देने के मामले में इस शब्द का जिक्र करते हैं। यूपी पुलिस ने पिछले 52 दिन में 6 अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

पिछला एनकाउंटर कल यानी 11 जनवरी को आगरा में किया। अब तक मारे गए अपराधियों और उनके अपराध के बारे में जानकारी इकट्ठा की। आइए सब कुछ जानते हैं। पहले कुल एनकाउंटर से जुड़ा ये ग्राफिक देखिए। पुलिस ने बताया कि पिछले 5 सालों में 172 अपराधियों की मौत पुलिस की गोली से हुई है। 2023 के 11 दिनों में ही 4 बदमाश मारे गए। कुल मारे गए बदमाशों में मेरठ जोन के सबसे अधिक 67 अपराधी मारे गए। मुठभेड़ के दौरान 4562 आरोपी पुलिस की गोली से घायल होकर अस्पताल पहुंचे। 1375 पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस के 13 सिपाहियों की जान गई। पुलिस ने जिन 172 अपराधियों को मारा है उसमें 35 ऐसे अपराधी शामिल थे जिन पर पहले से कोई भी इनामी राशि घोषित नहीं थी। जबकि 8 ऐसे बदमाश थे जिनके ऊपर 2 लाख रुपए से अधिक की इनामी राशि घोषित थी।

बारातियों से भरी कार नहर में गिरी, 2 की मौत

कार में सवार होकर 4 दोस्त गए थे बारात, लौटने के दौरान बेतिया में हुआ हादसा

बेतिया, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बेतिया में बारातियों से भरी एक कार नहर में गिर गई। इस घटना में दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं। घटना बुधवार की रात जिले के सहोदरा थाना क्षेत्र के पिपरिया बैरटवा साइफन के पास हुई है।

नरकटियागंज एसडीपीओ कुंदन कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान कार सवार दीपक श्रीवास्तव (21) और साहिल हुसैन (22) के रूप में की गई। जबकि तनवीर आलम (22) और इरशाद आलम (23) गंभीर रूप से घायल हैं। चारों युवक सरफराज अंशारी की बारात गौनाहा थाना क्षेत्र के मेहसौल दरौल गांव गए हुए थे। देर रात वहां से लौटने के दौरान अनियंत्रित होकर पंडित नहर में कार गिर गई।

इधर, गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों ने नहर में गाड़ी गिरी देख सहोदर थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से नहर से गाड़ी को बाहर निकलवाया।

दोनों घायलों को बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल अस्पताल पहुंचा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

फ्लाइट का तेल लदा टैंकर पलटा, लूट की मची होड़

मोतिहारी में तेल उठाने के लिए लोटा-बाल्टी लेकर सड़क पर दौड़े लोग, पुलिस ने भगाया

मोतिहारी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मोतिहारी में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) तेल लोडेड टैंकर गुरुवार को अचानक पलट गया। इससे टैंकर में लोड तेल सड़क पर बहने लगा। इसके बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई और तेल की लूट मच गई। जैसे ही घटना की जानकारी इलाके में फैली लोग घरों से लोटा-बाल्टी लेकर सड़क पर दौड़ पड़े और तेल जमा करने लगे। घटना सुगौली थाना क्षेत्र के सिकराहना नदी के पास हुई।

इधर, हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को टैंकर के पास से खदेड़ कर स्थिति को नियंत्रित किया। तेल टैंकर बरौनी से विमान का कच्चा तेल लोड कर काठमांडू के लिए जा रहा था। सुगौली पुलिस टैंकर को क्रेन के माध्यम से उठवाया।

कैसे हुआ हादसा

दरअसल, नेपाल ऑयल कॉरपोरेशन का तेल टैंकर बरौनी से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) लेकर काठमांडू के लिए निकला था। टैंकर सुगौली थाना क्षेत्र स्थित सिकरहना नदी के पुल के पास पहुंचा। यहां टायर के नीचे की मिट्टी धंसने लगी और ड्राइवर जब तक कुछ समझ पता, टैंकर एक साइट पलट गया। इससे उसमें लोड तेल बहने लगा। हालांकि इस घटना में ड्राइवर और खलासी बाल बाल बच गए।

क्या कहते हैं सुगौली थानाध्यक्ष

इधर, सुगौली थानाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने बताया कि टैंकर पलटने की जानकारी मिली है। तत्काल उसकी सुरक्षा के लिए चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई। टैंकर को सीधा कर उसे वहां से निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

बक्सर में केंद्रीय मंत्री के काफिले पर पत्थर फेंका

किसानों ने अश्विनी चौबे के खिलाफ की नारेबाजी, सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षित निकाला

बक्सर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बक्सर में किसानों ने केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे के खिलाफ नारेबाजी की। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी गाड़ी पर किसी ने पत्थर भी फेंक दिया। पत्थर किसी को लगा नहीं। एक दिन पहले भी किसानों ने पुलिस पर हमला करके 16 गाड़ियों में आग लगा दी थी। केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद अश्विनी चौबे थर्मल पावर प्लांट पर आगजनी के बाद किसानों से बातचीत करने बनारपुर गांव पहुंचे थे। उन्होंने करीब 10 मिनट तक किसानों को संबोधित किया। इसी बीच किसान उग्र हो गए। किसानों ने कहा कि हम आपका भाषण सुनने नहीं आए हैं। आप इतने दिनों से कहां थे। प्रशासन हमारे ऊपर अत्याचार कर रहा था, तब आप कहां थे? ऐसा कहते हुए लोगों ने केंद्रीय मंत्री की हूटिंग शुरू कर दी। इससे गुस्सा होकर केंद्रीय मंत्री मंच से उतर गए। सुरक्षाकर्मी उन्हें सुरक्षित गाड़ी तक ले गए।

बक्सर में चौसा के थर्मल पावर प्लांट में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद राजनीति भी शुरू हो गई है। पक्ष-विपक्ष से जुड़े लोग एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। बक्सर के बनारपुर खेल मैदान में पीड़ित किसानों के साथ बक्सर सांसद, केंद्र और राज्य के मंत्रियों का जमावड़ा लगा है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने बनारपुर में मौजूद करीब एक हजार किसानों को संबोधित किया है।

दोपहर 2 बजे पहुंचे सम्राट चौधरी ने किसानों के बीच उनकी मांगों को जायज बताया। कहा कि इस पर बिहार सरकार को जरूर सोचना चाहिए। साथ ही पुलिस द्वारा किसान परिवारों के साथ किए बर्बरता पर ऐसे अधिकारियों को बर्खास्त कराने की मांग की।

भाजपा नेता सम्राट चौधरी से भी किसानों ने सवाल किया। उसने पूछा कि इतने दिन आप कहां थे? इस पर उन्होंने कहा कि घर मे घुसकर मारपीट करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने अपराध किया है। जिला प्रशासन ने यह तय कर लिया है कि गुंडागर्दी करके इनको भगाएंगे। किसानों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। आज जब जमीन ले रहे हैं तो आज के सर्किल रेट के अनुसार ही उसका मुआवजा देना होगा। साथ ही जब पूछा गया कि लोगों का कहना है कि आप राजनीति कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि हम तो कह रहें हैं यहां नीतीश कुमार आएं, तेजस्वी यादव आएं और किसानों को कहें कि हम आपकी भूमि का उचित मुआवजा देंगे। हम आपकी मांगों के साथ हैं।

मुजफ्फरपुर में बाल तस्करी करने वाला गिरोह पकड़ाया

कर्मभूमि सुपरफास्ट से 16 बच्चे कराये गए मुक्त, 5 तस्कर भी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। न्यू जलपाईगुडी से अमृतसर जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस से बाल तस्करी करने वाले बड़े गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला मुजफ्फरपुर जंक्शन का है। जहा कर्मभूमि एक्सप्रेस आकर रुकी थी। इसी दौरान चेकिंग के क्रम मे बाल तस्करी करने वाले बड़े गिरोह को पकड़ा गया। इस दौरान 5 लोग गिरफ्तार किया गया है। वहीं, उसके चंगुल से 16 बच्चो को भी मुक्त कराया गया। तस्कर उन्हें बहला फुसलाकर मजदूरी कराने के लिए पश्चिम बंगाल से अमृतसर ले जा रहे थे। इसी दौरान वह पकड़ा गया। मामले मे रेल थानेदार दिनेश कुमार साहू ने बताया कि मुजफ्फरपुर स्टेशन पर आरपीएफ एवं जीआरपी के संयुक्त चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान गाड़ी संख्या 12407 कर्मभूमि एक्सप्रेस प्लेटफार्म संख्या 02 पर आकर खड़ी हुई। चेकिंग के दौरान गाड़ी के जनरल बोगी में कुछ बच्चे सहमे हुए दिखाई दिया। बच्चो ने पांच व्यक्तियों के तरफ इशारा किया। संदेह के आधार पर पांचों व्यक्तियों को हिरासत मे लिया गया। साथ ही, सभी बच्चों को भी ट्रेन से उतारा गया। पूछताछ में 16 बच्चों द्वारा बताया गया कि पांचो तस्कर पैसे का प्रलोभन देकर बाहर अमृतसर मजदूरी कराने के लिए लेकर जा रहे थे। तत्पश्चात पांचों तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इसमें 34 वर्षीय रेनू सिन्हा ग्राम कंडलबारी तुंगी दिगी उत्तरी दिनाजपुर जिला उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल थाना करंडीगी, 35 वर्षीय इन्कारू सिंह ग्राम कंडलबारी तुंगी दिगी उत्तरी दिनाजपुर जिला उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल थाना करंडीगी, 26 वर्षीय मोहम्मद फारुख ग्राम धीमनगर थाना कोड़ा जिला कटिहार, 26 वर्षीय हीरालाल सदा ग्राम लड़ही वार्ड नंबर 1 पोस्ट गोरयामी थाना अलौली जिला खगड़िया, 26 वर्षीय मिथिलेश कुमार यादव ग्राम रवही वार्ड नंबर 8 थाना अंदरामठ जिला मधुबनी को गिरफ्तार किया गया।

भोपाल में करणी सेना का आंदोलन खत्म

आरक्षण समेत 4 मांगों पर कोई चर्चा नहीं, 18 मांगों को लेकर सरकार ने कमेटी बनाई

भोपाल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चार दिनों से चल रहा करणी सेना परिवार का आंदोलन बुधवार को सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया के आश्वासन के बाद खत्म हो गया। करणी सेना परिवार के ज्ञापन में शामिल 22 मांगों में से 18 मांगों पर विचार के लिए 3 अफसरों की कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी में सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में स्कूल शिक्षा विभाग और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के पीएस को सदस्य बनाया गया है। ये कमेटी दो महीने में इन 18 मांगों पर अपनी रिपोर्ट देगी। कमेटी के गठन का आदेश भी जारी हो गया है।

22 में से इन 4 मांगों पर नहीं हुई कोई बात

मांग 01- आरक्षण का आधार आर्थिक किया जाए ताकि समाज के हर वर्ग के गरीबों को आरक्षण का लाभ मिल सके। एक बार आरक्षण मिलने पर दोबारा आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाए। मांग 02- SC, ST एक्ट में बिना जाँच के गिरफ्तारी पर रोक लगे। ताकि कोई भी निर्दोष व्यक्ति बिना अपराध के सजा न काटे। मांग 03- SC, ST एक्ट की तर्ज पर सामान्य-पिछड़ा एक्ट बने जो सामान्य-पिछड़ा वर्ग के हितों की रक्षा करे व कानूनी सहायता प्रदान करे। मांग 04- खाद्यान्न (रोजमर्रा की चीजें) को जीएसटी से मुक्त किया जाए तथा बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाई जाए।

ये है चर्चा ना होने की वजह- ये चारों केन्द्र के अधीन मामले हैं। चार दिनों से लगातार वार्ता विफल होने के पीछे की वजह ही ये चारों मांगें थीं। ये सभी मामले केन्द्र सरकार के अधीन हैं। आज राज्य सरकार के अधीन 18 मांगों पर अपनी राय देने के लिए सरकार ने कमेटी बनाई है।

बिना अनुमति रास्ता रोककर अनशन पर बैठे थे

संगठन के लोग बीते चार दिनों से बिना अनुमति आम रास्ता रोककर भोपाल के महात्मा गांधी चौराहे पर धरना दे रहे थे। इनमें से 5 पदाधिकारी आमरण अनशन पर बैठ हुए थे। जबकि उन्होंने जम्बूरी मैदान में सम्मेलन के लिए पुलिस कमिश्नर से सिर्फ एक दिन (रविवार) के लिए अनुमति ली थी। अन्य संगठनों के समर्थन से यहां भीड़ बढ़ गई। ऐसे में महात्मा गांधी चौराहे से अवधपुरी तिराहे तक रास्ता बंद है। इससे अवधपुरी और आसपास की 2 लाख की आबादी परेशान है। उन्हें डायवर्टेड रूट से लंबा चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 3000 पुलिसकर्मी मौके पर तैनात हैं।

राजधानी में चल रहे धरने की आग प्रदेश के दूसरे शहरों में फैल रही है। उज्जैन के महिदपुर में आज करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला जलाने की कोशिश की। पुलिस के रोकने पर कार्यकर्ताओं ने झड़प की। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए सभी को खदेड़ा। खंडवा में दो दिन पहले सीएम का पुतला जलाने पर एफआईआर हुई है। आगर और शाजापुर में भी सीएम के पुतले जलाए गए।

गृहमंत्री बोले- सरकार कमेटी बनाने को तैयार

इससे पहले इस आंदोलन को लेकर बुधवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा था, प्रदर्शनकारी हमारे अपने हैं। कोई गैर नहीं। हम भाइयों में आपस में कोई बैर नहीं। उनसे चर्चा करेंगे, आग्रह करेंगे, निवेदन करेंगे। मेरा मानना है कि हमारे स्वजन हैं, मान जाएंगे।

करणी सेना परिवार के शख्स पर केस

पुलिस ने इस मामले में आंदोलन में शामिल एक युवक के खिलाफ पिपलानी थाने में केस दर्ज किया है। युवक हरियाणा के भिवानी का रहने वाला ओकेंद्र सिंह राणा है। उस पर प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपशब्द कहने का आरोप है। एडिशनल डीसीपी राजेश सिंह भदोरिया के मुताबिक 8 जनवरी को करणी सेना के जंबूरी मैदान पर हुए प्रदर्शन में शामिल होने ओकेंद्र सिंह राणा पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने साथियों के साथ जुलूस निकाला था। इसका वीडियो भी सामने आया था।

8 जनवरी को 5 लोग भूख हड़ताल पर बैठे थे। मंगलवार को दो लोग और बढ़ जाने से संख्या 7 हो गई थी । इनमें एक स्टूडेंट मानवेंद्र सेंगर (22) है। ओरछा (जिला निवाड़ी) के रहने वाले मानवेंद्र बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से एलएलबी कर रहे हैं। पिता का ट्रांसपोर्ट का काम है। दूसरे हैं रतलाम के रानायरा के रहने वाले विनोद सुनार्थी (30)। दोनों 300 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर भोपाल आए हैं।

दिल्ली में महिला उबर ड्राइवर की कार पर पथराव

बदमाशों ने बियर की बोतल से गर्दन और छाती पर हमला किया, पैसे भी लूटे

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में एक महिला उबर ड्राइवर की कार पर दो लोगों ने पथराव किया और उसके पैसे लूट लिए। महिला ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की तो बियर की बोतल से हमला कर दिया, जिससे महिला की गर्दन और छाती पर चोटें आईं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मामला कश्मीरी गेट के अंतरराज्यीय बस टर्मिनस के पास सोमवार रात का है।

बुकिंग पर जा रही थी महिला ड्राइवर

पीड़िता की पहचान समयपुर बादली की रहने वाली प्रियंका के रूप में हुई है। उन्होंने मीडिया को बताया कि 9 जनवरी को वह एक बुकिंग पर आईएसबीटी जा रहीं थी। घने कोहरे की वजह से वह काफी धीरे गाड़ी चला रहीं थी। लोकेशन पर पहुंचने में सिर्फ 100 मीटर की दूरी थी। इतने में दो आदमी कार के सामने आए और पत्थर मारने लगे। इससे गाड़ी का शीशा तोड़ टूट गया और पत्थर उनके सिर पर लगा। कांच के टुकड़े भी शरीर पर लगे।

चिल्लाना शुरू किया तो बोतल से हमला

महिला जब कार से बाहर निकली तो दोनों बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। उनके पैसे छीन लिए और मोबाइल भी छुड़ा लिया। लेकिन महिला ने हिम्मत दिखा कर बदमाशों से अपना मोबाइल वापस ले लिया। महिला ने बताया बदमाशों ने कार की चाबी छीन ली थी। उनसे कहा भी कि कार मेरी नहीं है। लेकिन वह नहीं माने, जब महिला ने चिल्लाना शुरू किया तो बदमाशों ने उन पर बोतल से हमला कर दिया और कार लेकर फरार हो गए।

लोगों से मदद मांगी लेकिन कोई नहीं रुका

घटना के बाद उन्होंने उबर के इमरजेंसी नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की पैनिक बटन बी प्रेस की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने लोगों से मदद मांगी लेकिन किसी ने भी गाड़ी रोक कर उनकी मदद नहीं की। फिर उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। करीब आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस ने उन्हें वैन में बैठाया और अस्पताल ले गए। पुलिस ने उनके परिजनों को संपर्क किया और घर पहुंचाया।

महिला ने कहा कि वह उस वक्त होश में नहीं थीं। इसलिए कोई शिकायत दर्ज नहीं की। हालांकि पुलिस का कहना है कि महिला ने शिकायत दर्ज करवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया और आईपीसी की धारा 393 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली। वहीं मामले में आगे की जांच की जा रही है।

शहीद अमित की मां रो-रोकर बेहाल

6 महीने पहले दादा, 7 दिन पहले दादी की मौत और अब घर के लाडले की शहादत

हमीरपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मेरी आंखों का तारा, मेरे जिगर का टुकड़ा, घर का इकलौता कमाने वाला था, लेकिन आज मेरे बुढ़ापे की लाठी टूट गई। यह दर्द बयां किया, शहीद अमित की मां ने, जो दरवाजे की तरफ टकटकी लगाए अपने लाडले की पार्थिव देह के आने का इंतजार कर रही है। वहीं अमित के पिता खुद को संभालते हुए कभी पत्नी को हिम्मत बंधाते हैं तो कभी बेटी को, जो आखिरी बार अपने भाई की झलक देखने के लिए दरवाजे की तरफ नजर लगाए हुए है। हमीरपुर के पूरे तलासी खुर्द गांव को अमित के पार्थिव शरीर के आने का इंतजार है।

दूसरी ओर, शहीद अमित का पार्थिव शरीर पैतृक गांव कब पहुंचेगा, इसका अभी कुछ भी पता नहीं चल पाया है। जिला प्रशासन का कहना है कि अभी जम्मू कश्मीर से इस बारे कोई भी जानकारी नहीं मिल पाई है। मौसम खराब होने की वजह से इसमें देरी हो रही है।

अमित के पिता विजय कुमार का कहना है कि 6 महीने पहले अमित के दादा की मौत हुई थी। 7 दिन पहले उसकी दादी भी चल बसी और अब अचानक अमित की मौत होने से परिवार टूट गया है। अमित घर में इकलौता कमाने वाला था, लेकिन अब वह सहारा टूट गया है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुए सड़क हादसे में 3 जवानों की मौत हुई है। इनमें हमीरपुर का अमित शर्मा भी शामिल है। वह भारतीय थल सेना की 14 डोगरा रेजिमेंट में कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में तैनात था। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात बर्फीले इलाके में गश्त के दौरान सेना का वाहन बर्फ से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिससे जवानों की मौत हो गई। हमीरपुर के तलासी खुर्द गांव निवासी अमित शर्मा (23) पुत्र विजय कुमार ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल झगड़याणी से कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई पूरी की।

सेना प्रमुख बोले- एलएसी पर हालात कंट्रोल में

जनरल मनोज पांडे ने कहा- सेना में 5 डोमेन में बदलावों की तैयारी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को कहा कि देश की उत्तरी सीमाओं पर हालात काबू में, लेकिन अप्रत्याशित हैं। हमें सात में से पांच मुद्दों को हल करने में कामयाबी मिली है। सैन्य और राजनयिक दोनों लेवल पर बातचीत भी जारी है। चीन का नाम लिए बगैर सेना प्रमुख ने कहा कि वे एलएसी की मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए हो रही किसी भी कोशिश को नाकाम करने में सक्षम हैं। इसके लिए उनके पास मजबूत सेना और हथियार मौजूद हैं।

सेना प्रमुख जनरल पांडे ने नई दिल्ली में 15 जनवरी को मनाए जाने वाले आर्मी डे से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि इस बार ये इसलिए भी खास है क्योंकि यह आजादी का 75वां साल है।

भारतीय सेना में 5 बड़े बदलाव हो सकते हैं

जनरल मनोज पांडे ने कहा- हमने भारतीय सेना में परिवर्तन करने का फैसला लिया है। और यह बदलाव 5 डोमेन में होगा। जिसमें फोर्स की रिस्ट्रक्चरिंग, ऑप्टिमाइजेशन, मॉर्डनाइजेशन, टेक्नोलॉजी इन्फ्यूजन और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट फिलॉसफी जैसे डोमेन शामिल हैं।

जरूरत पड़ी तो जोशीमठ से औली शिफ्ट करेंगे

जोशीमठ भू-धंसाव पर जनरल पांडे ने कहा- सेना की 25-28 इमारतों में मामूली दरारें आ गई हैं। सैनिकों को अस्थायी रूप से शिफ्ट कर दिया गया है। अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें औली में स्थाई तौर पर तैनात करेंगे। जोशीमठ से माणा जाने वाली रोड पर कुछ दरारें हैं। इससे हमारे ऑपरेशन्स पर कुछ असर नहीं पड़ा है। बाईपास रोड का काम अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जहां तक स्थानीय लोगों को मदद पहुंचाने की बात है तो हमने अपने अस्पताल, हेलीपैड आदि सिविल प्रशासन को दिए हैं जिससे वे लोगों को अस्थाई तौर पर विस्थापित कर सकें।

पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में शांति है

पूर्वोत्तर के हालात पर सेना प्रमुख ने कहा- आर्थिक गतिविधियों और विकास की पहल के अच्छे परिणाम मिले हैं। हमारी पूर्वी कमान के उलट चीनी सैनिकों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है लेकिन हम कड़ी नजर रख रहे हैं। हम डोकलाम और वहां हो रही सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। हमारे पास आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन भी है जो युद्ध की स्थितियों से निपटने में मदद करेगा। यह देश के विभिन्न मार्शल आर्ट का एक कम्बाइंड फॉर्म है।

जम्मू-कश्मीर में चल रहा संघर्ष विराम ठीक चल रहा

आर्मी चीफ ने बताया- जहां तक जम्मू-कश्मीर की स्थिति का सवाल है, फरवरी 2021 में हुआ संघर्ष विराम अच्छी तरह से चल रहा है। लेकिन, आतंकवाद और आतंकी ढांचे को पाकिस्तान से अभी भी सपोर्ट मिल रहा है।

सेना में महिलाओं की स्थिति मजबूत होगी

जनरल पांडे ने कहा कि महिला अधिकारियों को जल्द ही भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी रेजीमेंट में कमीशन दिया जा सकता है। इसका एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास परमिशन के लिए भेजा गया है।

राजौरी में हुई टारगेट किलिंग की जांच एनआईए के पास

जनरल मनोज पांडे ने कहा- हमारे विरोधी ने कश्मीर में अपनी नाकामी को छिपाने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कोशिश की है। इन इलाकों में सेना और सीआरपीएफ ने अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है। इसके बारे में और जानने के लिए एनआईए को जांच सौंपी गई है।

पंजाब पहुंचा राहुल गांधी का डुप्लीकेट

समर्थक ले रहे सेल्फी, अभी तक राहुल से नहीं मिल पाया

लुधियाना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा का आज दूसरा दिन है। आज यात्रा लुधियाना के समराला चौक पर आकर रूकेगी। इस यात्रा में सिर्फ पंजाब ही नहीं, पूरे देश से राहुल गांधी के समर्थक पहुंच रहे हैं। इसी बीच सभी को यूपी के मेरठ के फैसल चौधरी ने चौंका दिया। उन्हें देख समर्थक एकटक देखते रहे और सोचते रहे कि आज राहुल गांधी बिना सुरक्षा के क्यों घूम रहे हैं।

मेरठ के फैसल राहुल गांधी के डुप्लीकेट हैं और उनके कई कार्यक्रमों में उनका समर्थन करने के लिए जाते रहते हैं। जैसे ही यात्रा में भाग लेने के लिए फैसल खन्ना पहुंचे तो राहुल गांधी के समर्थक उन्हें देख स्तब्ध रह गए। काफी समय तक तो कोई उनके पास नहीं गया। सभी सोच रहे थे कि राहुल आज बिना सुरक्षा के कैसे घूम रहे हैं।

जब लोगों को समझ आया कि फैसल राहुल के डुप्लीकेट हैं। इसके बाद सभी ने फैसल को घेर लिया। सभी उनके साथ सेल्फियां ले रहे थे। सभी का कहना था कि असल राहुल को सिर्फ दूर से देख सकते हैं, लेकिन फैसल को हम गले भी मिल सकते हैं।

राहुल गांधी से मिलने की इच्छा

फैसल ने जानकारी दी कि वह राहुल गांधी के डुप्लीकेट हैं। कई बड़े-बड़े लोग भी उन्हें देख धोखा खा जाते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के साथ दिल्ली से ही इस यात्रा को शुरू किया। वह कभी आज तक उनसे नहीं मिले, लेकिन उनसे मिलने की इच्छा उन्हें बहुत है।

फैसल ने बताया कि वह राहुल गांधी के नक्शे कदम पर ही चल रहे हैं। बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों के मुद्दे और गरीबी तो बड़े मसले हैं, लेकिन इसके साथ ही आपसी भाईचारा भी एक बड़ा मसला बन चुका है। जब से देश में भाजपा की सरकार आई है, आपसी भाईचारा टूट रहा है। इसे जोड़ने के लिए ही राहुल गांधी निकले हैं और उनके पीछे-पीछे ही वह चल रहे हैं।

भारत की मैरियन बायोटेक के सिरप बच्चों को न पिलाएं

डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट जारी किया, कहा- 2 सिरप अच्छी क्वालिटी के नहीं हैं

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने उज्बेकिस्तान में कफ सिरप पीने से हुई 19 बच्चों की मौत मामले में अलर्ट जारी किया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि भारत के मैरियन बायोटेक द्वारा बनाए गए दो खांसी के सिरप बच्चों को नहीं पिलाया जाना चाहिए। सिरप के नाम एम्बरोनॉल सिरप और डीओके-1 मैक्स हैं। इन दोनों सिरप को नोएडा स्थित कंपनी मैरियन बायोटेक बनाती है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जांच में पाया गया है कि दोनों सिरप अच्छी क्वालिटी के नहीं हैं। इनमें दूषित पदार्थों के रूप में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल की सही मात्रा शामिल नहीं है।

उज्बेकिस्तान सरकार ने 28 दिसंबर को आरोप लगाया था कि भारत में बने कफ सिरप से उनके देश में 18 बच्चों की मौत हुई। उज्बेक हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि नोएडा के मेरियन बायोटेक में बना कफ सिरप डीओके-1 MAX पीने से बच्चों की जान गई। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने इसी मामले में सिरप की जांच की है।

यूपी ने कंपनी का लाइसेंस रद्द किया

भारत ने भी उज्बेक सरकार के आरोपों की जांच का फैसला लिया था। यूपी फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने बायोटेक कंपनी का प्रोडक्शन लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। रा मैटेरियल खरीद और दवा रिकार्ड मेंटनेंस की जानकारी समय से नहीं उपलब्ध कराने पर कंपनी का प्रोडक्शन लाइसेंस सस्पेंड किया गया है।

गाम्बिया भी अपने यहां हुई 70 बच्चों की मौतों का जिम्मेदार भारत में बने 4 कफ सिरप को ठहरा चुका है। डब्ल्यूएचओ ने भी इन कफ सिरप के इस्तेमाल पर अलर्ट जारी किया था। हालांकि, भारत ने कहा था कि हमने कफ सिरप की जांच की थी। इनकी क्वालिटी सही पाई गई। इसके बाद गाम्बिया सरकार ने एक बयान जारी कर कहा था कि उनके देश में हुई बच्चों की मौतों से भारतीय सिरप का कोई संबंध नहीं है।

गुजरात कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला

सीएम ने पुराना भूमि सर्वेक्षण रद्द किया; अब दोबारा सर्वे कराया जाएगा

गांधीनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में भूमि सर्वेक्षण सुधार और आवारा सांडों को हटाने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि भूमि का पुनर्सर्वेक्षण कर पुनः सर्वेक्षण में भूमि नाप-जोखियों के आवेदन को शीघ्र निपटाने का निर्णय लिया गया है।

पायलट परियोजना की शुरुआत

सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में भूमि की उचित माप सुनिश्चित करने और शेष दोषों को दूर करने के लिए जामनगर और देवभूमि द्वारका में एक पायलट परियोजना शुरू की थी। इसके तहत शासन को दोनों जिलों में नई मापी कराकर पुनः सर्वेक्षण में भूमि मापी के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

इन दोनों जिलों में प्राप्त आवेदनों के अनुसार त्रुटि सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। हालांकि इससे पहले रुपाणी सरकार ने भूमि सर्वेक्षण के लिए लगभग 700 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। तब भूपेंद्र पटेल की सरकार ने पुराने भूमि सर्वेक्षण को रद्द कर दिया है और सरकार द्वारा फिर से भूमि सर्वेक्षण किया जाएगा। अगले चरण में यह भूमि सर्वेक्षण दोष सुधार कार्यक्रम प्रदेश के अन्य जिलों में बहुत तेजी से चलाया जायेगा।

50 हजार सांडों को हटाएंगे

राज्य में आवारा पशुओं की समस्या को रोकने के लिए 50 हजार सांडों को हटाने का भी निर्णय लिया गया है। ताकि लोगों पर होने वाले हमलों को रोका जा सके। राज्य सरकार द्वारा कराये गये सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 50 हजार सांडों का पंजीकरण किया गया है। सांड के इस हमले से मासूम लोगों की जान जा रही है। सरकार ने लोगों पर हमलों को रोकने के लिए समझौते के तौर पर सांड को हटाने का फैसला किया है। बैलों को निकालने के बाद उन्हें पिंजरों या गौशालाओं में भेज दिया जाएगा। इससे पहले सरकार ने आवारा पशुओं को लेकर विधानसभा में कानून पारित किया था। हालाँकि विरोध के कारण कानून वापस ले लिया गया था।

एससी जज जन्मे नहीं थे, उससे पहले के केस पेंडिंग

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। 2022 के आखिरी दिन देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने आंध्र प्रदेश में कहा था- देश के ज्यूडिशियल सिस्टम को तारीख पे तारीख वाली छवि बदलने की जरूरत है। सीजेआई के इस कमेंट की वजह है- देश की अदालतों में करोड़ों पेंडिंग केस। देश का सबसे पुराना पेंडिंग क्रिमिनल केस 69 साल पुराना है। यह मामला 18 मई, 1953 को महाराष्ट्र के रायगढ़ में दर्ज किया गया था।

इसी तरह कई सिविल और क्रिमिनल केस तब दाखिल किए गए थे, जब सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा 27 जजों में से किसी का जन्म तक नहीं हुआ था। इस समय सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दिनेश माहेश्वरी सबसे सीनियर हैं। उनका जन्म 15 मई, 1958 को हुआ था। यानी सबसे सीनियर जज का जन्म भी इस केस के दाखिल होने के पांच साल बाद हुआ था। चार मामलों से देश की निचली अदालतों में पेंडिंग केसेस के हालात समझे जा सकते हैं...

1. क्रिमिनल केस में 69 साल से फैसले का इंतजार

महाराष्ट्र के रायगढ़ में पुलिस ने 18 मई 1953 को नशीले पदार्थ रखने के मामले में केस दर्ज किया था। महाराष्ट्र निषेध अधिनियम 1949 की धारा 65-E के इस मामले में उसी साल रायगढ़ के फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। इस मामले में दोषी पाए जाने पर तीन साल जेल और 25 हजार रुपये जुर्माने से लेकर पांच साल की जेल और 50 हजार रुपए जुर्माना किया जा सकता है। नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड के आंकड़ों से पता चलता है कि यह केस 9 फरवरी 2023 को सुनवाई के लिए लिस्ट किया गया है। इस रिकॉर्ड में इसका जिक्र नहीं है कि 69 साल पुराने केस का आरोपी अब जिंदा है या नहीं। अगर आरोपी जिंदा भी होगा, तो बुजुर्ग हो चुका होगा।

2. चोरी का एक मामला 66 साल से कोर्ट में चल रहा

महाराष्ट्र के ही रायगढ़ में 25 मई 1956 को एक चोरी का मामला दर्ज हुआ था। इसमें मालिक की संपत्ति चोरी करने के मामले में धारा 381 के तहत क्रिमिनल केस दाखिल हुआ था। इसमें दोषी साबित होने पर सात साल की जेल की सजा सुनाई जा सकती है। यह मामला अभी भी फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चल रहा है।

3. संपत्ति विवाद केस का 70 साल में भी फैसला नहीं

ऊपर बताए क्रिमिनल केसेस की पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 3 अप्रैल 1952 को दायर हुए केस का भी अभी तक फैसला नहीं आया है। पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे का यह मामला मालदा के सिविल कोर्ट में दायर हुआ था। केस के 66 साल बाद 2018 में कोर्ट को बताया गया कि इस मामले के फरियादी नंबर 4 की मौत हो गई है। इसके बाद जज ने उसकी पत्नी और तीन बच्चों को पार्टी बनाने का आदेश दिया। तब से इस केस में कोई प्रगति नहीं हुई।

4. सिविल केस में 70 साल से फैसले का इंतजार

देश का दूसरा सबसे पुराना सिविल केस भी मालदा के सिविल कोर्ट में ही है। इस मामले में 18 जुलाई 1952 को पार्वती रॉय ने बिप्रचरण सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इस केस में 2018 में सुलह की कोशिश हुई। तब से सिविल कोर्ट में मामला इसके नतीजों पर रिपोर्ट के इंतजार में रुका हुआ है।

ट्रायल कोर्ट्स में 4.34 करोड़ केस पेंडिंग

सभी राज्यों के लोअर कोर्ट्स में कुल 4.34 करोड़ केस लंबित हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश 1.09 करोड़ में पेंडिंग हैं, इसके बाद दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है, जहां 49.34 लाख केस पेंडिंग हैं। आंकड़े बताते हैं कि निचली अदालतों में पेंडिंग 70 हजार 587 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं, 36 हजार 223 सिविल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से पेंडिंग हैं। ऊपर दिए ग्राफिक को देखें तो पता चलता है कि निचली अदालतों में पांच साल या इससे ज्यादा समय से पेंडिंग केसेस की संख्या करीब साढ़े तीन करोड़ के आसपास है।

कलकत्ता हाई कोर्ट में 71 साल से जारी सिविल केस

कलकत्ता हाई कोर्ट के रिकॉर्ड में सबसे पुराना सिविल केस 1951 से चल रहा है। वहीं सबसे पुराने क्रिमिनल केस में 1969 से फैसले का इंतजार है। देश के 25 हाई कोर्ट्स में सिविल और क्रिमिनल केस मिलाकर करीब 60 लाख मामले लंबित हैं। इनमें 51 हजार 846 सिविल केस और 21 हजार 682 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से चल रहे हैं।

पिछले 10 साल में बढ़े 46 लाख पेंडिंग केस

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि पिछले 10 साल में सिविल और क्रिमिनल पेंडिंग केस की संख्या जिला स्तर पर 34 लाख से ज्यादा और हाई कोर्ट में 12.5 लाख से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट में कुल 11 हजार मामले पेंडिंग हैं।

पिछले साल 1.76 करोड़ केस में फैसला

कानून मंत्री ने यह भी बताया कि जनवरी से सितंबर 2022 के पीरियड में देशभर की निचली अदालतों ने 1.76 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। हाई कोर्ट ने लगभग 15 लाख, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2022 तक 29 हजार से ज्यादा मामले निपटाए।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 13 जनवरी, 2023

आपदा की जवाबदेही किसकी

उत्तराखंड के जोशीमठ में जिस तरह की प्राकृतिक आपदा आई है उससे वहां के लोग तो डरे ही है वहां की सरकार के माथे पर भी पसीनें की बूंदें साफ झलक रही हैं। कुछ प्रबुद्धजनों ने त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। बहरहाल, सुप्रीम अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि हर जरूरी चीज सीधे न्यायालय के पास नहीं आनी चाहिए। पीठ ने स्पष्ट कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर आने से पहले इस पर गौर करने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित कई संस्थाएं हैं। बता दें कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जोशीमठ की त्रासदी बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण घटी है। याचिका में उत्तराखंड के लोगों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की मांग की गई थी। बहरहाल, उत्तराखंड सरकार ने प्रभावित परिवारों को डेढ़ लाख रुपए का शुरुआती मुआवजा घोषित कर शहर छोडने की अपील की है। इसके बाद हालात के अनुसार मुआवजे की रकम बढ़ाने की बात भी की गई है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका और अदालत की टिप्पणी के आईने में देखें तो विधायिका और नौकरशाही बनाम लोकहित के कई मुद्दे उठ खड़े हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र की मूल भावना, परंपरा और मर्म को लोकतांत्रिक संस्थाएं ही जिंदा रखती हैं, दीर्घजीवी और लोकतंत्र की जड़ें गहरी बनाती हैं। इस लिहाज से उत्तराखंड में जोशीमठ में खड़े हो रहे व्यापक प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर वहां के लोगों की मुश्किलों को समझा जा सकता है। स्थानीय स्तर पर जिस तरह का संकट पैदा हुआ है, उसमें प्राथमिक स्तर पर वहां की सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी सीधे बनती है। वहां के प्रशासन व सरकार का काम है कि वे इसका तात्कालिक और दीर्घकालिक समाधान निकालें। दूसरी ओर, आम जनता का भी यह हक है कि वह सबसे पहले स्थानीय स्तर पर उन संस्थाओं से अपनी जिम्मेदारी निभाने की मांग करें, जिन्हें लोकतंत्र में इसी काम के लिए चुना व बनाया गया है। सही है कि हर काम के लिए ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाना चाहिए। देखा जाए तो जोशीमठ त्रासदी ने लोकतंत्र के इन स्तंभों को लेकर जो सवाल खड़े किए हैं, उन्हें कुछ तथ्यों के आईने में समझने की जरूरत है। बताना जरूरी है कि वहां भूस्खलन और धंसाव की समस्या को लेकर पिछले सैंतालीस वर्षों में कई अध्ययन कराए गए, लेकिन उनकी रिपोर्ट को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता रहा है। वैज्ञानिकों ने बार-बार चेतावनी दी लेकिन इसके बाद भी भौगोलिक-तकनीकी अध्ययन कराने की ओर से आंखें फेर ली जाती रही हैं। समय रहते वैज्ञानिकों के सुझाव पर कोई अमल नहीं किया गया नतीजतन आज स्थिति सबके सामने है। पुराने भूस्खलन क्षेत्र में बसे जोशीमठ में पूर्व में अलकनंदा नदी की बाढ़ से भू कटाव होत रहा है। साथ ही घरों में दरारें भी पड़ती रहीं। वर्ष 1976 से लेकर 2022 तक की अनेक अध्ययनों की संस्तुतियों में जोशीमठ क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वेक्षण, भूमि की पकड़, धारण क्षमता, पानी के रिसाव के कारण समेत कई अध्ययन कराने की जरूरत बताई गई। वैज्ञानिकों के अनुसार जोशीमठ सिस्मिक जोन पांच में आता है और भूकंप व भूस्खलन की दृष्टि से काफी संवेदनशील स्थान माना गया है। इन तथ्यों को लेकर राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) की तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजना और हेलंग बाईपास का निर्माण कार्य को लेकर शुरू से ही सवाल उठते रहे। अब जब जोशीमठ में पानी सिर से ऊपर चढ़ गया है और हाल में वैज्ञानिकों के दल ने दोबारा सर्वेक्षण कर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी है, तब जाकर सरकार गहरी नींद से जागी है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में इस संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए कहा गया है कि 'मानव जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र की कीमत पर कोई भी विकास नहीं होना चाहिए। अगर किसी भी स्तर पर ऐसा होता है तो फिर राज्य और केंद्र सरकार को इसे तत्काल रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए।' यह तर्क विधायिका और कार्यपालिका के रुख पर सवाल उठाता है। हालांकि जब विधायिका और कार्यपालिका अपना काम ठीक से न करें तो अदालत का दरवाजा खटखटाने के अलावा आखिर लोगों के पास रास्ता ही क्या बचता है? इसके साथ ही तथ्य यह भी सही है कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे में एक व्यापक संस्थागत ढांचा तैयार किया गया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इन्हीं संस्थाओं की प्रासंगिकता की ओर ध्यान दिलाते हुए तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

शहद वही जो कुत्तों के मन भाए

रामविलास जांगिड़

ब्रेकिंग न्यूज बनती जा रही है। न्यूज़ टीवी स्क्रीन पर छा रही है। टीवी की स्क्रीन फोड़कर एंकरी बाई बाहर निकल आई है। गला खोलकर, कंठ नली तोड़कर राजधानी में शहद चटाई के कार्यक्रम का बवंडर मचा रही है। न्यूज़ देवी के इस तांडव से रजाई में दुबके बच्चे दहशत में है। बीवी तक डर गई है। राजधानी की सड़कों पर शहद बेचने वालों का डेरा लगा हुआ है।

गांधी मार्ग, अंबेडकर पथ से लेकर विवेकानंद मार्ग की तरफ शहद बेचने का पूरा मार्केट सजा है। किसे शहद बेचना है? किसके कितना शहद लगाना है? किसे कितना शहद चटाना है? किसकी कोहनी पर शहद मलना है? सब कुछ नियमानुसार है। व्यापारी मधुमक्खी का छत्ता हाथ में लिए हुए असली शहद बेचने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। बाकायदा कुछ जिंदा मधुमक्खियों को हाथों से सहला रहे हैं। कुछ जिंदा मधुमक्खियों को मसल भी रहे हैं। बिल्कुल डर नहीं रहे हैं। चाहे कितनी ही मोमबत्तियां जलाएं! कितने ही मोबाइल टॉर्चों की रोशनी जगमगाएं! चाहे कितनी ही फांसी की मांग करें! लेकिन ये मानते ही नहीं। मधुमक्खियों को मसलने का काम बेफिक्री से कर रहे हैं! कुछ मरी मधुमक्खियां भी उनके शहद का हिस्सा बनी हुई है। शहद कारोबारी मधुमक्खियों को मारते भी हैं और उनका शहद भी नहीं छोड़ते! सड़कों पर पसरे पड़े हैं यही जंतु! नकली माल को असली पैकिंग कैसे करना है? ये इन सबको आता है। राजधानी में नकली और असली बनाने का कारोबार हर दिशा में फैला हुआ है।

असली है कि फसली है! फसली है कि नकली है! कुछ कहा नहीं जा सकता। फिर शहद के मामले में तो कुछ भी नहीं कहा जा सकता। एक से एक नेता, मंत्री, दलाल, ठेकेदार और अफसर एक दूसरे पर शहद लगाने के लिए गांधी मार्ग पर लगातार चक्कर काट रहे हैं। अंबेडकर पथ पर अपने ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। विवेकानंद मार्ग पर शहद चटाने के लिए चमचे तैयार खड़े हैं। चमचे भी चाहिए शहद चटाने के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में! चमचे बहुत जरूरी है। ये सब चतुराई राजधानी के शहद कारोबार का मुख्य हिस्सा है। इधर मेरी बीवी भी शहद लेने की फिराक में है। टीवी न्यूज़ माता ने इसे सिखा दिया है। शहद ले रही है बीवी! कुत्तों को ढूंढ़ा जा रहा है, चटाने के लिए। मक्खियों को की तरफ आशा भरी नजरों से देख रही है कि कोई मक्खी आए, शहद पर बैठे और उड़ जाए। कुत्ता भी आए और शहद को नहीं चाटे। शहद चटाई और तलवा चटाई में समान गुणधर्म है। चटाई शास्त्रों में कहा गया है कि वही शहद असली होता है, जिसे कोई कुत्ता नहीं चाटे। जिस शहद पर कोई मक्खी बैठे और उड़ जाए! कमबख्त शहद का ऐसा खटका मैंने कहीं नहीं सुना! कुत्ते तक शहद चाटना छोड़ दे।

जोशीमठ त्रासदी भावी खतरे का ट्रेलर मात्र है!

मनोज कुमार अग्रवाल

हिमालय की पर्वतीय श्रृंखलाओं पर मनमानी मानवीय गतिविधियों ने आखिरकार पहाड़ के मिजाज को गरम कर दिया है उत्तराखण्ड के जोशीमठ में इन दिनों सामने आई आपदा तो सिर्फ बड़े खतरे का ट्रेलर मात्र है खतरा इस से कहीं ज़्यादा बड़ी आपदा का है। विकास के नाम पर जिस तरह अंधाधुंध निर्माण कार्य कर पहाड़ की छाती को लगातार छलनी करने का खेल खेला जा रहा है समूचे उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ो पर लगातार पहाड़ी काट कर सड़कों का निर्माण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वृक्षों का भारी कटान अंधाधुंध निर्माण और उस पर तमाम भौगोलिक संतुलन को दरकिनार कर पहाड़ों पर बरसाती व ग्लेशियर पिघलने से आने वाले बहाव व निकासी के मार्ग को भी अवरुद्ध कर निर्माण कार्य किए गए हैं। जोशीमठ की आपदा तो महज चेतावनी का संकेत या ट्रेलर मात्र है आने वाले समय में यही हालात कर्णप्रयाग गोपेश्वर घंसाली मुनस्यारी धारचूला पौड़ी नैनीताल भटवारी मसूरी समेत अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में पैदा होने के आसार हैं आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 2020के बीच ही अकेले उत्तराखंड में बादल फटने भारी असामान्य बारिश होने और भूस्खलन के 7750 हादसे घटित हुए लेकिन पहाड़ की छाती को रौंद कर देश दुनिया के पर्यटकों को आमंत्रित करने में मशगूल सरकारों को इस सबकी फिक्र करने की फुर्सत नहीं है। आज जोशीमठ दरक रहा है कोई गारंटी नहीं है कि जम्मू की त्रिकुटा की उस पहाड़ी पर भी ऐसे हालात नहीं बनेंगे जहां माता वैष्णो देवी का भवन स्थित है और लगातार भारी व मनमाना निर्माण किया जा रहा है। जोशीमठ मध्य हिमालय का एक हिस्सा है। वैज्ञानिकों के अनुसार यहां की चट्टानें प्रीकैमब्रियन युग से हैं और क्षेत्र भूकंपीय क्षेत्र-4 का है। जोशीमठ की मूलभूत समस्या यह है कि यह बहुत कमजोर पोली जमीन पर स्थित है क्योंकि यह ग्लेशियर के मलवे पर बसा हुआ है जोशीमठ में आई इस आपदा के पीछे कहीं ना कहीं यहां मानव जनित कथित विकास जिम्मेदार है। लोगों को इस भूमि पर 3-4 मंजिल वाले घर होटल नहीं बनाने चाहिए थे लेकिन विकास के नाम पर इंसान ने जमकर मनमानी की। जोशीमठ एक चपटी ढलावदार पहाड़ी पर बसा है यह शंकराचार्य द्वारा स्थापित किया गया पौराणिक महत्व वाला ज्योतिर्मठ ही आज का विकसित पहाड़ी शहर जोशीमठ है।

यह औली बद्रीनाथ केदारनाथ आदि क्षेत्रों का प्रवेश द्वार है वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार जोशीमठ लगभग 6000-7000 साल पहले हुए भूस्खलन से निर्मित क्षेत्र पर स्थित है। यहां पूरी पर्वत श्रृंखला जहां भी माउंट हाउस है, वे उचित स्थिति में नहीं हैं। यह श्रृंखला अपनी मूल स्थिति से फिसल सकती हैं । शुरुआत में जब लोग वहां रह रहे थे तो वे एक अस्थिर क्षेत्र में रह रहे थे। जोशीमठ को एक बड़े शहर की तरह विकसित नहीं किया जाना चाहिए था लेकिन समूचे पहाड़ पर इंसान ने मनमानी कर पहाड़ के अस्तित्व के साथ गड़बड़ी को विकास के नाम पर किया है। इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के वैज्ञानिक मानते हैं कि इस क्षेत्र में धार्मिक यात्रा पर्यटन उद्योग में तब्दील की जा चुकी है यह भी बड़ी समस्या है क्योंकि सरकार इस तरह के पर्यटन उद्योग के बूते पर राज्य के लोगों के रोजगार आर्थिक विकास का समर्थन करती है इसलिए सरकार धार्मिक व पर्यटन स्थलों जैसे बदरीनाथ और केदारनाथ औली आदि का सुलभ आवागमन बनाने की कोशिश करती रही है। पहले कम संख्या में तीर्थयात्री बद्रीनाथ और केदारनाथ जाते थे , लेकिन उन्हें पैदल यात्रा करनी होती थी। अब मौजूदा दौर में तीर्थयात्रा में पर्यटन भी जुड़ गया लोगों की ख्वाहिश है कि उनकी यात्रा सुविधा पूर्ण हो इन सभी जगहों तक पहुंचना आसान हो ताकि वे वहां कार और बस से जा सकें। सरकार भी इसके बंदोबस्त में जुटी हैं यह एक गलत कदम है। हिमालय का यह इलाका नाजुक, मुलायम और संरचनात्मक रूप से कमजोर है।

ऐसे में हिमालय और अलग-अलग जगहों तक चार लेन वाली सड़कें बनाना पावर प्रोजेक्ट लगाना पहाड़ की तलहटी में टनल बनाना एक के बाद एक ऐसे खतरनाक कदम हैं जिसमें पहाड़ के अस्तित्व को चुनौती दे कर खिलवाड़ की गयी है । बता दें कि जोशीमठ जिस अलकनंदा और धौली गंगा के संगम के बाएं पहाड़ी ढलान पर स्थित है उस को विष्णु प्रयाग कहते हैं। बदरीनाथ के ऊपर से आ रही अलकनंदा विष्णुप्रयाग में हल्के के दाएं कट जाती है। धौली गंगा यहां पर उससे समकोण पर मिलती है। धौली गंगा की तरफ जाने पर करीब 15 किलोमीटर ऊपर एनटीपीसी की तपोवन विष्णुगाड हाइड्रो प्रोजेक्ट है। फरवरी 2021 में ग्लेशियर फटने से आई बाढ़ में यह पूरा प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया था। इस प्रोजेक्ट साइट के पास एक सुरंग बनाई जा रही है, जिसे अलकनंदा से जोड़ने का काम चल रहा है। बांध के पानी को वैकल्पिक रास्ता देने के लिए इस तरह की सुरंगे बनाई जाती हैं। यही अधबनी सुरंग को स्थानीय लोग इस मौजूदा त्रासदी के लिए जिम्मेदार मान रहे हैं । जोशीमठ का सिंधार क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है इस क्षेत्र में पूरी जमीन फट चुकी है। सड़कों पर दरारें आई हैं जैसे कोई भूकंप आया हो। सिंधार के इस पूरे इलाके में जगह-जगह पड़ी दरारें बेहद खतरनाक हालात की सूचना दे रही हैं। जोशीमठ में हर दिन ये दरारें या तो चौड़ी हो जाती हैं या एक नई दरार किसी न किसी मकान में पैदा हो जाती है। जोशीमठ को आपदा संभावित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस नगर में तथा आसपास के इलाकों में निर्माण गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गई है। चमोली के जिला अधिकारी हिमांशु खुराना के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के एक दल समेत दो केंद्रीय दल जल्दी ही जोशीमठ आएंगे। चमोली जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार जोशीमठ नगर में अब तक छह सौ तीन इमारतों में दरारें आ गई हैं।

अधिकारियों के अनुसर 68 परिवार अस्थाई रूप से विस्थापित हो गए हैं। प्रशासन ने अत्याधिक भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों से निवासियों को बाहर ले जाने के आदेश दिए हैं। जोशीमठ नगर क्षेत्र में दो सौ 29 कमरों की रहने योग्य स्थल के रूप में पहचान की गई है। इन कमरों में लगभग एक हजार दो सौ इकहत्तर लोग रह सकते हैं। जमीन धंसने से प्रभावित स्थानों की पहचान का काम जारी है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। उतराखंड के जोशीमठ में रह रहे लोगों के दिलों में डर बढ़ता जा रहा है, क्योंकि धीरे-धीरे सारी जमीन अंदर धसती जा रही है। इस बीच एक बड़ी बात सामने आ रही है कि राज्य सरकार 600 घरों को खाली कराकर करीब 4,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जाएगा। सैटेलाइट के माध्यम से इन दरारों पर ध्यान दिया जा रहा है।

शहर के असुरक्षित मकानों को कल गिराने का काम किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जमीन के अंदर धंसते शहर के असुरक्षित मकानों पर रेड क्रॉस के निशान लगा दिए है, जो रहने के लिए बेहद असुरक्षित हैं। राज्य सरकार ने इन लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया है,ऐसी सूचना भी आ रही हैं कि सरकार द्वारा अगले छह महीनों तक हर परिवार को 4,000 रुपए हर महीने किराया देने का फैसला किया गया है। जो भी हो जोशीमठ पहाड़ के साथ की जा रही खिलवाड़ से पैदा होने वाले खतरे का एक चेतावनी देने वाली खतरे की घंटी या ट्रेलर है यदि कथित विकास की अंधी दौड़ में पहाड़ पर इसी तरह का सिलसिला जारी रहा तो अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा पहाड़ आपदाओं का जनक भी बन सकता है हालांकि काफी बदइकलाखी पहाड़ के साथ की जा चुकी है अभी भी समय है कि सरकारों को अपनी विकास की मनगढ़ंत योजनाओं का सिंहावलोकन कर पहाड़ के मिजाज को ध्यान में रखते हुए विकास की गतिविधियों का संचालन करना चाहिए न कि आंख बंद कर अंधाधुंध निर्माण नहीं करने चाहिए पहले से ही पेड़ों व वनस्पतियों से रीते हो रहे पहाड़ हर साल वन अग्नि को झेल कर लगातार क्षरण हो रहे हैं और अपने अस्तित्व व स्वरूप को बचाने के लिए मानव से गुहार लगा रहे हैं क्या लोभ में पागल हुआ इंसान और सरकारें पहाड़ की इस आर्त वेदना को समझने का प्रयास करेंगे?

यूपी-बिहार को लेकर संघ का बड़ा प्लान

अगले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए विपक्ष ने भी अपने पासे फेंकने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कवायद में लगे हैं, तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जातिगत जनगणना का दांव चलकर दलित-ओबीसी जातियों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में जुट गए हैं। देश की इस सियासी तस्वीर के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 2025 में अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है। इस शताब्दी वर्ष के लिए आरएसएस ने भी अपना एक लक्ष्य निर्धारित किया है। संघ के इस लक्ष्य में उत्तर प्रदेश और बिहार को लेकर एक बड़ी रणनीति बनाई गई है। उसके पदाधिकारी इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जुट गए हैं। संघ का यह लक्ष्य क्या है और अपने शताब्दी वर्ष में वह कैसा भारत देखना चाहता है? आरएसएस शताब्दी वर्ष तक पूरे देश में एक लाख शाखाएं स्थापित करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई गई हैं। ग्रामीण भारत में हर गांव में एक शाखा स्थापित करने का लक्ष्य है, तो शहरी इलाकों में प्रति दस हजार आबादी पर एक शाखा संचालित करने का लक्ष्य है। समय-समय पर इसके लिए विशेष अभियान चलाने की भी योजना है, जिसके जरिए इस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश की जाएगी।

यूपी-बिहार में बड़ा लक्ष्य

लेकिन संघ की सबसे बड़ी योजना यूपी और बिहार को लेकर है। देश की सियासी तस्वीर तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले राज्यों यूपी-बिहार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जातिगत सोच

पर हिंदुत्व की सोच को ज्यादा ताकतवर और प्रभावी बनाना चाहता है। यानी संघ चाहता है कि लोग जातिगत सोच को अपने निजी जीवन तक ही सीमित रखें, लेकिन जब व्यापक हितों की बात हो, तो वे राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को एक हिंदू समाज के अंग के रूप में सोचे। इसके लिए व्यापक स्तर पर रणनीति तैयार की गई है और इसके लिए लोगों को संघ से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले के एक सप्ताह के उत्तर प्रदेश प्रवास को भी संगठन की इसी सोच से जोड़कर देखा जा रहा है।

मजबूत जमीन तैयार करना चाहता है संघ

हालांकि, संघ के आलोचक इसे हिंदुत्व की राजनीति को मजबूत और स्थायी रूप देने की कोशिश मानते हैं। उनके मुताबिक, संघ ने यह देखा है कि इस हिंदी पट्टी वाले क्षेत्र में 2014 से ही लगातार हिंदुत्व के मुद्दों वाली राजनीति को सफलता मिल रही है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों और 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों में जो रिकॉर्ड सफलता पाई है, उसके पीछे हिंदुत्व की राजनीति को ही सबसे प्रमुख माना जा सकता है। हिंदुत्व और विकास के मिश्रित मॉडल ने जातिगत समीकरणों को ध्वस्त करते हुए भाजपा को एतिहासिक सफलता दिलाने में कामयाबी पाई। संघ इस सोच को स्थाई रूप देना चाहता है। बिहार में भी भाजपा ने लगभग इसी तरह की सफलता पाई। लेकिन पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में यह साफ हो गया कि यहां जातिगत समीकरण अभी भी काफी मजबूत हैं। चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार में जैसे ही जातिगत सामाजिक समीकरणों की बात आएगी, हिंदुत्व का मुद्दा कमजोर पड़ सकता है। संघ इस कमजोरी को दूर कर हिंदुत्व की राजनीति की ज्यादा गहरी पिच तैयार करना चाहता है। और इसको लेकर उसकी कवायद जारी है।

व्यक्ति-समाज निर्माण करता है संघ

उत्तर प्रदेश में संघ के विस्तार के लिए काम कर रहे आरएसएस पदाधिकारी अनिल त्यागी ने कहा कि संघ राजनीतिक लक्ष्यों को लेकर कभी कार्य नहीं करता, इसलिए उसके कार्यों को सियासी समीकरणों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। वह व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज निर्माण और समाज निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य करता है और उनके हर कार्य इसी दिशा में प्रेरित होते हैं। अनिल त्यागी ने कहा कि अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के पहले ही आरएसएस भौगोलिक दृष्टि से देश के हर कोने तक पहुंच चुका है। संघ और उसके स्वयंसेवक लगभग हर क्षेत्र में जनता की सेवा का काम कर रहे हैं। लेकिन संघ अभी भी मानता है कि समाज के कुछ वर्गों में अभी भी उसकी पहुंच अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई है। संघ इसी के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत की सफलता तभी सिद्ध होगी जब देश का हर नागरिक एकता के भाव से राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए अपना योगदान दे। इस दृष्टि को ध्यान में रखते हुए संघ समाज के सभी वर्गों को उनकी व्यक्तिगत पहचान कायम रखते हुए एकता के भाव में बांधना चाहता है और उनका पूरा प्रयास इसी ओर है।

उपद्रवी हवाई यात्रियों पर लगे कड़ा अंकुश

रजनीश कपूर

2017 में देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हंगामा करने वाले हवाई यात्रियों को नियंत्रित करने की मंशा से 'नो फ़्लाई लिस्ट' की शुरुआत की थी। परंतु इस सबके बावजूद हंगामा करने वाले उपद्रवी यात्रियों के नये-नये किस्से रोज़ देखे जाते हैं। एयर इंडिया की न्यू यॉर्क से दिल्ली आ रही फ्लाइट की बिज़नेस क्लास में एक वृद्ध महिला के साथ हुए शर्मनाक हादसे ने दुनिया भर में भारत को शर्मसार किया है। ऐसा नहीं है कि ऐसे क़िस्से केवल भारत में या भारतीयों द्वारा ही किए जाते हैं। यदि आप गूगल पर खोजेंगे तो ऐसे मामलों की एक लंबी सूची आपको मिल जाएगी। परंतु ऐसे मानसिक रोगियों के साथ सरकारें और एयरलाइंस ऐसा क्या करें जिससे इन पर अंकुश लग सके? यदि ऐसे हादसे उड़ान भरने से पहले होते हैं तो एयरलाइन ऐसे उपद्रवी यात्री को विमान से उतार सकती है। इसके साथ ही उसे 'नो फ़्लाई लिस्ट' में भी डाल सकती है। परंतु यदि ऐसा बीच हवा में हो तो एयरलाइन को क्या करना चाहिए? नागर विमान मंत्रालय को इस विषय को गंभीरता से लेते हुए इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। यदि बीच यात्रा के दौरान विमान में किसी यात्री की तबियत बिगड़ जाती है तो यदि विमान में कोई डॉक्टर मौजूद होता है तो वो मदद करने के लिए आगे बढ़ता है। उसी प्रकार से यदि कोई भी यात्री मदिरा पान करके या स्वभाववश ही उपद्रव मचाता है तो सह-यात्रियों को भी एयरलाइन क्रू की मदद के लिए आगे आना चाहिए। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर ऐसे अनेकों मामले दिखाई दिये जहां उपद्रवी यात्री लड़ते झगड़ते दिखाई दिये। फिर वो मामला चाहे थाईलैण्ड से दिल्ली आने वाली अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट का हो या भारत में ही उड़ने वाली डोमेस्टिक फ्लाइट का हो। मानसिक दारिद्रता से ग्रस्त ऐसे यात्रियों ने सह यात्रियों को और एयरलाइन को काफ़ी परेशान किया। काश सुरक्षा जाँच की तरह मानसिक जाँच की भी कोई मशीन हवाई अड्डों पर होती तो शायद ऐसे हादसों पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सकता था। अफ़सोस की बात है कि ऐसी कोई भी मशीन अभी तक ईजाद नहीं हुई। ऐसी हरकत करने से पहले व्यक्ति को ख़ुद ही सोचना चाहिए कि क्या जो वो कर रहा है वो सही है? विदेशों में हवाई यात्रा के दौरान यदि कोई ऐसा उपद्रव करता है तो, या तो सह-यात्री उसे नियंत्रित करते हैं या फ्लाइट में मौजूद मार्शल उसे हथकड़ी पहना कर अन्य यात्रियों से अलग बिठा देते हैं। हमारे देश में भी क्या ऐसा हो सकता है? जिस तरह विमान में मौजूद सह-यात्री ऐसे हादसों का वीडियो बनाने में देरी नहीं करते, उसी तरह सह- यात्रियों को ऐसे उपद्रवियों को बलपूर्वक नियंत्रित करने की पहल भी करनी चाहिए। इन उपद्रवियों पर अंकुश लगाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एयरलाइंस को मिल कर कुछ ठोस उपाय खोजने होंगे। यदि ऐसे यात्रियों पर अंकुश लगाना है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना है तो कुछ अनूठी पहल करनी होगी। सरकार को हर फ्लाइट में मार्शल की तैनाती भी करने पर विचार करना चाहिए। इसके साथ ही उस यात्री को 'नो फ़्लाई लिस्ट' के अलावा आर्थिक दंड देने के प्रावधान होने चाहिए। उस उपद्रवी द्वारा हर सह यात्री को एक टोकन राशि चालान के रूप में दी जाए, जिससे कि उसे ऐसा उपद्रव मचाना वास्तव में महँगा पड़े। ऐसा नहीं है कि केवल यात्रियों द्वारा ही उपद्रव मचाया जाता है। कभी-कभी एयरलाइन का स्टाफ़ भी यात्रियों से बदसलूकी करता है। आपको पाँच वर्ष पहले का यह क़िस्सा तो याद होगा जब इंडिगो एयरलाइंस के स्टाफ ने एक यात्री को बस में चढ़ने से रोकने के लिए मारपीट की थी। एयरलाइन स्टाफ़ की इस हरकत की काफ़ी निंदा की गई थी। ऐसे मामलों को नियंत्रित करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय बना है जो एयरलाइन को आदि हाथों लेता है। परंतु यहाँ भी दोहरे मापदंड अपनाए जाते हैं। इन दोहरे मापदंड के विषय में कई बार इसी कॉलम में लिखा जा चुका है। परंतु एयरलाइन स्टाफ़ के हंगामों में कोई कमी नहीं आई है। जबकि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तमाम क़ानून मौजूद हैं। जब नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस दिशा में कुछ कठोर कार्यवाही करेगा तभी सुधार ज़मीन पर दिखाई देगा। चालान का डर लोगों में अधिक होता है।

हाय! यह कैसा जमाना है?

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वे पहुँचे हुए नेता थे। इतना पहुँचे हुए कि एक फोन करने पर सारे के सारे अधिकारी हाथ बाँधकर उनके आगे खड़े हो जाते थे। दुकानदार उनके फोन करने से पहले ही उनकी गतिविधि को भांपकर जरूरी सामान उनके घर भिजवा देते थे। उनकी आँखें, भौंहें, नाक, मुख सबकी संरचना कुछ इस तरह से बन गई थी उन्हें कुछ कहने या करने की जरूरत नहीं थी। उन्हें देखते ही सामने वाले की हालत टाँय-टाँय फिस्स हो जाती थी। उनका व्यक्तित्व गरीब की थाली से रोटी-नून तक छिनने में नहीं हिचकिचाता था। इन्हीं सारे गुणों को देखते हुए एक पहुँचे हुए दल ने उन्हें टिकट देने में अपनी भलाई समझा। जैसे ही पहुँचे हुए नेता को टिकट मिलने की घोषणा हुई, उनका खौफ लोगों पर सातवें आसमान पर सिर चढ़कर बोलने लगा। लोग ऊपर से प्यार दिखाने के बहाने उनके नरमुंडों के कटआउट पर दूध की गंगा बहाते कभी भोज कार्यक्रम आयोजित करते। चारों ओर धूम मची थी। किंतु यही लोग भीतर-भीतर अपने भविष्य की कल्पना कर सहम जाते। एक दिन नेता अपने चमचों के साथ एक स्कूल पहुँचे। वहाँ जाकर जोरदार भाषण झाड़ते हुए कहा – बच्चों हमें बड़ा का आदर करना चाहिए। उनका कहा मानना चाहिए। उनके साथ बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से साक्षात भगवान की सेवा करने का पुण्य मिलता है। बच्चों ने जोरदार तालियाँ बजाई। स्कूल प्रबंधन ने उनका मान-सम्मान किया। सभी अध्यापक और बच्चे हाथ जोड़कर उनके आगे ऐसे खड़े हो गए मानो साक्षात प्रभु धरती पर उतर आए हों। तभी नेता का मोबाइल बज उठा। मोबाइल कान पर चस्पाते हुए गंभीर आवाज में किसी से बात करने लगे।

मामला गंभीर था। नेता अपनी गाड़ियों का काफिला लिए एक बुजुर्ग के घर पर जा धमके। लात मारकर दरवाजा खटखटाया। बूढ़े डरते हुए दरवाजा खोला। नेता का गुस्सा इतना अधिक था कि उसने एक जोरदार तमाचा जड़ते हुए बूढ़े को नीचे गिरा दिया। धमकाते हुए कहने लगे – अरे बुड्ढे। ज्यादा खुजली मची है क्या। एक बार कहने पर समझ नहीं आता। सीधे-सीधे जमीन बेच दे। नहीं तो ये जो औने-पौने दाम मिल रहे हैं, वह भी नहीं मिलेगा। तालाब में रहकर मगरमच्छ से दुश्मनी नहीं करते। बकरे की अम्मा कितनी देर तक खैर मनाएगी। कभी न कभी हलाल तो होना ही है। शराफत इसी में है जैसा कहता हूँ वैसा मान लें। ज्यादा चूँ चपड़ करने की कोशिश की तो तेरे लिए अच्छा नहीं होगा। कम से कम अपना न सही अपनी इकलौती जवान बेटी का खयाल तो कर।

वह हर दिन सुरक्षित घर इसलिए आती है कि हमारे आदमियों ने उसके साथ कोई ऊँच-नीच नहीं की। तेरे लिए इस उम्र में लोक-लाज बड़े मायने रखती है। तू पैसे बिना तो जी सकता है, लेकिन चरित्र के बिना बिल्कुल नहीं। इसलिए लोक-लाज के लिए ही सही अपनी जिद छोड़ दे। वरना तुझे सीधा करने के मेरे पास और भी कई उपाय हैं। थरथराते हुए पत्ते की तरह बूढ़ा काँप रहा था। बेटी का चेहरा आँखों के सामने उभर आया। तुरंत उसने कागज पर हस्ताक्षर करते हुए अपनी जिद छोड़ दी।

14 जनवरी को सूर्य का राशि परिवर्तन

खत्म होगा बुधादित्य योग, 14 अप्रैल तक रहेगा सूर्य-शनि का अशुभ असर

14 जनवरी को बुधादित्य शुभ योग खत्म होगा। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा और शनि के साथ रहेगा। लेकिन अब अगले तीन महीनों तक सूर्य-शनि का अशुभ योग बना रहेगा। जिससे राजनीतिक, प्रशासनिक और बड़े मौसमी बदलाव हो सकते हैं।

14 जनवरी की रात को सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर शनि के साथ हो जाएगा। फिर दो दिन बाद यानी 17 को शनि राशि बदलकर कुंभ में चला जाएगा। जिससे सूर्य-शनि का अशुभ द्विर्द्वादश योग एक महीने तक रहेगा। 13 फरवरी से फिर सूर्य-शनि एकसाथ कुंभ राशि में रहेंगे। इसके बाद 15 मार्च को सूर्य मीन राशि में चला जाएगा। जिससे 14 अप्रैल तक फिर से सूर्य-शनि का अशुभ द्विर्द्वादश योग रहेगा।

देश-दुनिया में तनाव और डर का माहौल

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र ने बताया कि इस राशि परिवर्तन के साथ ही सूर्य-शनि कुछ दिन एकसाथ रहेंगे और थोड़े दिन द्विर्द्वादश योग बनेगा। यानी ये दोनों ग्रह एक-दूसरे से बारहवीं राशि में रहेंगे। ज्योतिष में सूर्य और शनि को एक-दूसरे का शत्रु माना जाता है। जब भी ऐसे योग बनते हैं तब देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। पिछले साल भी इन दिनों ये अशुभ योग बना था।

राजनीति में बड़े बदलाव और विवाद की आशंका

इन दिनों शनि अपनी ही राशि में है। सूर्य पर राहु की दृष्टि भी पड़ रही है। ग्रहों की ये स्थिति ठीक नहीं है। सूर्य के राशि बदलने का असर सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। जिससे ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। शनि-सूर्य का अशुभ योग बनने से राजनीतिक नजरिये से समय अनुकूल नहीं रहेगा। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है।

अशुभ असर से बचने के उपाय

रोज सुबह पानी में तिल और लाल चंदन डालकर नहाएं। उगते हुए सूरज को जल चढ़ाएं। सूर्य और शनि के अशुभ असर से बचने के लिए पीपल के पेड़ मे जल चढ़ाएं और घी का दीपक लगाकर उसकी परिक्रमा करें। शाम को हनुमानजी और शनि देव के मंदिर में तिल के तेल का दीपक लगाएं। शनि देव को तिल या सरसों का तेल चढ़ाएं। जरुरतमंद लोगों को भोजन और गर्म कपड़ों का दान करें।

पंचांग भेद से शनिवार और रविवार को मकर संक्रांति

इस साल मकर संक्रांति को लेकर पंचांग भेद हैं। कुछ पंचांगों में 14 जनवरी और कुछ में 15 जनवरी को मकर संक्रांति बताई गई है। इस दिन खासतौर पर सूर्य पूजा की जाती है। दिन की शुरुआत सूर्य को अर्घ्य देकर करें और सूर्य से संबंधित चीजों का दान करें। इस दिन खाने में तिल-गुड़ जरूर शामिल करना चाहिए। तिल-गुड़ की तासीर गर्म होती है और इनके सेवन से शरीर को ठंड से लड़ने की शक्ति मिलती है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा कहते हैं कि मकर संक्रांति पर सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश करता है और सूर्य उत्तरायण भी हो जाता है। ये दिन धर्म के साथ ही खगोल विज्ञान के लिए भी महत्वपूर्ण है। जानिए मकर संक्रांति पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

मकर संक्रांति पर सुबह सूर्योदय से पहले बिस्तर छोड़ देना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल में चावल, लाल फूल भी जरूर डालें। सूर्य को जल चढ़ाते समय सूर्य के मंत्रों का जप करें। मकर संक्रांति पर कंबल, काले तिल, चावल और तांबे के कलश का दान जरूरतमंद लोगों को करना चाहिए।

इस दिन ग्रंथों का पाठ भी जरूर करें। आप चाहें तो श्रीरामचरित मानस, रामायण, श्रीमद् भगवद् गीता का पाठ कर सकते हैं, शिव पुराण, विष्णु पुराण, गणेश पुराण आदि ग्रंथों का पाठ भी किया जा सकता है।

संक्रांति पर तीर्थ दर्शन और पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। इस दिन गंगा, यमुना, शिप्रा, नर्मदा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी जैसी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी भक्त पहुंचते हैं। अगर आप नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर ही पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। अपने शहर में या किसी अन्य पौराणिक महत्व वाले मंदिर में दर्शन जरूर करें। मकर संक्रांति पर हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें।

घर पर सही दिशा में लगाएं माता लक्ष्मी की फोटो

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को सुख-समृद्धि व धन की देवी माना गया है। जिस पर भी मां लक्ष्मी की कृपा रहती हैं, उसके जीवन में धन-धान्य की कोई कमी नहीं रहती। शास्त्रों में मां लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है मां लक्ष्मी जी का स्थान। मां देवी का मंदिर उचित दिशा में होना चाहिए। वास्तु शास्त्र में मां लक्ष्मी जी के स्थान को लेकर कई विशेष बातें बताई गई हैं। पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि मां लक्ष्मी जी की कृपा पाने के लिए घर में उनकी मूर्ति को सही दिशा में लगाना चाहिए। आइये जानते हैं मां लक्ष्मी जी की फोटो या मूर्ति को किस दिशा में लगाना शुभ होता है।

मां लक्ष्मी की मूर्ति के लिए सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा में मां लक्ष्मी की फोटो

लगाना शुभ नहीं होता है, इससे घर से सुख-समृद्धि चली जाती है और दरिद्रता आती है। इसके अलावा मां लक्ष्मी की खड़ी अवस्था में भी फोटो नहीं लगानी चाहिए क्योंकि मां लक्ष्मी का स्वभाव चंचल होता है और वह एक जगह ठहरती नहीं हैं, इसलिए मां लक्ष्मी के ठहराव के लिए उनकी बैठी हुई मुद्रा में फोटो लगानी चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी की मूर्ति या फोटो हमेशा उत्तर दिशा में लगानी चाहिए, इससे घर में सुख-समृद्धि, धन धान्य व वैभव बना रहता है। व्यापार में लाभ होगा तो जीवन में तरक्की मिलेगी।

इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक स्थान पर मां लक्ष्मी जी की एक से अधिक मूर्ति नहीं लगानी चाहिए, ऐसा करना अशुभ होता है। मां लक्ष्मी जी की मूर्ति या फोटो के पास सुंदर रंगोली बनाएं। मां लक्ष्मी की मूर्ति गणेश जी के साथ दायीं ओर या विष्णु जी के साथ बायीं ओर रखी जानी चाहिए। सुबह-शाम मां लक्ष्मी की सच्ची श्रद्धा से पूजा-अर्चना करें और उनसे सुख-समृद्धि व सौभाग्य की कामना करें।

3 त्योहार और एक खगोलीय घटना

इस हफ्ते के आखिरी दिनों में सूर्य का राशि परिवर्तन होगा। सूर्यदेव के धनु से मकर राशि में आने पर उत्तरायण यानी मकर संक्रांति पर्व मनेगा। दक्षिण भारत में इस त्योहार को पोंगल के रूप में मनाते हैं। वहीं पंजाब में इसे लोहड़ी, खिचड़ी पर्व और पतंगोत्सव कहा जाता है। मध्यभारत में इसे संक्रांति कहा जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण, माघी, खिचड़ी आदि नाम से भी जाना जाता है। मलयाली समाज के लोग इसी दिन मकरविल्लकू पर भगवान अय्यप्पा की पूजा करेंगे।

मकर संक्रांति नई फसलों के आने की खुशी का भी पर्व है, इसी दिन से खरमास भी खत्म होता है। जिससे एक महीने तक रूके हुए मांगलिक काम फिर शुरू हो जाते हैं। वहीं, तिलोड़ी अब लोहड़ी हो गया है। पंजाब के कई क्षेत्रों में इसे लोही या लोई कहते हैं। दक्षिण भारत में धान की फसल समेटने के बाद खुशी जाहिर करने के लिए पोंगल मनाते हैं।

लोहड़ी (शनिवार, 13 जनवरी)

लोहड़ी को पहले तिलोड़ी कहते थे। पंजाब के कई इलाकों मे इसे लोही या लोई भी कहा जाता है। लोहड़ी, पौष महीने की आखरी रात को मनाया जाता है। जो कि इस बार 13 जनवरी को है। इस दिन लोग लकड़ी जलाकर आग के चारों ओर चक्कर काटते हुए नाचते-गाते हैं और आग में रेवड़ी, मूंगफली, खील, मक्की के दानों की आहुति देते हैं। कहा जाता है कि संत कबीर की पत्नी लोई की याद में ये पर्व मनाते हैं। ये भी मान्यता है कि सुंदरी और मुंदरी नाम की लड़कियों को सौदागरों से बचाकर दुल्ला भट्टी ने हिंदू लड़कों से उनकी शादी करवा दी थी। पौराणिक मान्यता अनुसार सती के त्याग के रूप में भी यह त्योहार मनाया जाता है।

13 को लोहड़ी

14 को सूर्य का राशि परिवर्तन

15 जनवरी को भी रहेगी मकर संक्रांति और पोंगल

मकर संक्रांति (रविवार, 15 जनवरी)

इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है इसलिए इसे मकर संक्रांति कहते हैं। ये पर्व फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाते हैं। इस दिन गुड़ और तिल से बनी मिठाइयां खाते हैं और दान करते हैं। इस दिन पवित्र नदी में स्नान, दान, पूजा करने से पुण्य हजार गुना हो जाता है। इसी दिन खरमास खत्म होने तथा शुभ माह प्रारंभ होने के कारण लोग दान-पुण्य से अच्छी शुरुआत करते हैं। इसी दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि उत्तरायण के 6 महीनों तक पृथ्वी प्रकाश मय रहती है। इस प्रकाश में शरीर त्याग करने से पुनर्जन्म नहीं होता। ऐसे लोग ब्रह्म को प्राप्त होते हैं। इसलिए भीष्म पितामह ने शरीर तब तक नहीं छोड़ा, जब तक सूर्य उत्तरायण नहीं हो गए।

पोंगल (रविवार, 15 जनवरी)

पोंगल यानी खिचड़ी का त्योहार। जो सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्य काल में मनाते हैं। ये पर्व दक्षिण भारत में धान की फसल समेटने के बाद लोग खुशी प्रकट करने के लिए मनाते हैं और भगवान से अगली फसल के अच्छे होने की प्रार्थना करते हैं। पोंगल 4 दिनों तक चलता है।

पहले दिन भोगी, दूसरे दिन सूर्य, तीसरे दिन मट्टू और चौथे दिन कन्या पोंगल मनाते हैं। इस त्योहार पर गाय के दूध के उफान को बहुत महत्व दिया जाता है। इस दिन खीर बनाते हैं। मिठाई और मसालेदार पोंगल डिश बनाते हैं। चावल, दूध, घी, शकर से भोजन बनाकर सूर्यदेव को भोग लगाते हैं।

इंद्र पर लगा था ब्रह्म हत्या का पाप, स्त्रियों को भी मिला उसका अंश, बदले में पाया वरदान

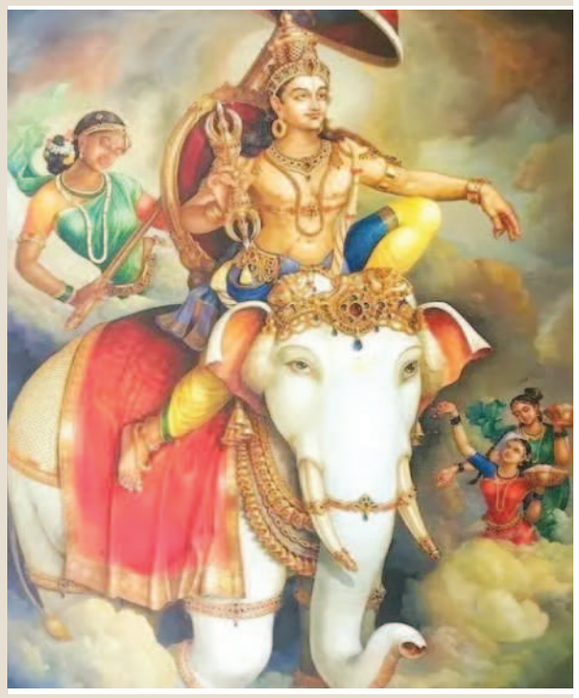

हिंदू धर्म में इंद्र को देवताओं व स्वर्ग का राजा माना गया है। राक्षसों के साथ युद्ध में हमेशा ये ही देवताओं की अगुआई करते हैं, पर एक समय ऐसा भी आया जब देव होकर भी इन्होंने एक ब्राह्मण की हत्या कर दी थी। ब्रह्म हत्या का पाप लगने पर इन्हें छिपकर रहना पड़ा था। बाद में भगवान विष्णु ने उन्हें इस पाप से मुक्त करवाया था। आइए ये पूरी कथा जानते हैं।

जब इंद्र पर लगा ब्रह्म हत्या का पाप

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार एक समय देवराज इंद्र को त्रिलोक का स्वामी होने का घमंड हो गया था। इससे उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई। अहंकार में उन्होंने एक बार गुरु बृहस्पति का भी अपमान कर दिया। इससे नाराज होकर गुरु बृहस्पति अन्य जगह जाकर रहने लगे। गुरु के रूठने का फायदा उठाते हुए राक्षसों ने देवताओं पर हमला कर दिया। वे डरकर भगवान ब्रह्मा के पास पहुंचे, जिन्होंने गुरु बृहस्पति की जगह त्वष्टा के पुत्र विश्वरूप को कार्यवाहक पुरोहित बनाकर काम चलाने की सलाह दी।

विश्वरूप बने कार्यवाहक पुरोहित

इस पर देवताओं ने वैसा ही किया। उन्होंने विश्वरूप को कार्यवाहक पुरोहित बना दिया। विश्वरूप ने देवराज इंद्र को नारायण कवच प्रदान किया, जिसके प्रभाव से युद्ध में उनकी जीत हुई। अपनी विजय के उपलक्ष्य में विश्वरूप को ही पुरोहित बनाकर इंद्र ने एक यज्ञ का आयोजन किया।

विश्वरूप ने किया देवताओं से छल

इस यज्ञ में विश्वरूप ने देवताओं से छल किया। यज्ञ करते समय वह धीरे से राक्षसों को भी आहुति देने लगा। जब इंद्र को इस बात का पता चला तो वे क्रोधित हो गए। उन्होंने विश्वरूप के तीनों सिर धड़ से अलग कर दिए। इससे इंद्र को ब्रह्म हत्या का पाप लगा।

कर्म और विद्या समेत इन 3 चीजों से बढ़ता है व्यक्ति का महत्व

पाना हर व्यक्ति की स्वभाविक इच्छा होती है। इसके लिए वह समय–समय पर अलग–अलग चीजों को महत्व देता है। कभी विद्या व परिवार तो कभी धन–संपत्ति उसके लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। कई बार व्यक्ति इन सब के बीच फंसा हुआ भी महसूस करता है। वह समझ नहीं पाता है कि कौनसी चीज ज्यादा महत्वपूर्ण है। ऐसे में आज हम आपको उन पांच चीजों के बारे में बता रहे हैं जो भविष्य पुराण के अनुसार, व्यक्ति के लिए सबसे ज्यादा महत्व की है। ये व्यक्ति का भी महत्व बढ़ाती है।

पांच महत्वपूर्ण चीजें

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार, भविष्य पुराण में व्यक्ति के लिए पांच महत्व के कारण बताए गए हैं। इस संबंध में ब्रह्मा पर्व में लिखा है कि 'वित्तं बन्धुर्वयः कर्म विद्या भवति पंचमी' यानी व्यक्ति के लिए महत्व की पांच चीजें धन–संपत्ति, बंधु–बांधव व परिवार, अवस्था, कर्म और विद्या है। अहंकार से दूर रहकर व्यक्ति को इन पांचों के महत्व को समझते हुए उचित व्यवहार करना चाहिए।

सबसे ज्यादा विद्या का महत्व

इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बंधु व परिवार है। परिवार से ज्यादा महत्वपूर्ण अवस्था, अवस्था से महत्वपूर्ण कर्म और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण विद्या है। इस संबंध में भविष्यपुराण कहता है कि 'ए तानि मान्यस्थानानि गरीयो यद्यदुत्तरम' यानी धन संपत्ति, बांधव, अवस्था, कर्म और विद्या में से उत्तरोतर एक से दूसरा बड़ा है अर्थात विद्या सर्वश्रेष्ठ है।

शास्त्रों में विद्या को सर्वश्रेष्ठ इसलिए माना है क्योंकि यह व्यक्ति को विवेकी बनाती है। जिससे वह धन व संपति के साथ आध्यात्मिक उन्नति कर मोक्ष भी प्राप्त कर सकता है। विद्या को चुराया नहीं जा सकता और विदेश में भी सब कुछ लुट–छिन जाने पर भी व्यक्ति अपनी विद्या के बल पर फिर से सब कुछ प्राप्त कर सकता है।

सात साल तक राजेश खन्ना के साथ लिव इन में रहीं अंजू

फिर इस वजह से नहीं की काका से शादी, फिल्मों के साथ सीरियल में भी किया काम

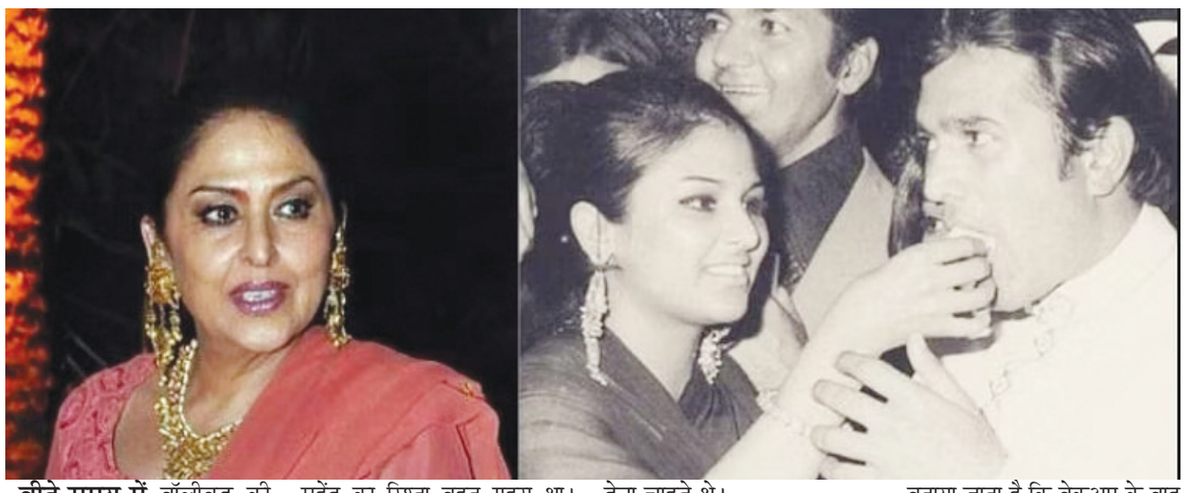

बीते समय में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री, मॉडल और फैशन डिजाइनर रही अंजू महेंद्रू का 11 जनवरी 1946 को जन्मी अंजू अपना 77वां जन्मदिन मना चुकी हैं। अभिनेत्री ने साल 1966 में फिल्म 'उसकी कहानी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। अंजू ने फिल्मों के साथ साथ टेलीविजन में भी अभिनय किया है। लेकिन अंजू बॉलीवुड जगत के मशहूर अभिनेता राजेश खन्ना के साथ अफेयर के कारण ज्यादा चर्चा में रही थी। दोनों लगभग 7 साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहे थे।

जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीना पसंद करती हैं अंजू

अंजू बहुत खुले विचारों की और जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीना पसंद करती हैं। सभी जानते हैं कि राजेश खन्ना एक बड़े कलाकार थे, उन पर लड़कियां खूब मरती थी। लेकिन अंजू महेंद्रू उनके बेहद करीब थी। राजेश खन्ना और अंजू महेंद्रू का रिश्ता बहुत गहरा था। कहते हैं कि अंजू राजेश खन्ना की सारी बातें माना करती थीं।

अंजू ने ठुकराया था शादी का प्रपोजल

जानकारी के मुताबिक राजेश खन्ना ने अंजू को एक आलीशान बंगला भी खरीद कर तोहफे में दिया था। अभिनेत्री उस दौरान मॉडलिंग में स्ट्रगल कर रही थी। वह राजेश खन्ना की बचपन की दोस्त थीं। जिसके बाद दोनों लंबे वक्त तक लिव इन रिलेशनशिप में रहे थे। बताया जाता है कि जब राजेश खन्ना ने अंजू को शादी के लिए प्रपोज किया था, तब उन्होंने इस प्रपोजल को ठुकरा दिया था। जिसके कारण राजेश अंजू से बेहद नाराज हुए थे। इसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए। राजेश खन्ना के साथ रिश्ता खत्म होने के बाद अंजू ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अभिनेता रूढ़िवादी सोच के व्यक्ति थे। अंजू ने यह भी बताया कि राजेश उन्हें काम करने नहीं देना चाहते थे।

अंजू के साथ ब्रेकअप के बाद राजेश खन्ना ने अपने से 16 साल छोटी अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया से शादी कर ली थी। बताया जाता है कि जिस दौरान राजेश खन्ना अपनी बारात लेकर बांद्रा से जुहू जा रहे थे, तभी उन्होंने उसका रास्ता बदल कर, जानबूझ कर अंजू महेंद्रू के घर के सामने से लेकर गए थे।

इसके बाद अंजू का अफेयर वेस्टइंडीज के क्रिकेटर गैरी सोबर्स के साथ चला। दोनों की सगाई भी हो गई थी, लेकिन उन्होंने शादी नहीं की। दरअसल, दोनों के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक हो गई और उसके बाद अंजू ने सगाई तोड़ दी।

अंजू एक इंटरव्यू में बताती हैं कि उन्होंने राजेश खन्ना के घर से ही गैरी को फोन करके सगाई तोड़ दी थी। हालांकि इसके बाद अंजू महेंद्रू ने अभिनेता अमजद खान के भाई इम्तियाज से शादी कर ली थी। बताया जाता है कि ब्रेकअप के बाद लगभग 17 साल तक दोनों की बातचीत नहीं हुई थीं। हालांकि इसके बाद उनकी कुछ मौकों पर बातचीत शुरू हुई थी। साल 2012 में राजेश खन्ना की मौत के वक्त अंजू उनके अंतिम संस्कार में पहुंची थी। अंजू को कई मौकों पर राजेश खन्ना के परिवार के साथ देखा जा चुका है।

फिल्मों के साथ सीरियल में भी किया काम

अंजू ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और सीरियल में काम किया है। उन्होंने 'हमारी बेटियों का विवाह', 'गीत हुई सबसे पराई', 'एक हजारों में मेरी बहना है', 'ये हैं मोहब्बतें' जैसे तमाम सीरियल में काम किया है।

इसके अलावा उनकी फिल्मों की बात की जाए तो उन्होंने 'कभी ये कभी वो', 'खून बहा गंगा में', 'हम तो चले परदेस', 'विजय', 'प्यास', 'गंगा की सौगंध', 'प्रेम शास्त्र' जैसी कई फिल्में की हैं।

निक्की तंबोली

करियर की बात करें तो उसने अपने अभिनय की शुरूआत एक तेलुगु फिल्म 'चिकती गाडिलो चिथाकोटुडु' से की थी

हवा की तरह जरुरी है फिटनैस

निक्की तम्बोली अपनी फिटनैस के लिए जानी जाती है। वह अपनी पतली कमरिया को लेकर भी चर्चा में रहती है और उसकी बोल्डनेस से भरी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर होते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं।

वह अपने कातिलाना फिगर को मेंटेन रखने के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए बहुत मेहनत करती है। वह कितनी भी व्यस्त क्यों न हो, जिम करना नहीं छोड़ती। इसे लेकर निक्की ने बात की और अपनी फिटनैस को लेकर अपना रूटीन शेयर किया।

फिटनैस को लेकर अपनी दीवानगी के बारे में उसने बताया, ₹मेरे लिए फिटनैस ऑक्सीजन की तरह है, जो एक जरूरत है। इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है। मेरा मानना है कि स्वस्थ शरीर के लिए एक दिन में तीन बार ज्यादा ज्यादा खाना खाने की जगह, पांच से छह बार कम कम खाना खा लेना चाहिए। फिट होने का मतलब केवल यह नहीं है कि शरीर कैसा दिखता है, बल्कि यह कि अंदर से भी कितना अच्छा और स्वस्थ है।

निक्की ने आगे कहा, सोने से ठीक पहले ग्रीन टी पीना मेरी एक आदत है। यह मुझे वह डिटॉक्स देती है जिसकी मुझे पूरे दिन के बाद जरूरत होती है। इसके अलावा मैं सही भोजन और हैल्दी जूस पीना बहुत जरूरी समझती हूं, इससे फिर मुझे बाहर का कुछ खाने की जरूरत नहीं पड़ती।'

निक्की के करियर की बात करें तो उसने अपने अभिनय की शुरूआत एक तेलुगु फिल्म 'चिकती गाडिलो चिथाकोटुडु' से की थी ।

इसके बाद उसने एक तमिल फिल्म 'कंचना 3' भी की। हिंदी दर्शकों में निक्की को तब लोकप्रियता हासिल हुई जब उसने छोटे पर्दे पर रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लिया। इसके बाद वह एडवेंचर शो 'खतरों के खिलाड़ी 11' में भी नजर आई।

26 वर्षीय निक्की के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जहां उसकी हर पोस्ट तुरंत वायरल हो जाती है।

2023 में साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला के लिए वर्ष 2022 कई हलचलों से भरपूर रहा। इस दौरान उसने प्रतिष्ठित कान फिल्म समारोह में भी डेब्यू किया, जिसे वह साल का सबसे बड़ा और सबसे कीमती पल' बताती है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बड़ी सफलता है क्योंकि मैं दुनिया भर के फिल्म जगत के लोगों से मिली और तीन बार रैड कार्पेट पर चली।

मिस इंडिया का खिताब जीतना अपना एकमात्र सपना मानने वाली उर्वशी कहती हैं, बाकी जो कुछ भी मैंने इसके अलावा हासिल किया, वह बोनस है। यहां तक कि मेरा परिवार भी मुझसे यही कहता है कि जितना वे मुझसे चाह सकते थे, मैंने उससे कहीं अधिक किया है।

वर्ष 2023 के लिए अपने लक्ष्यों तथा इच्छाओं के बारे में पूछे जाने पर, उर्वशी बताती है कि वह केवल अपने परिवार और दोस्तों के लिए अच्छा स्वास्थ्य चाहती है, जब पेशेवर लक्ष्यों और आकांक्षाओं की बात आती है, तो इनका कोई अंत नहीं है। हर कोई ज्यादा से ज्यादा हासिल करना चाहता है। इन मामलों में हम इंसान बहुत लालची हैं इसलिए हमारे लिए यह जानना आवश्यक है कि हम जीवन से क्या चाहते हैं और इसे प्राप्त करने पर संतुष्ट और शांत महसूस करें। हम जीवन भर चीजों के पीछे नहीं भाग सकते। 2023 के लिए, मैं हर तरह से एक शांतिपूर्ण और धन्य जीवन चाहती हूं।

करियर के हिसाब से 2023 पहले से ही उर्वशी के लिए दिलचस्प लग रहा है क्योंकि अब वह साऊथ की फिल्मों में भी कदम रखने जा रही है, जिसमें सुपरस्टार चिरंजीवी उसके साथ होगें। वह कहती है, देश के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक के साथ मेरे एक खूबसूरत पेशेवर रिश्ते की शुरूआत होने जा रही है। इससे पहले मैंने बॉलीवुड में कई बेहतरीन गाने किए हैं, लेकिन पहली बार है कि मैं इस फिल्म में एक बहुत ही खास गीत कर रही हूं। वास्तव में, मुझे चिरंजीवी सर ने कहा है कि, 'आप हमारी फिल्म और अपने गाने की पहुंच के बारे में सोच भी नहीं सकतीं।' इसलिए मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। वह अभिनेता राम पोथिनेनी के साथ भी एक फिल्म में दिखाई देगी।

यह कहते हुए कि 2022 उसके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है, उर्वशी ने बताया कि अगला साल भी उतना ही रोमांचक होने वाला है। अपने बिजी शैड्यूल के बारे में बात करते हुए उसने कहा, मैं वैब सीरीज 'इंस्पैक्टर अविनाश कर रही हूं, जिसमें मैं रणदीप हुड्डा के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हूं। मैं सुपरहिट इंटरनैशनल फिल्म '365 डेज' के हीरो मिशेल मोरोन के साथ एक हॉलीवुड फिल्म भी करने वाली हूं। फिर, विलियम शेक्सपियर की कहानी पर आधारित द्विभाषी थ्रिलर 'ब्लैक रोज' और लोकप्रिय फिल्म 'थिरुट्टु पायले 2' का हिंदी संस्करण है, जो 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' पर आधारित है। मैं अमरीकन गायक गीतकार जेसन डेरुलो के साथ उनके अगले इंटरनैशनल म्यूजिक सांग में भी काम कर रही हूं।

विद्या बालन बनीं भाभी जी घर पर हैं की अंगूरी

यूजर्स बोले- फिल्मों में काम मिलना बंद हो गया क्या?

एक्ट्रेस विद्या बालन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो भाभी जी घर पर हैं की अंगूरी भाभी के डायलॉग पर लिपसिंक करती हुई नजर आ रहीं हैं। वीडियो देखकर फैंस विद्या के एक्सप्रेशन्स की खूब तारीफ कर रहे हैं। इतना ही नहीं टीवी पर असल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली शुभांगी आत्रे ने भी विद्या के इस पोस्ट पर रिएक्ट किया है।

अंग्रेजी एक सेंसुअस भाषा है-विद्या

पोस्ट शेयर करते हुए विद्या ने कैप्शन में लिखा- 'अंग्रेजी एक सेंसुअस भाषा है।' वीडियो की शुरुआत भाभी जी घर पर हैं एक डॉयलॉग से होती है, जिसमें अंगूरी भाभी बोलती हैं- अरे सच्ची विभूती जी क्या है ये। चुपचाप बैठिए और वहां पर देखिए, वैसे भी आप हमें से सेंसुअस कर रहे हैं। इस पर विभूति नरायण उन्हें सही करते हुए बताते हैं कि भाभी जी वो कॉन्शियस होता है।' इस अंगूरी भाभी कहती हैं- सही पकडे.हैं।'

आपने शिल्पा शिंदे से भी अच्छी एक्टिंग की-यूजर्स

विद्या के इस वीडियो पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आप तो शिल्पा शिंदे से भी ज्यादा अच्छे एक्प्रेशन दे रही हैं। दूसरे यूजर ने लिखा- भाभी जी आप बहुत क्यूट हो। एक अन्य यूजर ने लिखा- विद्या जी मूवी में काम मिलना बंद हो गया है क्या जो आप यहां पर दिल बहला रही हो इसमें। आप तो अकेले ही मूवी हिट करा दो, फिर इंस्टाग्राम पर क्यों वीडियो बना रही हो। सोशल मीडिया पर इस तरह के कमेंट्स की भरमार है।

राखी सावंत ने अपनी शादी का वीडियो शेयर किया : आदिल खान संग गुपचुप की शादी

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने गुपचुप तरीके से अपने बॉयफ्रेंड आदिल खान दुर्रानी संग शादी कर ली है। दोनों ने कोर्ट मैरिज की है। सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज वायरल हो रही है जिनमें राखी, आदिल के साथ हाथ में मैरिज सर्टिफिकेट लिए नजर आ रही हैं। इसी बीच राखी ने अब अपनी शादी का वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में राखी और आदिल एक-दूसरे को वरमाला पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों के आसपास उनके फैमिली मेंबर्स भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में राखी सावंत शरारा सूट में खूबसूरत लग रही हैं, वहीं आदिल खान कैजुअल लुक में दिखाई दे रहे हैं।

राखी ने शादी के बाद बदला अपना धर्म?

एक तरफ राखी सावंत दावा कर रही हैं कि मई 2022 में उन्होंने आदिल से शादी कर ली थी और उनके कहने पर इसे सीक्रेट रखा था, दूसरी तरफ ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक आदिल ने इस शादी से साफ इनकार कर दिया है। सोशल मीडिया पर सामने आए राखी और आदिल की शादी के सर्टिफिकेट से माना जा रहा है कि राखी ने अपना धर्म भी बदल लिया है और अपना नाम फातिमा रख लिया है। फिलहाल, शादी की खबर अभी सिर्फ राखी की तरफ से ही आ रही है। आदिल ने अभी तक इस पर चुप्पी साध रखी है और सोशल मीडिया पर भी कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

इससे पहले भी शादी कर चुकी हैं राखी

राखी ने इससे पहले रितेश नाम के शख्स से शादी की थी। हालांकि उन्होंने इसे भी काफी छिपा के रखा था। बिग बॉस 15 में राखी ने रितेश को पहली बार दुनिया के नजरों में इंट्रोड्यूस कराया था।हालांकि राखी ने सच में शादी की थी या नहीं इसके बारे में कुछ भी कन्फर्म नहीं है। लोगों का मानना था कि राखी बस पब्लिसिटी के लिए ये सब कर रही हैं।

पलक तिवारी ने कराया गदराया फोटोशूट, लोगों के दिल से निकला धुआं बोले- मां को भी पीछे छोड़ दिया

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपने लुक्स और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रहती हैं. सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली पलक अपने फोटोशूट से अक्सर लोगों को अपना दीवाना बनाती हैं. हालांकि 22 साल की पलक को कई बार उनके फिगर के लिए ट्रोल भी किया जाता है. हालांकि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता. श्वेता और पलक के बीच अच्छी बॉन्डिंग है. दोनों कई बार मिलकर भी फोटोशूट कराती हैं. लेकिन पलक का लेटेस्ट फोटोशूट लोगों को काफी इम्प्रेस कर रहा है. पलक तिवारी की लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरों ने इंटरनेट पर आग लगा दी है. फैंस उनकी तस्वीरें देखकर मदहोश हो रहे हैं. वहीं एक्ट्रेस खूबसूरत लहंगा पहने बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं.

तस्वीरों के अलावा पलक तिवारी बहुत जल्द फिल्मी दुनिया में भी डेब्यू करने जा रही हैं. पलक बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के जरिए बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती हैं.

पहले दिन अजीत कुमार पर भारी पड़े थलपति विजय

वरिसु ने 28 करोड़ जबकि थुनिवु ने 26 करोड़ का कलेक्शन किया

ग्यारह जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर थलपति विजय और अजीत कुमार की फिल्मों का क्लैश हुआ था। अब पहले दिन का कलेक्शन देखा जाए तो विजय की फिल्म वरिसु ने अजीत की थुनिवु को पीछे छोड़ दिया है। वरिसु ने पहले दिन 28.50 करोड़ की कमाई की है जबकि थुनिवु ने 26 करोड़ का कलेक्शन किया है। हालांकि तमिलनाडु में 18 करोड़ के कलेक्शन के साथ अजीत ने बाजी मारी है लेकिन विजय के ऑल इंडिया फैन फॉलोविंग की वजह से उनकी फिल्म का टोटल कलेक्शन अजीत की फिल्म से ज्यादा है। नॉर्थ इंडिया में विजय की वरिसु ने एक करोड़ जबकि अजीत की थुनिवु ने 50 लाख रुपए कमाए हैं।

8 साल बाद अजीत और विजय की फिल्मों के बीच क्लैश

अजीत और विजय की फिल्मों का आठ साल बाद क्लैश हुआ है। ऐसे में ये काफी अहम हो जाता है कि बॉक्स ऑफिस की इस रेस में जीतता कौन है। 11 जनवरी को रिलीज हुईं दोनों फिल्मों के लिए ऑडियंस में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। फैन अपने-अपने चहेते एक्टर्स की फिल्मों के लिए इस कदर पागल हो रहे हैं कि अजीत कुमार के फैंस विजय थलपति विजय की फिल्म वरिसु के पोस्टर्स फाड़ रहे हैं। तो वहीं, थलपति विजय के फैंस अजीत कुमार की फिल्म थुनिवु के पोस्टर्स फाड़ रहे हैं।

दोनों फिल्मों को मिला है क्रिटिक्स का मिक्स्ड रिस्पॉन्स

वरिसु एक फैमिली ड्रामा-एक्शन थ्रिलर है जिसमें विजय एक ऐसे युवक का किरदार निभा रहे हैं जो मुश्किल समय में अपने फैमिली की हेल्प करता है। फिल्म में रश्मिका मंदाना और प्रकाश राज भी ने अहम भूमिका निभाई है। वहीं अजीत कुमार की थुनिवु भी एक पॉवर पैक्ड एक्शन फिल्म है। दोनों फिल्मों को क्रिटिक्स ने मिक्स्ड रिस्पॉन्स दिया है।

कल रात अजीत कुमार की फिल्म थुनिवु देखने के बाद एक फैन का ओवर एक्साइमेंट में निधन हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक चेन्नई का रहने वाला भरत कुमार अजीत की फिल्म थुनिवु देखने के लिए थिएटर पहुंचा था। फिल्म देखने के बाद वो इतना एक्साइटेड हो गया कि चलती ट्रक से कूदना लगा। हालांकि ट्रक की रफ्तार धीमी थी लेकिन अचानक नियंत्रण बिगड़ने की वजह से वो नीचे गिर गया। पुलिस के मुताबिक भरत फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने पहुंचा था।

साउथ में फिल्मों को लेकर देखी जाती है गजब की दीवानगी

साउथ में फिल्मों को लेकर लोगों में काफी दीवानगी देखने को मिलती है। कभी कभार ये दीवानगी पागलपन में भी तब्दील हो जाती है। केजीएफ 2 के समय एक फैन ने अपने आप को सिर्फ इसलिए आग लगा ली थी ताकि फिल्म के एक्टर यश उससे आकर एक बार मिल लें। जब फिल्में रिलीज होती हैं तो फैंस एक्टर्स के बड़े बड़े कट आउट बनाकर दूध से नहलाते हैं। वहीं अति उत्साह में आकर थिएटर में ही पटाखे फोड़ने लगते हैं। ऐसा हमेशा देखा जाता है।

गोवा में महंगी प्रॉपर्टी के मालिक हैं ये सितारे, तमाम सुविधाओं से लैस हैं इनके आलीशान ठिकाने

बॉलीवुड सितारे शूटिंग और काम से फुरसत पाते ही कहीं न कहीं घूमने निकल पड़ते हैं। विदेश में छुट्टियां बिताने के साथ-साथ कई सितारे अपने देश में भी टूरिज्म का खूब मजा लेते हैं। और...सितारों के पसंदीदा टूरिस्ट ठिकानों की बात की जाए तो इसमें गोवा सबसे आगे रहता है। बी-टाउन की तमाम नामी हस्तियों को गोवा में क्वालिटी टाइम बिताना खूब पसंद आता है। इतना ही नहीं, कई सेलेब्स ने तो यहां अपने लिए वेकेशन होम तक खरीद रखे हैं।

प्रियंका चोपड़ा

देसी क्वीन प्रियंका चोपड़ा पति निक जोनास के साथ विदेश में रहती हैं। प्रियंका के दुनिया के अलग-अलग शहरों में कई घर हैं। इनमें से प्रियंका का एक घर गोवा में भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका का घर गोवा के बाघा बीच के पास है। इसमें कई मॉडर्न सुविधाएं हैं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार भी गोवा में वेकेशन होम के मालिक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार ने वर्ष 2008 में पांच करोड़ रुपये खर्च करके एक शानदार पुर्तगाली स्टाइल में डिजाइन बंगला लिया था। यह बंगला अंजुना बीच पर स्थित है। अक्षय कुमार अक्सर परिवार के साथ यहां छुट्टियां बिताने जाते हैं।

अभय देओल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अभय देओल ने कुछ साल पहले गोवा में एक एकड़ जमीन खरीदी थी। अब उनका नॉर्थ गोवा में इको-फ्रेंडली लग्जरी घर का काम पूरा हो गया है। उन्होंने हाल ही में अपने फैंस को अपने नॉर्थ गोवा में स्थित ग्रीन हाउस की सोशल मीडिया पर तस्वीरें दिखाईं। उनके घर में आउटडोर स्विमिंग पूल, एक बड़ा लॉन और बड़े ग्लास के दरवाजे हैं। गोवा में अभय देओल का घर काफी आलीशान है।

सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली का नाम भी इस लिस्ट में आता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ष 2008 में सेलिना ने गोवा में घर खरीदा था। यह एक 150 साल पुराना हेरिटेज विला है, जो मोइरा गांव में स्थित है। सेलिना ने इस घर को पूरी तरह से रिनोवेट करवा लिया है, तो इसलिए इसे अब कासा डी फ्रांसिस सेलिना के नाम से जाना जाता है। ये उनके और उनके परिवार के लिए काफी सालों से एक वेकेशन स्पॉट रहा है।

इमरान हाशमी

रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान हाशमी का भी गोवा में घर है। उन्होंने साल 2010 में अपने परिवार के साथ कीमती पल बिताने के लिए करोड़ों रुपये का एक लैविश पेंटहाउस खरीदा था, जिसमें कई आधुनिक सुविधाएं हैं।

सर्कस के फ्लॉप होने पर छलका रोहित शेट्टी का दर्द

बोले- मुझे और मेरी टीम को बहुत कुछ भुगतना पड़ा, लेकिन हम फिर उठेंगे

रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई। इतना ही इस फिल्म के कारण उन्हें ऑडियंस से ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। हाल ही में सर्कस के फ्लॉप होने पर रोहित शेट्टी ने अपना दर्द बयान किया। दरअसल, 11 जनवरी को रोहित ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वो अपकमिंग फिल्म इंडियन पुलिस फोर्स के सेट नजर आ रहे हैं। फोटो में डायरेक्टर के पीछ गाड़ियां उड़ती हुए दिखाई दे रही हैं, वहीं रोहित कैमरे की तरफ देखते हुए स्माइल कर रहे हैं। उनके हाथ में पट्टी बंधी हुई है। रोहित ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- सर्कस से लेकर मेरे एक्सीडेंट तक, मैंने और मेरी टीम ने बहुत कुछ सहा है। पिछले कुछ सप्ताह हमारे लिए मुश्किल रहे हैं। हम फिर से उठेंगे, हम गिरेंगे लेकिन हम फिर से खड़े होंगे और अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अंत में जीतेंगे।' अपने शूटिंग शेड्यूल के बारे में बताते हुए रोहित ने जानकारी दी कि वो इस वक्त इंडियन पुलिस फोर्स के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। इसके बाद वो सिंघम अगेन के प्री-प्रोडक्शन काम शुरू कर देंगे। रोहित का ये पोस्ट देखकर उनके फैंस बेहद भावुक हुए हैं। एक यूजर ने पोस्ट में लिखा- सर गेट वेल सून और हमें एक ब्लॉकबस्टर फिल्म का इंतजार है।' एक अन्य यूजर ने लिखा- हिम्मत मत हारना, अभी आपको कई बेहतरीन फिल्में देनी हैं।'

पुष्पा-2 से बाहर होने की खबरों पर रश्मिका का रिएक्शन

बीते दिनों पुष्पा 2 से रश्मिका मंदाना को रिप्लेस किए जाने की खबरें सामने आ रही थी। कहा जा रहा थी कि रश्मिका को फिल्म के दूसरे पार्ट से हटा दिया गया है। लेकिन अब रिलेप्स होने की अफवाहों पर रश्मिका का रिएक्शन सामने आया है। रश्मिका ने फिल्म से रिप्लेस किए जाने की खबरों को खारिज कर दिया है। रश्मिका ने कहा- 'बहुत सारी खबरें सामने आ रही हैं कि मुझे फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया है। लेकिन ऐसा नहीं है, मैं फिल्म की शूटिंग स्टार्ट करने के वाकई बेहद एक्साइटेड हूं। मुझे लगता है कि फिल्म की शूटिंग अगले महीने तक शुरू कर दूंगी। ये फिल्म पहले पार्ट से भी ज्यादा बड़ी और बेहतर होगी। मैंने सुना है कि फिल्म का सेकंड हाल्फ बहुत ही ज्यादा दिलचस्प है।'

पुष्पाःद राइज में श्रीवल्ली के किरदार से रश्मिका को देशभर में पहचान मिली। फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ उनकी केमिस्ट्री को बेहद पसंद किया था। बीते दिनों ये खबरें थीं कि मेकर्स ने दूसरे पार्ट के लिए सई पल्लवी को अप्रोच किया है। हालांकि, अब रश्मिका ने इन खबरों पर फुल स्टॉप लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार पुष्पा-2 में रामचरण को कास्ट करना चाहते हैं। दोनों इससे पहले रंगस्थलम में साथ काम कर चुके हैं, जो बॉक्सऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। हालांकि, अभी तक मेकर्स ने राम चरण के कैमियो से जुड़ी कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। मेकर्स ने पहले पार्ट के लिए 194 करोड़ रुपए के बजट में बनाया गया था। जबकि प्रोड्यूसर दूसरे पार्ट के लिए 450 करोड़ रुपए से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। साथ ही मैथरी मूवी मेकर्स ने इस बार हिंदी डबिंग राइट्स लिए हैं।

रात के 2 बजे फैंस से मिले शाहरुख खान

होटल में बुलाकर खिंचवाई फोटो, फैंस बोले- ये तो किसी सपने जैसा है

शाहरुख खान ने अपने फैंस को सरप्राइज करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। हाल ही में किंग खान की कुछ फोटोज बेहद सुर्खियों में, जिनमें वो अपने फैंस के साथ फोटो क्लिक करवाते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल शाहरुख का फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए रात के 2 बजे होटल के बाहर खड़े होकर उनका इंतजार कर रहे थे। फैंस की दीवानगी देखकर शाहरुख ने उन्हें होटल के रूम में बुलाकर उनके साथ फोटो खिंचवाई और उन्हें अपना ऑटोग्राफ दिया। शाहरुख का ये जेश्चर उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

जतिन नाम के एक यूजर ने किंग खान और उनके फैंस की फोटोज शेयर करते हुए लिखा- थैंक्यू एसआरके हमारे लिए अपना समय निकालने के लिए। 2:00 रात में किसी दूसरे सुपरस्टार ने अपने फैंस के लिए ऐसा नहीं किया है, जैसा आप करते हैं। हमें अपने होटल के कमरे में बुलाया और हमें अपना पूरा समय दिया। हमें सम्मान और आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद। देर रात आपको परेशान करने के लिए मुझे खेद है, लेकिन आई लव यू।' शाहरुख के इस लकी फैन की फोटोज पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- जतिन आप बहुत लकी हो। दूसरे यूजर ने लिखा- ये तो किसी सपने के सच होने जैसा है। एक अन्य यूजर ने लिखा- मैं इस होटल से बस 1 किलोमीटर दूरी पर रहता हूं, मुझसे ये मौका छूट गया।'

स्नेहल मंडगांवकर की उपलब्धि भारत की लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा

मिसेज इंडिया मिलियन का ताज विजेता स्नेहल है हैदराबाद में तैनात सैन्य अधिकारी की पत्नी

देश विदेश की पांच प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली स्नेहल मंडगांवकर हैदराबाद में तैनात एक सैन्य अधिकारी की पत्नी हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत की लाखों महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। वे पेशे से एक वकील हैं और सेना बलों से गहराई से जुड़ी हुई हैं। वह एक गर्वित आर्मी वाइफ हैं और मुंबई की रहने वाली हैं। वह कॉलेज के दिनों में राष्ट्रीय स्तर की शतरंज खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। फिलहाल वह हैदराबाद में हैं। स्नेहिल का मानना है कि आप एक और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कभी भी बूढ़े नहीं होते हैं और इसलिए उन्होंने अब एक फैशन मॉडल और अभिनेत्री बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। एक आर्मी ऑफिसर की पत्नी होने के नाते उन्होंने सीखा है कि जीवन उद्देश्यपूर्ण जहोना चाहिए। शैली और सार में दृढ़ विश्वास रखने वाली होने के नाते, वह सेना के कार्यों में एक प्रमुख के रूप में सक्रिय हैं। ज़ुम्बा नृत्य, कसरत और शतरंज खेलना जीवन में उनकी विविध रुचियों में से कुछ हैं। फैशन के लिए उनके स्वभाव ने उन्हें मिसेज इंडिया के रूप में स्वर्ण

श्रेणी में मिसेज इंडिया मिलियन का ताज पहनाया। ₹असफलताओं को कभी भी दिल पर और सफलता को अपने सिर पर न चढ़ने देंर, जीवन में हमेशा उनका आदर्श वाक्य रहा है। उनके जैसी महिलाएं अनुकरणीय हैं और उन्होंने इस मिथक को तोड़ा है कि एक महिला के सपने और पेशेवर जीवन शादी और बच्चों के बाद खत्म हो जाते हैं।

दृढ़ दिमाग, सुंदर आत्मा, और अपने परिवार, दोस्तों और विशेष रूप से पेजेंट के संस्थापकों- प्रशांत चौधरी और सुश्री स्वाति दीक्षित से जबरदस्त प्यार और समर्थन के साथ, वह दुनिया को गले लगाने और आने वाली सभी जिम्मेदारियों को उठाने के लिए तैयार हैं। मिसेज इंडिया वन इन ए मिलियन सीज़न 3, 2022 की बात करें तो शो का आयोजन गुड़गांव में एक होटल में और मैं गया था जिसमें देश-विदेश के विभिन्न कोनों से 70 महिला प्रतियोगियों ने भाग लिया था। शो को प्रशांत चौधरी और स्वाति दीक्षित ने एक साथ रखा था। यह महिलाओं को बढ़ावा देने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था जहां वे अपनी सुंदरता और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। सभी 70 प्रतियोगियों ने रैंप पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और शो में आए सभी लोगों का दिल जीत लिया। इस मंच के लिए देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से 5000 महिला प्रतिभागियों ने ऑडिशन में भाग लिया, इनमें से केवल 70 महिलाओं को ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया। इस शो में पूर्व मिसेज वर्ल्ड और एक्ट्रेस अदिति गोवित्रीकर सेलिब्रिटी गेस्ट और ज्यूरी मेंबर के तौर पर मौजूद थीं, बाकी जूरी मेंबर रोहित ढींगरा, जीके अग्रवाल, पायल सिंह, प्रशांत चौधरी, स्वाति दीक्षित, स्वरिना सिंह और अंजलि साहनी थीं।

स्नेहल मण्डगांवकर ने जब एथनिक राउंड शोकेसिंग लेबल कामाख्या के साथ शो की शुरुआत की और गाला ग्रैंड फिनाले में उन्होंने लेबल अंजलि साहनी गोल्ड रोज़ कॉकटेल गाउन पहना, जहां उन्होंने प्रीति राणा और विशाल अहमद द्वारा लेबल वस्त्रम द्वारा डिजाइन और अनुकूलित मोर थीम का संग्रह लॉन्च किया। विजेताओं का ताज शूट।

फिनाले राउंड और क्राउन शूट दोनों को डिजाइनर निहारिका प्रथम ने स्टाइल किया था और उनके ज्वैलरी ब्रांड नियारा ट्राइब ने पेजेंट में नया कलेक्शन मत्स्य लॉन्च किया।

रुपे डेबिट कार्ड व भीम-यूपीआई से लेनदेन पर प्रोत्साहन देगी सरकार

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार रुपे डेबिट कार्ड व कम राशि के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन देगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस कदम से देश में डिजिटल भुगतान को और बढ़ावा मिलेगा। योजना के तहत बैंकों को चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 में रुपे और यूपीआई का इस्तेमाल कर 'पॉइंट ऑफ सेल' (पीओएस) यानी दुकानों पर लगी भुगतान मशीन और ई-कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट में कहा, मंत्रिमंडल ने रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई के जरिये व्यक्तियों एवं कारोबारियों के बीच कम राशि के लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। इससे डिजिटल भुगतान में भारत की प्रगति और मजबूत होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले बजट में कहा था, डिजिटल भुगतान बढ़ाने के लिए वित्तीय मदद जारी रखेंगे। प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी जल्द अपने विदेशी मोबाइल नंबर से यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। हालांकि, यूपीआई से सिर्फ उनके नॉन रेजिडेंट एक्सटर्नल (एनआरई) व नॉन रेजिडेंट ऑर्डिनरी (एनआरओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय खाते ही जुड़ सकेंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पेमेंट इंटरफेस वाली संस्थाओं से तैयारी करने को कहा है। शुरुआत में 10 देशों के लिए सेवा : अमेरिका, यूके, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग, ओमान, कतर, कनाडा, यूएई और सऊदी अरब।

पीयूष गोयल बोले- भारत व अमेरिका 'बड़ा सोच रहे

मिनी ट्रेड डील या एफटीए को किया खारिज

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मोदी सरकार और बाइडेन प्रशासन अपने व्यापार और वाणिज्य संबंधों के मामले में 'बड़ा सोच' रहे हैं। एक शीर्ष भारतीय अधिकारी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मिनी ट्रेड डील या मुक्त व्यापार समझौते के बारे में पहले की बात को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि जीएसपी को रद्द करना नई दिल्ली के लिए प्राथमिकता नहीं है। पिछले ट्रम्प प्रशासन ने भारत से व्यापार के लिए सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली को रद्द कर दिया था। जीएसपी योग्य विकासशील देशों को अमेरिका को शुल्क मुक्त सामान निर्यात करने की अनुमति देता है। पिछले प्रशासन के दौरान भी दोनों देश मिनी ट्रेड डील के कगार पर थे, जिसे अब टेबल से बाहर कर दिया गया है। बाइडेन प्रशासन भी मुक्त व्यापार समझौते के पक्ष में नहीं है, जिसकी बात अब दोनों ओर के प्रतिनिधि कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य और

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि जीएसपी के संदर्भ में मैंने भारतीय उद्योग की ओर से कोई उत्सुकता नहीं देखी है।। जीएसपी मुद्दे पर अपनी ऊर्जा केंद्रित करने के लिए, मैंने आज इसे अपने समकक्षों के साथ उठाया है। गोयल ने भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक की अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई के साथ सह-अध्यक्षता की। उसके बाद हुए समाचार सम्मेलन में उन्होंने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि यह एक मुद्दा है, लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं है जो हमारी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है। मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा मैंने अपना पक्ष रखा है कि जीएसपी को बहाल किया जाना चाहिए। लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। मुझे नहीं लगता कि जीएसपी की वापसी हमारे बढ़ते व्यापार संबंधों के लिए हानिकारक है। मिनी ट्रेड डील पर एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए, गोयल ने कहा कि यह बहुत सीमित था। आगे हम कुछ बड़ा सोच रहे हैं। बेशक, हम मुक्त व्यापार सौदे कर रहे हैं, इसे हमने ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ अमलीजामा पहनाया है। हम यूके, कनाडा के साथ इज़राइल और यूरोपीय संघ के साथ इस पर सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका से मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, वर्तमान में किसी भी देश के साथ किसी भी मुक्त व्यापार सौदे को हम राजनीतिक नीति के रूप में नहीं देख रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, फिलहाल एफटीए मेज पर नहीं है। इसके बजाय, हम अधिक बाजार पहुंच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हम व्यापार, निवेश और व्यापार के लिए दोनों देशों के बीच व्यापार करने में आसानी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने बुधवार को लचीले व्यापार पर एक नया टीपीएफ वर्किंग ग्रुप लॉन्च किया। एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह नया कार्य समूह अधिकारियों को कई मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत को गहरा करने में सक्षम करेगा जिससे व्यापार संबंधों का लचीलापन और स्थिरता को मिलेगा। इससे हम वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना कर सकेंगे।

सरकार एक और कंपनी में बेचने जा रही बड़ी हिस्सेदारी, क्या है पूरा प्लान ?

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार इस महीने कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके लिए सरकार ने आवेदन मांगे है। इस कंपनी में हिस्सेदारी बेचने के लिए प्रक्रिया की शुरुआत इसी महीने से हो सकती है। एक अधिकारी के अनुसार, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के निजीकरण के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट मांगे गए हैं। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि हिस्सेदारी बेचने के लिए सभी दस्तावेज तैयार हैं। इस महीने में ही प्रारंभिक बोली मांगी जा सकती है। हालांकि अभी इस कंपनी के प्राइवेटाइजेशन के लिए कैबिनेट के कुछ मंत्रियों से मंजूरी ली जाएगी। नवंबर 2019 में कॉनकॉर में 54.80 प्रतिशत सरकारी की हिस्सेदारी में से 30.8 प्रतिशत को बेचने की अनुमति कैबिनेट की ओर से दी गई थी। सरकार की ओर से 30 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी बेचने के बाद भी उसके पास बिना किसी वीटो पावर के 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। काफी समय से इसके शेयरों की बिक्री रुकी रही थी, क्योंकि निवेशक रेल पट्टा और लाइसेंसिंग शुल्क के स्पष्टीकरण का इंतजार कर रहे थे। केंद्रीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर में एक नई नीति को मंजूरी दी थी।

20 सालों में सबसे कम दिसंबर में हुआ गोल्ड इंपोर्ट

सोने के आयात में आई 79 फीसदी भारी गिरावट

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना आयात करने वाला देश बनने का गौरव हासिल कर चुका है। वहीं, सोने के दाम में बढ़ोतरी का असर इसके आयात कारोबार पर देखने को मिला है। पिछले साल के आखिरी महीने दिसंबर 2022 में देश के सोना आयात में 79 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई। यह दो दशक यानी 20 साल का सबसे निचला स्तर है। घरेलू बाजार में सोना इस समय अपने ऑल टाइम हाई पर रहा है। जानिए कितना हुआ गोल्ड इम्पोर्ट।।।

इंटरनेशनल मार्केट में सोना उच्चतम स्तर पर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने सोने के दामों की बढ़ती कीमतों से निपटने का एक प्रस्ताव बनाया था। जिससे भारत में ज्वैलरी बिजनेस को बढ़ावा मिलने के आसार जताए जा रहे थे। आने वाले दिनों में देश के अंदर सोना सस्ता होने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। सोने के

दाम आए दिन आसमान छू रहे हैं। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गोल्ड कंज्यूमर ने कीमतों पर रिएक्ट किया है। इसका असर इंटरनेशनल मार्केट की कीमत पर देखने को मिल रहा है। इंटरनेशनल मार्केट में सोना पहले ही 8 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

दिसंबर में कुल 20 टन हुआ गोल्ड इंपोर्ट

सोने का आयात कम होने से भारत का इंपोर्ट बिल भी कम होगा। इससे व्यापार घाटा सुधरने की उम्मीद है। इससे देश के भारतीय रुपया को मजबूत मिलेगी। डॉलर के मुकाबले रुपया इस समय 82 के नीचे है। इस समय यह 2 महीने के उच्चतम स्तर पर है। भारत ने दिसंबर माह में कुल 20 टन गोल्ड इंपोर्ट किया है। दिसंबर 2021 में यह आंकड़ा 95 टन रहा था। दिसंबर में गोल्ड इंपोर्ट बिल 1।18 बिलियन डॉलर था जो 1 साल पहले 4.73 बिलियन डॉलर रहा था।

पिछले साल कुल 706 टन सोने का आयात

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में भारत ने कुल 706 टन सोने का आयात किया है। यह आयात 2021 में 1,068 टन का था। भारत अपनी डिमांड का 90 फीसदी सोना आयात ही करता है। साल 2022 में गोल्ड इंपोर्ट पर 36 बिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं। 2021 में भारत ने कुल 55.8 बिलियन डॉलर का सोना आयात किया था। दिसंबर में सोने का उच्चतम रीटेल भाव 55,365 रुपये प्रति 10 ग्राम था। वहीं, अगस्त 2020 में उच्चतम भाव 56,191 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अभी तक का रिकॉर्ड है।

दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.72% हुई, यह एक साल में सबसे कम

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खुदरा महंगाई दर एक साल के सबसे निचले स्तर 5.72 फीसदी पर आ गई है।

दिसंबर लगातार दूसरा महीना है जिसमें खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के 4 (+/- 2) फीसदी के टॉलरेंस बैंड के भीतर आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर 2022 में 6.77 प्रतिशत और नवंबर में 5.88 प्रतिशत थी। बता दें कि जनवरी 2022 से भारतीय रिजर्व बैंक की ऊपरी सहिष्णुता सीमा 6 प्रतिशत से ऊपर रहने के बाद खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.88 प्रतिशत रही थी। दिसंबर में यह 5.72 प्रतिशत हो गई। यह बीते एक साल में यह खुदरा महंगाई दर का सबसे निचला स्तर है।देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) नवंबर 2022 में 7.1 प्रतिशत बढ़ा। इससे पहले, अक्टूबर महीने में इसमें गिरावट दर्ज की गई थी। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) नवंबर, 2021 में एक प्रतिशत बढ़ा था राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में नवंबर 2022 में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, खनन उत्पादन इस महीने में 9.7 प्रतिशत तथा बिजली उत्पादन 12.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

शुक्र शनि १० — सूर्य बुध ९ — ८ — केतु ७ — ११ — गुरु १२ — ६ चंद्र — राहु १ — २ मंगल — ३ — ४ — ५

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-शिशिर दिशाशूल- पश्चिम • दही खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी- 18 -17 तक उपरान्त सप्तमी
मास • माघ कृष्ण पक्ष , शुक्रवार Jan 13
नक्षत्र • उ.फाल्गुनी • 16 -35 तक उपरान्त हस्त
योग • शोभन • 12 • 44 • तक उप अतिगण्ड
करण- वणिज • 18 • 17 • तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार • लोहड़ी पर्व पंजाब

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	04-53 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मकर-	06-59 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	08-49 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-28 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	12-03 बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष--	13-48 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन.	15-50 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-01 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-13 बजे
			कन्या..	21-20 बजे
			तुला	00-25 बजे
			वृश्चिक	02-36 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:01 से 12:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:52 - 08:14	शुभ	रोग.	17:56 - 19:36	अशुभ
लाभ.	08:14 - 09:38	शुभ	काल.	19:36 - 21:12	अशुभ
अमृत.	09:38 - 11:01	शुभ	लाभ	21:12 - 22:48	शुभ
काल.	11:01 - 12:25	अशुभ	उत्पात	22:48 - 00:25	अशुभ
शुभ.	12:25 - 13:48	शुभ	शुभ	00:25 - 02:01	शुभ
रोग	13:48 - 15:12	अशुभ	अमृत	02:01 - 03:38	शुभ
उत्पात	15:12 - 16:35	अशुभ	चंचल	03:38 - 05:14	शुभ
चंचल	16:35 - 17:56	शुभ	रोग	05:14 - 06:52	अशुभ

बजट में खेती, किसानों सहित बुनियादी ढांचे पर फोकस करेगी सरकार

पिछले साल से 15 फीसदी होगा ज्यादा

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी 2023 को बजट (बजट 2023) पेश करने जा रही हैं। वहीं, एक विदेशी ब्रोकरेज कंपनी ने इस बजट को लेकर अपने विचार व्यक्त किए हैं। कंपनी का कहना है कि भारत में यह बजट किसानों, खेती बाड़ी, ग्रामीण और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित होगा। साथ ही इस बजट में अगले साल होने वाले आम चुनाव (लोकसभा चुनाव 2024) को ध्यान में रखा जाएगा, यह आगामी आम बजट मौजूदा सरकार का अंतिम पूर्ण बजट होगा।

जानिए कंपनी ने क्या कहा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विदेशी ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस इंडिया की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन का कहना है कि वर्ष 2024 के मध्य में देश में आम चुनाव होने जा रहे हैं।

आगामी बजट से ग्रामीण और कृषि पर खर्च में 10 अरब डॉलर का इजाफा होने की संभावना है। साथ ही पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में यह खर्च 15 फीसदी अधिक रहने का अनुमान है। जिसका असर यह चालू वित्त वर्ष 2022-23 में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में 20 प्रतिशत की वृद्धि को दोहरे अंकों में बनाए रखेगा। तन्वी का कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार के अपने चुनाव-उन्मुख बजट में राजकोषीय सीमाओं से परे जाने की कोई संभावना नहीं है और साथ ही उम्मीद की जा रही है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सब्सिडी का बोझ भी कम करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा सहित ग्रामीण आवास, सड़कें और कई अन्य मौजूदा ग्रामीण योजनाओं की मदद में धन को पुनः आवंटन करने के लिए अधिक राजकोषीय गुंजाइश बन जाएगी।

5.5 प्रतिशत रहेगी जीडीपी

उन्होंने यह भी कहा कि धीमी वैश्विक वृद्धि और मौद्रिक सख्ती के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में हल्की नरमी देखने को मिलेगी, साथ ही इस वर्ष अपेक्षित वैश्विक मंदी के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में नरमी आएगी। जिसका असर अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया जा रहा है। यह 6 प्रतिशत की आम राय की वृद्धि दर की तुलना में कम है।

औद्योगिक उत्पादन देश में नवंबर में 7.1 फीसदी बढ़ा कारोबार

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। देश के औद्योगिक विकास से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। देश का औद्योगिक उत्पादन पिछले साल नवंबर 2022 में 7.1 प्रतिशत बढ़ा है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडेक्शन के अनुसार, नवंबर महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में शानदार बढ़त हासिल हुई है, वही इससे पहले अक्टूबर माह 2022 में देश के औद्योगिक उत्पादन में 4 फीसदी की गिरावट आई थी। केंद्र सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने ये आंकड़े गुरुवार (12 जनवरी 2023) को जारी कर दिए हैं। देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर 2022 में 7.1 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले, अक्टूबर माह में इसमें गिरावट आई थी। आधिकारिक आकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक नवंबर, 2021 में 1 प्रतिशत बढ़ा था। विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन नवंबर, 2022 में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ) — अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो) — इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा) — आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा। अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो) — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे। बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

तुला (स री रु रे से ता तू ते) — आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू) — आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा।

मकर (भे जे जी खी खू खे खो गा गी) — आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं। एक साठ वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची) — आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सेंसेक्स 147 अंक गिरकर 59,958 पर बंद निफ्टी 32 अंक टूटा; रिलायंस टॉप लूजर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (12 जनवरी) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 147 अंकों की गिरावट के साथ 59,958 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 32 अंक फिसलकर 17,863 पर आ गया। लगातार तीसरे दिन बाजार में यह गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में गिरावट रही। वहीं 15 शेयरों में ही तेजी देखने को मिली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ,

अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एलटी डॉ रेड्डी, सिप्ला, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाजा ऑटो समेत निफ्टी-50 के 25 शेयरों में तेजी रही। वहीं डिविस लैब, रिलायंस, बीपीसीएल, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, भारती एयरटेल समेत निफ्टी के 25 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में गिरावट देखने को मिली। ऑटो, आईटी, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में मामूली तेजी रही। वहीं बैंक, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, फार्मा और मेटल सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली है।

बिग-सी की 20वीं वार्षिक योजना के लॉकी ड्रा विजेताओं के नामों की घोषणा करते हुए निदेशक जी. बालाजी रेड्डी।

पांच हजार करोड़ की धोखाधड़ी मामले में मुंबई की कंपनी के खिलाफ केस दर्ज,बीओबी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सीबीआई के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके चार निदेशकों व गारंटरों के खिलाफ बैंक से धोखाधड़ी मामले में केस दर्ज कराया गया है। सीबीआई के अनुसार उनपर बैंक ऑफ बड़ौदा के नेतृत्व वाले 17 बैंकों के कंसोर्टियम को 4,957 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, कंपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास कार्य जैसे डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और निष्पादन/कॉम्प्लेक्स का निर्माण, एकीकृत जल संचरण, वितरण परियोजनाएं, जल उपचार संयंत्र, बड़े पैमाने पर आवास परियोजनाएं, प्रीकास्ट डिजाइन और निर्माण, सड़क निर्माण और शहरी बुनियादी ढांचा निर्माण कार्यों से जुड़ी थी। अधिकारियों के अनुसार आरोपियों पर कर्ज लेने वाली कंपनी से संबंधित पक्षों और सहायक कंपनियों को भारी मात्रा में पैसा दिया और बाद में कंपनी ने इन अग्रिमों को बट्टा खाते में डाल दिया। वहीं दूसरी ओर, पंजाब नेशनल बैंक की ओर से की गई एक शिकायत के आधार पर केंद्रीय एजेंसी ने मुंबई स्थित वाडराज सीमेंट लिमिटेड, अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। उनपर 10 बैंकों के समूह से 1688.41 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है।

वैगनर ग्रुप प्रमुख के बढ़ते प्रभाव से घबराए पुतिन!

यूक्रेन से अपने टॉप कमांडर को हटाया

मॉस्को, 12 जनवरी (एजेंसियां)। रूस यूक्रेन युद्ध को छिड़े करीब एक साल होने वाला है लेकिन रूस को यूक्रेन में आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिल पाई है। यही वजह है कि रूस में ही रूसी नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रूस के भाड़े के सैनिकों के समूह वैगनर ग्रुप के संस्थापक येवगेनी प्रिगोझिन यूक्रेन युद्ध के दौरान काफी ताकतवर होकर उभरे हैं। अब ऐसा लग रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शायद येवगेनी प्रिगोझिन के बढ़ते प्रभाव से दबाव में हैं। साथ ही रूस में सत्ता को लेकर गुटबाजी भी तेज होने के कयास लगाए जा रहे हैं। पुतिन के हालिया फैसले से भी इन कयासों को बल मिल रहा है। दरअसल व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में अपने टॉप कमांडर सर्गेई सुरोविकिन को पद से हटा दिया है।

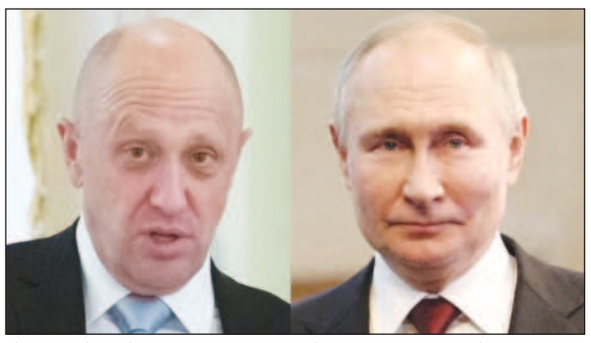

रूस में बढ़ती गुटबाजी!

यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र पर अक्टूबर में हुए भारी हमलों के पीछे भी सुरोविकिन का हाथ था। हालांकि उन्हीं के नेतृत्व में रूस को खेरसान से पीछे हटना पड़ा था। कई रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि यूक्रेन में रूस के टॉप कमांडर के रूप में सर्गेई सुरोविकिन की ताकत काफी बढ़ गई थी। सर्गेई इतना ताकतवर हो गए थे कि वह रक्षा मंत्रालय और रूसी सेना के जनरल को दरकिनार कर सीधे राष्ट्रपति पुतिन से बात कर रहे थे। ऐसे में माना जा रहा है कि सर्गेई को पद से हटाने के पीछे उनके नेतृत्व में यूक्रेन में आशातीत सफलता ना मिलने के साथ ही रूस की सत्ता में उनका ताकतवर होकर उभरना भी एक बड़ी वजह रही।

येवेगनी प्रिगोझिन से घबराए पुतिन!

सर्गेई सुरोविकिन की जगह जनरल गेरासिमोव को यूक्रेन कब्जाने की जिम्मेदारी दी गई है। यह बदलाव ऐसे समय में देखने को मिला है, जब रूस ने यूक्रेन के नमक की खदानों वाले शहर सोलेदार पर कब्जा करने का दावा किया है। खास बात ये है कि बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस के भाड़े के सैनिकों के संगठन वैगनर ग्रुप प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने सोलेदार की जीत के बाद दावा किया है कि सोलेदार पर कब्जा करने में सिर्फ उनके वैगनर ग्रुप की भूमिका है। जिसके बाद रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर येवगेनी प्रिगोझिन के उस दावे को खारिज कर दिया कि सोलेदार पर कब्जे में सिर्फ वैगनर ग्रुप की भूमिका है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ही रूस द्वारा यूक्रेन में रूसी सेना के टॉप कमांडर सर्गेई सुरोविकिन को हटाने की खबर सामने आई है। व्लादिमीर पुतिन के रसोइए के रूप में पहचान रखने वाले येवगेनी प्रिगोझिन को रूस की सत्ता का अगला दावेदार माना जा रहा है। हाल के सालों में वह बेहद ताकतवर होकर उभरे हैं। येवगेनी प्रिगोझिन की बढ़ती ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर वह रूसी नेतृत्व पर ही सवाल उठा रहे हैं।

बिहार के मंत्री पर भड़के कुमार विश्वास

दूसरे धर्म के ग्रंथ पर टिप्पणी करने की दी चुनौती

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव की रामचरित मानस पर विवादास्पद टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया है। आरजेडी नेता के इस बयान का कड़ा विरोध हो रहा है। अब प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ने भी बिहार के मंत्री चंद्रशेखर की टिप्पणी का विरोध किया है। उन्होंने चंद्रशेखर को दूसरे धर्म के पवित्र ग्रंथों के बारे में भी ऐसी ही टिप्पणी करने की चुनौती दी है। कुमार विश्वास ने सीएम नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव से चंद्रशेखर यादव को मंत्री पद से हटाने की मांग की है। मीडिया से बात करते हुए कुमार विश्वास ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक प्रदेश के शिक्षा मंत्री राम कथा को विद्वेष और जहर फैलाने वाला बताएं। सीएम नीतीश कुमार का मैं आदर करता हूं, तेजस्वी मेरे भाई जैसे हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि ऐसे व्यक्ति को संगठन और सरकार से बाहर करें और माफी मांगने के लिए कहें।

अमेरिका में बढ़ी भारतीयों की धमक

समोसा कॉकस के सदस्यों की संख्या हुई पांच

वॉशिंगटन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अमेरिकी सांसदों का एक अनौपचारिक ग्रुप है, जिसे समोसा कॉकस के नाम से जाना जाता है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के बढ़ते प्रभाव का ही असर है कि इस समोसा कॉकस का लगातार विस्तार हो रहा है। बता दें कि समोसा कॉकस यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स या फिर सीनेट में चुने गए डेमोक्रेटिक सांसदों का समूह है। अब इसमें एंटरप्रेन्योर से राजनेता बने श्री थानेदार ने नई एंट्री ली है। श्री थानेदार ने बीते साल के अंत में अमेरिका में हुए मिडटर्म चुनाव में जीत हासिल यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के सदस्य बने थे। पहले इस समोसा कॉकस में डेमोक्रेटिक सांसद डॉ. एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और राजा कृष्णमूर्ति शामिल हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों का समुदाय एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है। बीते राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टियों ने भारतीय मूल के लोगों को रिझाने के लिए काफी कवायद की थी। खासकर फ्लोरिडा, जोर्जिया, मिशिगन, नॉर्थ कैरोलिना, पेनसिल्वेनिया और टेक्सास में भारतीय समुदाय काफी प्रभावशाली है। अमेरिका समाज में भारतीय समुदाय तकनीक, विज्ञान, मेडिसिन और सैन्य क्षेत्र में तेजी से उभरा है।

कई भारतीय मूल के लोग दिग्गज कंपनियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, आईएमबी, मास्टरकार्ड में सीईओ का पद संभाल रहे हैं। साल 2010 में हुई जनगणना के मुताबिक 25 साल से ज्यादा उम्र के 70 फीसदी भारतीय अमेरिकी लोग कॉलेज डिग्रीधारक हैं, जो कि अमेरिका के राष्ट्रीय औसत से ढाई गुना ज्यादा है। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारतीय अमेरिकी समुदाय देश का सबसे तेजी से तरक्की करने वाला समुदाय है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 40 लाख से ज्यादा है और अमेरिकी संसद में भी भारतीय मूल के लोगों का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है। कमला हैरिस अमेरिका की सीनेट में शामिल होने वाली पहली भारतीय अमेरिकी महिला हैं। साल 2020 में कमला हैरिस ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचकर इतिहास रच दिया है।

क्या कांग्रेस का आमंत्रण स्वीकार करेंगे अखिलेश?

कश्मीर कार्यक्रम को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को कांग्रेस ने एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए न्योता भेजा है। अखिलेश यादव ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कांग्रेस का निमंत्रण आया है, पार्टी के साथ चर्चा के बाद फैसला करेंगे कि वह इसमें शामिल होंगे या नहीं।

21 राजनीतिक दलों किया गया है आमंत्रित

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन श्रीनगर में 30 जनवरी को होना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने समापन समारोह में 21 राजनीतिक दलों को न्योता भेजा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कई नेताओं की उपस्थिति इस यात्रा को के सत्य, करुणा और अहिंसा के संदेश को मजबूत करेगी।

इन नेताओं को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि अब मैं आपको व्यक्तिगत रूप से 30 जनवरी को दोपहर में श्रीनगर में आयोजित होने वाली भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। यह समारोह महात्मा गांधी की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने इस दिन के नफरत और हिंसा खिलाफ अपने संघर्ष में अपना जीवन खो दिया था।

केसीआर की रैली में होंगे शामिल, भारत जोड़ो यात्रा को लेकर बोले- विचार करेंगे

विवेकानंद जयंती पर मुलायम सिंह यादव के नाम पर नए साल का कैलेंडर जारी करते हुए अखिलेश यादव से जब पूछा गया कि क्या उन्हें तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की रैली का निमंत्रण मिला है ?

इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि हां उन्हें बुलाया गया है और वे शामिल होंगे। साथ ही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के सवाल पर सवाल किया गया तो उन्होने जवाब दिया कि निमंत्रण मिला है, पार्टी के नेताओं के साथ विचार कर इस पर फैसला किया जाएगा। इससे पहले भी अखिलेश यादव को भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश पहुंचने पर कांग्रेस ने न्योता भेजा था। अखिलेश यादव ने कांग्रेस का न्योता स्वीकार नहीं किया था।

योगी सरकार ने मुगल म्यूजियम को किया शिवाजी म्यूजियम

आगरा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा मंडल के सांसद, विधायकों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने पर सहमति दी। लेकिन, तीन साल से उनके स्मारक के लिए न तो काम हुआ और न ही उनके नाम पर बनाये जा रहे शिवाजी म्यूजियम को ही पैसा जारी किया गया। तीन साल पहले योगी सरकार ने ताजमहल पूर्वी गेट पर शिल्पग्राम के आगे बनाए जा रहे मुगल म्यूजियम का नाम बदलकर शिवाजी म्यूजियम कर दिया था। लेकिन, इसे पूरा करने के लिए जरूरी 90 करोड़ रुपये जारी नहीं किए। तीन साल से म्यूजियम में एक ईंट भी नहीं लगी। वहीं कोठी मीना बाजार मैदान पर प्रस्तावित शिवाजी महाराज के स्मारक का काम भी सर्वे से आगे नहीं बढ़ा। सपा सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ताजमहल पूर्वी गेट पर मुगल म्यूजियम का शिलान्यास जनवरी 2016 में किया था।

रूस का दावा- सोलेडार शहर पर हमारा कब्जा

कहा- हमने 500 यूक्रेनी सैनिक मारे, यूक्रेन ने दावे खारिज किए, बोला- लड़ाई जारी है

कीव, 12 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के पश्चिमी इलाके डोनेटेस्क में सोलेडार नाम का एक छोटा कस्बा है। रूस की प्राइवेट मिलिट्री वैगनर ग्रुप ने दावा किया है कि उसने इस कस्बे पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैगनर कई हफ्तों से इसे कब्जाने के लिए मशक्कत कर रहा था। पुतिन के शेफ कहे जाने वाले और वैगनर ग्रुप के हेड येवगेनी प्रिगोजिन ने सोलेडार की एक नमक की खदान से फोटो शेयर की है। उसने दावा किया है उसके लड़ाकों ने 500 यूक्रेनी सैनिकों को मारकर कस्बे को जीत लिया है।

यूक्रेन ने दावे को खारिज किया

वहीं यूक्रेन ने वैगनर के इस दावे को चुनौती दी है। राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने कहा है कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। यूक्रेन के सैनिक डटकर दुश्मनों का सामना कर रहे हैं। यूक्रेन ने सोलेडार में 100 रूसी सैनिकों को मारने का दावा किया है।

रूस लगातार यूक्रेन के जीते हुए शहरों को अब हारता जा रहा है। ऐसे में रूस अपने अधिकारियों से अपील कर रहा है कि यूक्रेन का कोई भी नया हिस्सा जीतने की घोषणा करने में जल्दबाजी न बरतें। अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि सोलेडार में कभी यूक्रेन को बढ़त मिलती है तो कभी रूस को। ये कस्बा दोनों देशों के कब्जे में रह चुका है। ऑस्टिन के मुताबिक सोलेडार में बहुत खतरनाक लड़ाई होती है। एफपी को एक घायल यूक्रेनी सैनिक ने बताया कि उनकी ब्रिगेड ने अब तक जितनी भी खूंखार लड़ाईयां लड़ी हैं उनमें सबसे खतरनाक सोलेडार की है। वहीं एक दूसरे सैनिक ने कहा कि लड़ाई में कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है।

वैगनर सोलेडार जीतने को उतारू क्यों

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोमवार को एक भाषण में बताया था कि सोलोडार पूरी तरह से तबाह हो चुका है वहां न के बराबर जिंदगी बची है। सोलोडार का पूरा इलाका लाशों से भरा है। पागलपन ऐसा ही दिखाई देता है। जेलेंस्की के इस बयान से अंदाजा लगाया जा सकता है कि रूस सोलोडार को जीतने के लिए किस हद तक जा रहा है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक बाखमुत को दोबारा हासिल करने के लिए सोलोडार पर रूस का कब्जा जरूरी है।

सोलोडार का मतलब गिफ्ट ऑफ सॉल्ट यानी नमक का तोहफा होता है। युद्ध से पहले यूक्रेन का 90 फीसदी नमक यहीं से आता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैगनर ग्रुप जहां भी रूस के लिए लड़ाई करता है वहां अपने लिए भी कुछ फायदा ढूंढ़ता है। सोलोडार में सिर्फ नमक ही नहीं बल्कि एलबास्टर, सिरामिक के लिए कीमत चिकनी मिट्टी और कोयला भी है। जिस पर वैगनर ग्रुप के लिए येवगेनी प्रिगोजिन की नजर है।

आईएसआईएस-के ने ली काबुल सुसाइड अटैक की जिम्मेदारी

अस्पताल के किचन-कैंटीन में हुआ घायलों का इलाज, 20 की मौत

काबुल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए सुसाइड बॉम्ब अटैक की जिम्मेदारी आईएसआईएस-के ने ली है। आईएसआईएस-खुरासान ने दावा किया है कि धमाके में 20 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, तालिबान मरने वालों की अलग-अलग संख्या बता रहा है। काबुल के पुलिस विभाग के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा है कि हमले में 5 नागरिकों की मौत हुई है, वहीं तालिबान के सूचना मंत्रालय में अधिकारी उस्ताद फरीदुन ने 20 लोगों के मारे जाने की बात कही है।

धमाके में घायल 40 से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अस्पताल के डायरेक्टर स्टेफानो सूजा ने बताया कि घायलों का इलाज करने के लिए उन्हें किचन और कैंटीन में भी बेड लगाने पड़े।

तालिबान को दुश्मन मानता है आईएसआईएस-खुरासान

आईएसआईएस-खुरासान की अमाक न्यूज एजेंसी ने टेलीग्राम पर बताया कि उनके हमलावर ने विदेश मंत्रालय के एंट्री गेट के पास जाकर खुद को उड़ा लिया। उस समय वहां बड़ी संख्या में तालिबानी कर्मचारी मौजूद थे। आईएसआईएस-खुरासान आतंकी संगठन आईएसआईएस का सहयोगी संगठन है। यह अफगानिस्तान में काम करता है और तालिबान को अपना दुश्मन मानता है। धमाके के समय न्यूज एजेंसी एएफपी की टीम मंत्रालय के बगल वाली बिल्डिंग में एक इंटरव्यू ले रही थी। उनके ड्राइवर जमशेद करीमी बाहर खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। उन्होंने बताया- एक शख्स मेरे आगे से निकलकर गया था। उसके कंधे पर राइफल थी और हाथ में एक बैग था। कुछ ही सेकंड बाद मैंने देखा कि उस शख्स ने खुद को उड़ा लिया और एक जोरदार धमाका हुआ।

तालिबान हमले में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बता रहा है। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा है कि हमले में 5 नागरिकों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। वहीं तालिबान के सूचना मंत्रालय में अधिकारी उस्ताद फरीदुन ने 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हमलावर मंत्रालय ऑफिस के अंदर घुसना चाहता था लेकिन सफल नहीं हो पाया।

हाई सिक्योरिटी एरिया में हुआ था ब्लास्ट

सुसाइड अटैक काबुल के जानबाक इलाके में शाम 4 बजे हुआ। काबुल की अमेरिकन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर औबैदुल्लाह बहीर ने बताया कि जहां ब्लास्ट हुआ वह एक हाई-सिक्योरिटी एरिया था। वहां जाने के लिए विशेष डॉक्यूमेंट चाहिए होते हैं। फिर भी हमलावर वहां तक पहुंचा और ब्लास्ट को अंजाम दिया।

सिलेंडर फटने से घर में जिंदा जला परिवार

रात में गैस लीक, सुबह चाय बनाने को आग जलाई तो धमाका, पति-पत्नी और 4 बच्चों की मौत

पानीपत, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पानीपत के तहसील कैंप में राधा फैक्ट्री के पास गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक घर में गैस सिलेंडर लीक हो गया। जिससे पूरा घर आग की चपेट में आ गया। उस वक्त घर के अंदर पति-पत्नी और 4 बच्चे मौजूद थे। पता चला है कि जिस वक्त गैस सिलेंडर में आग लगी, वह खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे।

आग इतनी तेजी से फैली कि सभी बैड पर पड़े ही कंकाल हो गए। उन्हें अंदर से बाहर निकलने या शोर मचाने तक का मौका नहीं मिला। हादसे का पता चलते ही वहां कोहराम मच गया। जब तक पड़ोसी वहां पहुंचे, तब तक सब कुछ जलकर खाक हो चुका था। पुलिस मौके पर पहुंचकर पूरी घटना की जांच कर रही है।

शुरूआती जांच के बाद एसपी शशांक कुमार सावन ने कहा कि हादसा सिलेंडर फटने से नहीं बल्कि लीकेज से हुआ है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौके पर फॉरेंसिक टीमें बुला ली गई हैं।

सुबह चाय बनाने के लिए आग जलाई तो धमाका हो गया

डीएसपी मुख्यालय धर्मबीर खर्ब ने बताया कि सिलेंडर से गैस लीकेज हुई है। जैसे ही उन्होंने चाय बनाने के लिए आग जलाने की कोशिश की तो धमाके से आग लग गई। जिससे पूरे कमरे में आग फैल गई। इससे अंदर घुटन हो गई और सबकी मौत हो गई।

मृतक वेस्ट बंगाल के रहने वाले

मृतकों में पति-पत्नी और 4 बच्चे थे। बच्चों में 2 लड़कियां और 2 लड़के हैं। मृतकों की पहचान अब्दुल करीम (50), उसकी पत्नी अफरोजा (46), बड़ी बेटी इशरत खातुन (17-18), रेशमा (16), अब्दुल शकूर(10) और अफान (7) के रूप में हुई है। यह वेस्ट बंगाल के उत्तर दिनाजपुर के रहने वाले थे। अभी परिवार परशुराम कॉलोनी, केसी चौक, गली नंबर 4 में रह रहा था।

हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहीं, हादसे का पता लगने पर पुलिस, दमकल समेत तमाम टीमें मौके पर पहुंच गई। इस दौरान देखा कि सभी जिंदा जल कर कोयला बन चुके थे। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है। किसी को भी घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पूरे हादसे की जांच की जा रही है कि इनमें से कोई भी जिंदा क्यों नहीं बच सका? वहीं वह सारे पूरी तरह कैसे जिंदा जलकर राख हो गए।

पश्चिम बंगाल में बीड़ी फैक्ट्री पर इनकम टैक्स की रेड

कोलकाता-मुर्शिदाबाद में दो दर्जन जगहों पर छापे टीएमसी विधायक की फैक्ट्री-घर से मिले 11 करोड़

मुर्शिदाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इंकम टैक्स डिपार्टमेंट ने पश्चिम बंगाल में एक राजनेता और कुछ दूसरे लोगों के ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान करीब 11 करोड़ रुपए बरामद किए गए। बुधवार को कोलकाता और मुर्शिदाबाद में करीब दो दर्जन जगहों पर कार्रवाई हुई। इसमें ज्यादातद बीड़ी बनाने की फैक्ट्री और दूसरे व्यवसाय शामिल थे।

टीएमसी विधायक है फैक्ट्री का मालिक

आयकर विभाग की कार्रवाई बुधवार सुबह शुरू हुई। छापेमारी के दौरान पूर्व मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक जाकिर हुसैन के घर और कारखाने से लगभग 11 करोड़ नकद जब्त किए। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह 3:30 बजे तक जारी रही। पूर्व मंत्री के मुर्शिदाबाद वाले घर, बीड़ी फैक्ट्री और तेल मिलों पर भी छापा मारा गया। हुसैन मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर से टीएमसी विधायक हैं। वे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार में पूर्व कनिष्ठ श्रम मंत्री रह चुके हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हुसैन के घर से लगभग 1 करोड़ जब्त किए गए थे, जबकि उनके राइस फ्लोर मिल से लगभग 10 करोड़ जब्त किए गए। हालांकि बीड़ी कारखाने और कई मिलों के मालिक हुसैन का दावा है कि उनके पास दस्तावेज हैं। यह पैसा उनके कारखाने और मिलों में काम करने वाले मजदूरों को दिया जाना था। जाकिर ने कहा 7,000 मजदूर काम करते हैं। उन्हें पैसा देना था। मेरे घर और मिलों से जो पैसा जब्त किया गया, वह मजदूरों और किसानों को दिया जाना था। हमने उन्हें दस्तावेज दिखाए लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। सुरक्षा कारणों से हमें कभी-कभी नकदी को घर पर रखने की आवश्यकता होती है।

'सीएम पद की उम्मीदवारी पर चर्चा फिलहाल ठीक नहीं'

कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की सख्ती के बाद थरूर का बयान

तिरुवनंतपुरम, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को सीएम पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में उनकी उम्मीदवारी को लेकर की जा रहीं चर्चाएं अप्रासंगिक हैं। थरूर ने कहा कि राज्य में तीन साल बाद विधानसभा चुनाव होना है और वर्तमान में केरल में एक मुख्यमंत्री और बहुमत के साथ चुनी गई सरकार है।

राज्य के प्रभावशाली धार्मिक और सामुदायिक नेताओं से मुलाकातों को लेकर कांग्रेस पार्टी के भीतर असंतोष की खबरों के बीच शशि थरूर ने यह भी साफ कर दिया है कि उन्होंने कभी भी राज्य के किसी भी धार्मिक नेता से मिलने के लिए इच्छा नहीं जताई थी। इस दौरान उन्होंने यह जरूर स्वीकार किया कि हाल ही में राज्य के कुछ धार्मिक और सामुदायिक नेताओं ने उनसे मुलाकात की है। जिन्होंने उनसे मुलाकात

की, उन्होंने खुद फोन करके मुझसे मिलने की इच्छा जताई थी।

क्या बोले शशि थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि 'मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मीडिया अब मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के बारे में चर्चा क्यों कर रही हैं। मैंने शुरू से ही स्पष्ट कर दिया है कि इस तरह की चर्चा की फिलहाल कोई प्रासंगिकता नहीं है। आपको 2026 तक इंतजार करना होगा।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव तीन साल दूर हैं। पहले 2024 में लोकसभा चुनाव हैं। विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी और जनता तय करेगी कि क्या करना है।

हालांकि बड़ा संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक प्रतिनिधि के रूप में हमें हर चीज के लिए तैयार रहना होगा। हाल के दिनों में कुछ धार्मिक और समुदाय के नेताओं से मिलने के बारे में पार्टी के भीतर की आलोचनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह हमेशा सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखते हैं। जब कोई उनसे मिलने और बैठक के लिए आमंत्रित करेगा तो वह उसे ना नहीं कहेंगे।

पति जेल ना जाए, इसलिए देवर से संबंध बनाने पड़े

बहनोई संग हलाला से मना किया तो तलाक दिया, ये कैसा तीन तलाक कानून

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 12 जनवरी। तीन तलाक कानून बने तीन साल हो गए, लेकिन इस तरह के तलाक खत्म नहीं हो रहे। पति को जेल जाने से बचाने के लिए महिलाओं को कभी देवर से हलाला करना पड़ रहा, तो कभी बहनोई से। इसके बाद भी उनका शौहर उन्हें रखने को तैयार नहीं है। कई महिलाओं का हाल आधी विधवाओं की तरह हो गया है। ना वे पति के साथ रह सकती हैं, ना ही उन्हें कोई मेंटेनेंस मिल रहा।

''18 साल की थी जब मेरा निकाह हुआ। दो-तीन महीने बाद ही शौहर गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। सब्जी में नमक कम हुआ तो पिटाई, मिर्च ज्यादा हो गया तो पिटाई। ना मुझे मायके जाने दिया जाता, ना मेरे घर वालों को यहां आने देते। ऐसा लग रहा था जैसे मारपीट ही नाश्ता हो, मारपीट ही खाना हो। फिर भी मैं सहती रही।

इस तरह अठारह महीने गुजर गए। एक दिन शौहर ने तलाक, तलाक, तलाक बोलकर घर से निकाल दिया। तब बेटी सिर्फ 7 महीने की थी। मैं रोई-गिड़गिड़ाई तो कहा कि अब तुम्हारा हलाला होगा, तभी मेरे साथ रह सकती हो।

रिश्ता बचाने के लिए मैं हलाला के लिए राजी हो गई। शौहर ने देवर को बुलाया और कहा कि इससे तुम हलाला करो।

जिस रात देवर ने मुझसे संबंध बनाए, मैं बहुत रोई। बहुत गंदा महसूस हुआ। खुद से घिन आने लगी। ना किसी से बात करती, ना खाना खा पाती, लेकिन क्या करती। रिश्ता बचाने का यही एक रास्ता था। तीन महीने तक देवर का जुल्म सहती रही।

मार्च, 2017 में शौहर से दोबारा निकाह हुआ। मैं खुश थी कि अब सब ठीक हो जाएगा, लेकिन वे और ज्यादा मारपीट करने लगे। सास से शिकायत करती तो वे कहतीं कि कोई बात नहीं, मर्द तो पीटते ही हैं। इधर बेटी भी बड़ी हो रही थी। उसके लिए मैं हर दिन मार-पीट झेलती रही।

दो साल बाद वे मुझ पर दहेज के लिए दबाव बनाने लगे। उन्होंने कहा कि अपने अब्बू से पैसे मांगो। मैंने पहले समझाया कि वे पहले से कर्ज में दबे हैं। पैसे नहीं दे पाएंगे। इस पर एक दिन शौहर ने फिर से तलाक दे दिया।

मैंने मायके जाने की कोशिश की तो जाने नहीं दिया। उन्हें लगा कहीं वहां जाकर पुलिस से शिकायत ना कर दे। शौहर ने कहा कि फिर से छोटे भाई के साथ हलाला करो। तब मैं तुम्हें रखूंगा। मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं था। देवर तीन महीने तक मेरे साथ संबंध बनाता रहा। इसके बाद शौहर से निकाह तो हुआ, लेकिन मुझे तत्काल मायके भेज दिया गया।

कुछ दिन मायके में रहने के बाद पति के पास जाना चाही तो मना कर दिया। मैं रोज-रोज आने की बात कहने लगी तो एक दिन फोन पर तलाक, तलाक, तलाक बोल दिया। मैं तो सन्न रह गई। मेरे हाथ से फोन गिर गया। रोते हुए दोबारा फोन किया तो अपने बहनोई के साथ हलाला करने को बोलने लगे।

मैं चिढ़ गई, मैंने झल्लाते हुए कहा कि बार-बार मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हो। इस पर उन्होंने कहा तुम हो ही इस लायक, तुम्हें रहना है तो ऐसे ही रहना होगा मेरे साथ। मैं तुम्हें बीवी नहीं मानता।''

ये कहानी है यूपी के रायबरेली की रहने वाली रजिया बानो की। बार-बार पति के तलाक से परेशान होकर 26 साल की रजिया ने पति के खिलाफ केस किया।

आठ दिन तक लगातार थाने जाती रही। तब जाकर पुलिस ने उनके पति को गिरफ्तार किया। पिछले 8 महीने से पति जेल में है। रजिया के पास कोई सोर्स ऑफ इनकम नहीं है। अपने पिता के साथ जैसे-तैसे गुजारा कर रही हैं।

दूसरा किस्सा रायबरेली से 571 किमी. बुलंदशहर का। यहां 38 साल की शोएबा अपने 17 साल की बेटी के साथ रहती हैं।

18 साल पहले शोएबा का निकाह मेरठ के नासीर अंसारी से हुआ था। उनके पति ने फोन पर तलाक तलाक तलाक बोलकर दूसरी शादी कर ली। शोएबा पिछले आठ महीने से थाने का चक्कर काट रही हैं। ना पति पर कोई कार्रवाई हुई ना कोई केस दर्ज हुआ।

शोएबा कहती हैं, 'ससुराल में तीन-चार महीने सब ठीक रहा। शौहर हिमाचल के धर्मशाला में रहते थे और मैं मेरठ। ना कभी वे यहां आते ना मुझे अपने पास बुलाते। 6-6 महीने फोन पर बात

नहीं करते थे। एक बार जिद करके देवर के साथ मैं धर्मशाला गई तो मुझसे लड़ाई-झगड़ा करने लगे। बेटी को इतना गंदा-गंदा बोला कि मैं बता भी नहीं सकती। 9वें दिन मां-बेटी को एक नदी किनारे छोड़कर चले गए।

अभी कुछ दिन पहले की बात है। बेटी ने उनके वॉट्सऐप पर नई औरत के साथ डीपी देखी। उसने स्क्रीनशॉट लेकर मुझे भी दिखाया।

पहले तो मुझे भरोसा नहीं हुआ। काफी देर तक सोचती रही, रोती रही। फिर उन्हें कॉल किया। मेरी आवाज सुनते ही उधर से तलाक तलाक तलाक बोल दिया। आप ही बताइए इस उम्र में सयानी बेटी लेकर मैं कहां जाऊं। बड़ी बहन के पति ने भी तलाक देकर छोड़ दिया।

छोटी बहन का पति मर गया। अब तो लोग भी मुझे गलत नजरों से देखते हैं। ताने देते हैं। पुलिस के पास गई, लेकिन 8 महीने से कोई कार्रवाई तो दूर, एक बार भी पति से पूछताछ तक नहीं हुई। बताइए किससे मदद मांगूं?''

हिमाचल में रहने वाले शोएबा के पति से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

बुलंदशहर की एएसपी आकृति शर्मा ने कहा कि मैं केस की स्टडी करने के बाद आपको फोन पर बता दूंगी।

अगले दिन जब मैंने फोन किया तो उन्होंने कहा कि थोड़ी देर से मैं आपको अपडेट कर रही हूं। इसके बाद मैंने उन्हें कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने कोई रिप्लाई नहीं दिया।

मेरी अगली मुलाकात उत्तर प्रदेश के मेरठ की रहने वाली आशफिया से हुई। आशफिया का निकाह दो साल पहले हुआ था। उनका शौहर कानून के डर से खुद तलाक नहीं दे रहा। वह आशफिया के साथ बर्बर व्यवहार करता है, ताकि वो तलाक दे दे।

आशफिया कहती हैं, 'शौहर ने कई बार मुझसे कहा तलाक दे दो। शुरुआत में मैंने उनकी बातों को हल्के में लिया।

बाद में वे पिटाई करने लगे। इसके बाद भी जब मैं तलाक देने पर राजी नहीं हुई, तो हाथ-पैर बांधकर पीटा। मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। गले में फंदा डालकर मारने की भी कोशिश की। इसके बाद मरा समझकर छोड़ गए।

मैंने पंचायत बुलाई। जिसमें पति ने मेरे घरवालों से माफी मांगी, और कहा कि वे अच्छे से रहेंगे। कुछ दिन बाद वे घर से गायब रहने लगे। कभी आते भी तो कुछ देर बाद कोई बहाना बनाकर निकल जाते थे।

एक दिन रात में मैंने इसकी वजह पूछी तो उन्हें दो-तीन थप्पड़ जड़ दिए। मैं कुछ समझ पाती उससे पहले मेरा सिर अलमारी पर दे मारा। मैं लड़खड़ा कर गिर गई। वह लात-घूंसे बरसाने लगे। मैं जोर-जोर से चीखने लगी तो उन्होंने मेरे मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। हाथ-पैर बांधकर पूरे कमरे में घसीटा। गला दबाया।

मैं दो हफ्ते अस्पताल में भर्ती रही। सास-ससुर कोई हाल पूछने नहीं आया। पुलिस से भी मदद नहीं मिली।'

पुलिस के सामने या तो मुकर जाते हैं या समझौता कर लेते हैं

सुप्रीम कोर्ट ट्रिपल तलाक का केस लड़ने वाली वकील अर्चना पाठक कहती हैं, 'कानून बनने के बाद तीन तलाक के मामले घटे हैं, लेकिन बंद नहीं हुए हैं। मुस्लिम महिलाएं जागरूकता की कमी के चलते इसका इस्तेमाल नहीं कर पाती हैं।

अगर महिलाएं एफआईआर करवा देती हैं, तो पुरुष भाग जाते हैं। पुलिस भी उन्हें ढूढ़ने के लिए तुरंत एक्शन नहीं लेती है। तलाक के बाद जब आरोपी को पुलिस पकड़ लेती है तो वे मुकर जाते हैं या फिर थाने में समझौता कर लेते हैं।'

रात में तलाक और जेल से बचने को सुबह करा देते हैं हलाला: वुमन एक्टिविस्ट

मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाली डॉ. समीना बेगम भी तीन तलाक पीड़िता हैं। उन्होंने दो बार निकाह किया।

पहले पति ने दो साल और दूसरे पति ने 6 महीने बाद तलाक दे दिया। समीना ने 2012 में तीन तलाक और हलाला के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। तब से वे मुस्लिम महिलाओं के लिए काम कर रही हैं।

वे कहती हैं, 'ट्रिपल तलाक के केस लगातार आ रहे हैं। पहले पुरुष तलाक देते हैं और फिर जेल नहीं जाना पड़े इसलिए जबरन हलाला कराते हैं। अपनी इज्जत और बच्चों के लिए महिलाएं चुप रह जाती हैं। सौ में से एक महिला ही हलाला के खिलाफ बोल पाती है। महिलाओं का हाल आधी विधवा की तरह हो गया है। ना तो उनका कानूनन तलाक हो रहा ना ही उन्हें पति से कोई मेंटेनेंस मिल रहा।'

जेल जाने से बचने के लिए बिन तलाक दिए ही पत्नी को छोड़ देते हैं पति

एक साल पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि तीन तलाक कानून बनने के बाद तीन तलाक के मामलों में 80 फीसदी की कमी हुई है। हालांकि मुस्लिम एक्टिविस्ट इससे सहमत नहीं हैं।

हैदराबाद में शाहीन विमेंस रिसोर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन चलाने वाली जमीला एक मीडिया रिपोर्ट में कहती हैं, 'नए कानून के डर से मर्द बिना तलाक दिए ही महिलाओं को छोड़ दे रहे हैं। ताकि उन्हें जेल नहीं जाना पड़े।

हमने **हैदराबाद** में 2106 घरों का सर्वे किया, उनमें 683 घरों में शौहरों ने महिलाओं को बिना तलाक के छोड़ दिया था। ज्यादातर मामलों में पति का कुछ पता ही नहीं है कि वह कहां है।'

क्या है तीन तलाक कानून

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पास होने के बाद अगस्त 2019 में मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक कानून बन गया। इसके तहत प्रमुख प्रावधान किए गए हैं-

> तीन तलाक यानी तलाक-ए-बिद्दत को रद्द और गैर कानूनी घोषित किया गया।

> आरोपी को पुलिस बिना वारंट गिरफ्तार कर सकती है।

> तीन साल तक की सजा का प्रावधान।

> मजिस्ट्रेट आरोपी को जमानत दे सकता है, लेकिन जमानत तभी दी जाएगी, जब पीड़ित महिला का पक्ष सुना जाएगा।

> पीड़ित महिला पति से गुज़ारा भत्ते का दावा कर सकती है

सीएम भूपेश बघेल का बड़ा एक्शन

बीईओ को हटाने का निर्देश, भागवत कथा सुनने शिक्षकों को जारी किया था फरमान, मगरलोड तहसीलदार भी हटाए गए

धमतरी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। धमतरी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शिकायतों पर बड़ा एक्शन लिया है। एक ओर जहां उन्होंने मगरलोड तहसीलदार को हटाने के आदेश दिए, वहीं दूसरी तरफ बीईओ के निलंबन के निर्देश भी डीईओ को जारी कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, कुरूद में हो रहे भागवत कथा को सुनने का निर्देश बीईओ ने शिक्षकों को जारी किया था, जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री को समीक्षा बैठक के दौरान मिली। जिसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डीईओ को निर्देश दिया कि बीईओ को तत्काल हटा दें। इससे पहले मगरलोड तहसीलदार की शिकायत मुख्यमंत्री को मिली थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने तहसीलदार को हटाने का निर्देश दिया था। कुरूद में पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर द्वारा आयोजित जया किशोरी के भागवत कथा को सुनने के लिए बीईओ ने शिक्षकों को निर्देश जारी किया था।

ग्राम खिसोरा में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सीएम द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने की

जानकारी लेने पर सुनील नगारची ने अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि 50 साल का रिकॉर्ड मांगा जाता है, जो उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम सभा से प्रस्ताव कराकर आवेदन करें। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी कुरूद को निर्देशित करते हुए कहा कि नगारची जाति के आवेदन के निराकरण की जानकारी आज शाम को ही दें। उन्होंने शाम में जानकारी दी, लेकिन गुरुवार को सीएम ने सख्त एक्शन लेते हुए मगरलोड तहसीलदार को निलंबित करने के निर्देश जारी किए।

गुरुवार को सीएम भूपेश बघेल ने धमतरी जिले के सिहावा विधानसभा स्थित रेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कतों खासकर इस क्षेत्र में नगारची जाति के लोगों को आ रही समस्या की जानकारी ली। सीएम ने जाति प्रमाण पत्र बनाने और इसे रिव्यू करने के निर्देश दिए। स्कूलों में जाति प्रमाण बनाए जाने के मामले में पूछे जाने पर डीईओ ने बताया कि 66 हजार आवेदन में से लगभग 50 हजार प्रमाण पत्र बनाए जा चुके हैं। इस पर बचे हुए आवेदनों का निराकरण करने ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव कराने के निर्देश दिए।

जल संसाधन विभाग से सोंढुर में चल रहे मरम्मत कार्य की जानकारी लेने पर अधिकारी ने बताया कि लाइनिंग का काम मार्च तक पूरा हो जाएगा। हाट बाजार क्लीनिक योजना की समीक्षा करते हुए डीएमएफ मद से वाहनों की संख्या में वृद्धि एवं हाट बाजारों की संख्या में बढ़ोतरी करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए। बैठक में अधिकारियों से श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल योजना की भी जानकारी ली गई। कुम्भकार समाज के लिए नगरी क्षेत्र में ईंट बनाने और मिट्टी के सामान बनाने के लिए मिट्टी आरक्षित करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वन अधिकार पट्टा के बारे में पूछे जाने पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि 12 हजार व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टे बांटे गए हैं। नक्सल पीड़ित परिवारों की मीटिंग लेकर उनके आवास और आजीविका की व्यवस्था का कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश भी सीएम ने दिए। राम वन गमन पथ निर्माण के बीच आ रही मरार समाज के जमीन की अदला-बदली करने के निर्देश जारी किए गए।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 7 की मौत

चाईबासा से जमशेदपुर जा रहे थे 20 से ज्यादा मजदूर, 8 गंभीर

सरायकेला, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मजदूरों से भरी पिकअप पलटने से 7 लोगों की मौत हो गई है। 8 की हालत गंभीर बनी है। हादसा गुरुवार सुबह 7 बजे के करीब हुआ। राजनगर थाना क्षेत्र के खैरबनी गांव के पास पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है कि पिकअप की रफ्तार ज्यादा थी। इसकी वजह से ये मौतें हुई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हादसे पर दुख जताया है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पिकअप वैन में करीब 20 मजदूर सवार थे, जो चाईबासा से जमशेदपुर की ओर जा रहे थे। सभी घायलों को इलाज के लिए राजनगर सामुदायिक केंद्र लाया गया। मजदूरों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल राजनगर थाना पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। हादसे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख जताया है।

उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा है कि सरायकेला-खरसावां में सड़क हादसे में 7 लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत पीड़ादायक है।

'नक्सलियों पर हेलीकॉप्टर और ड्रोन से हमला'

माओवादी लीडर्स बोले- पीएलजीए पर किया एयर स्ट्राइक, अमित शाह के निर्देश पर की जा रही बमबारी

जगदलपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में माओवादियों ने प्रेस नोट जारी कर पुलिस फोर्स पर एयर स्ट्राइक करने का आरोप लगाया है। दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव गंगा ने प्रेस नोट के माध्यम से कहा कि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर पुलिस फोर्स ने नक्सलियों की पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) पार्टी पर हेलीकॉप्टर और ड्रोन से हवाई हमला किया है। हालांकि, इससे पार्टी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन अंदरूनी इलाके ग्रामीण खेत में जाने से डर रहे हैं।

माओवादी लीडर गंगा का कहना है कि, बुधवार 11 जनवरी को छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की पुलिस फोर्स हवाई हमला की है। बस्तर के पामेड़, किस्टाराम के सरहदी इलाकों में मेट्टागुड़ा, साकिलेर, रासापल्ली, कन्नेमर, बोतलंका समेत एर्रापाड़ गांव में जंगल पहाड़ी इलाके को निशाना बनाया गया है। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की पुलिस ने इन इलाकों पर ड्रोन से और हेलीकॉप्टर से बमबारी की है। गंगा ने कहा कि, पिछले कुछ दिनों से लगातार आसमान से गोला बारूद दागे जा रहे हैं। इससे पहले 15 अप्रैल 2022 में भी ड्रोन

हमला किया गया था।

माओवादी लीडर गंगा ने कहा कि, हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आए थे। उन्होंने घोषणा की थी कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले माओवादी पार्टी को जड़ से मिटा देंगे। इसी योजना के अंतर्गत 'घेरा डालो उन्मूलन करो' अभियान संचालित करते हुए पुलिस पीएलजीए, क्रांतिकारी कमेटी एवं जनता का सफाया करने की योजना बना रही है। केंद्र के निर्देश के अनुसार अफसर काम कर रहे हैं। माओवादियों का कहना है कि, बमबारी से इलाके की जनता खेत में काम करने नहीं जा पा रही है। दरअसल, बुधवार की देर शाम सीआरपीएफ आईजी ऑफिस की तरफ से एक बयान जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि, बुधवार को सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन की एक टुकड़ी हेलीकॉप्टर से फॉरवर्ड ऑपरेटिंग भेज भेजी जा रही थी। इसी पार्टी के हेलीकॉप्टर से उतरते वक्त नक्सलियों ने फायरिंग की। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग गए। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य की सीमा में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। बताया जा रहा है कि, प्रदेश के सुकमा-बीजापुर और तेलंगाना राज्य की सरहद इलाकों में मुठभेड़ हुई।

कोल्हान के जंगल में छिपे हैं नक्सली

घने जंगल में बिछा रखी है लैंडमाइंस, सुरक्षा बल चला रहे हैं इलाके में सर्च अभियान

जमशेदपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन ऑक्टोपस अभियान में नक्सलियों की कमर टूट गयी है। कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सलियों के बड़े कैंप और ठिकानों पर अब सुरक्षा बलों का कब्जा है। सूत्रों के अनुसार नक्सलियों ने अब कोल्हान जंगल का अपना सुरक्षित ठिकाना बना लिया है। सुरक्षा बल अब भी इस इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं लेकिन नक्सलियों ने घने जंगल में कई जगहों पर आईडी छिपा रखे हैं। इस जगल में कई बड़े ईनामी नक्सली सक्रिय हैं। इनमें 1 करोड़ रुपये का इनामी पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल जी भी शामिल है। कल ही नक्सलियों ने इस इलाके में बड़ी घटना को अंजाम दिया। झारखंड में लंबे समय से नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कई नक्सलियों को मार गिराया गया है जिनमें एरिया और जोनल कमांडर स्तर के उग्रवादी शामिल हैं। सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नई दिशा-एक नई पहल के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा से भी जोड़ा जा रहा है। कोल्हान के जंगल में एक करोड़ रुपये का इनामी केंद्रीय कमेटी का सदस्य पतिराम माझी उर्फ अनल दा, 25 लाख का इनामी तथा सैक सदस्य करमचंद हंसदा, 25 लाख का इनामी सह सैक सदस्य लालचंद हेम्ब्रम उर्फ अनमोल उर्फ समर जी उर्फ सुशांत, 15 लाख का इनामी अमित मुंडा उर्फ सुखलाल मुंडा, 15 लाख का इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण, दो लाख का इनामी सागेन अंगारिया उर्फ श्यामलाल सहित कई बड़े नक्सलियों को छिपे होने की खबर है। सुरक्षा बल लगातार इन इलाकों में अभियान चला रही है।

बहस की खुली चुनौती पर पलटवार

सुशील आनंद बोले- मरकाम से डिबेट के लायक नहीं हैं ओपी चौधरी

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। नौकरशाह से बीजेपी नेता बने ओपी चौधरी की ओर से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम को दी गई बहस की खुली चुनौती पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष से बहस के लायक उनका कद नहीं है। वे किसी कांग्रेस प्रवक्ता से बहस कर लें, उनको हकीकत का पता चल जाएगा।

ओपी चौधरी को बहस में आने के पहले अपने आका रमन सिंह से पूछकर आना चाहिए कि गरीबों के राशन में हुए 36000 करोड़ के नान घोटाले में क्या बोलना है? नान डायरी वाली सीएम मैडम कौन हैं? पनामा पेपर वाले अभिषेक सिंह कौन हैं? गरीबो के अस्पताल डीकेएस में घोटाला कैसे हो गया? अगस्ता हेलीकाप्टर घोटाला इन सबके

बारे में भी जानकारी लेकर आए। चौधरी यह भी पूछकर आए कि उन्होंने किसानों, आदिवासियों से धोखा वायदाखिलाफी क्यों किया था? किसानों को बार-बार 300 बोनस देने का वायदा कर क्यों नहीं दिया था? 2100 धान की कीमत पर धोखा क्यों दिया था? रमन राज में झीरम का क्रूर हत्याकांड हुआ, उसकी जांच भाजपा क्यों नहीं होने दे रही? झलियामारी, नसबंदी, गर्भाशय कांड पर भी जानकारी लेकर आए क्योंकि 15 साल बनाम 5 साल के डिबेट में इन पर भी बहस होगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के पास बताने के लिए अपने सरकार के गौरवशाली जनहित के काम है। हमारी सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र के 90 प्रतिशत वायदों को पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दविहीन है। इसके विपरीत कांग्रेस के पास अपनी सरकार के 4 सालों के काम की लंबी फेहरिस्त है। जनता, कांग्रेस सरकार बनाम भाजपा के 15 साल की तुलना कर रही है। भाजपा ने 2003 में आदिवासियों को 10 लीटर दूध वाली गाय देने का वायदा किया था, हर आदिवासी परिवार से एक को सरकारी नौकरी का वायदा किया था, पूरा नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों से किये वादों को पूरा किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने चार साल में आदिवासी वर्ग के शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य के एवं कानूनी अधिकार के लिये अनेकों कार्य किया। बस्तर क्षेत्र में आदिवासी के वर्ग शिक्षा के लिए 300 से अधिक बंद स्कूलों को खोला गया।

सरकार को उखाड़ फेंकने बीजेपी प्रभारी ओम माथुर ने भाजयुमो को दिए चार मूलमंत्र

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता युवा मोर्चा की नवीन कार्यकारिणी की पहली प्रदेश पदाधिकारी बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर भाजपा कार्यालय में हुई। इसमें कांग्रेस सरकार की विफलताओं पर आंदोलन करने के लिए विभिन्न विषयों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बीजपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने युवा मोर्चा को 4 मूलमंत्र दिए। कहा कि, लोक संपर्क, लोक संग्रह, लोक संस्कार और लोक नियोजन का कार्य करना है। यानी आम जनता से मिलकर उनके समस्याओं को सुनकर उनको साथ लेकर, उनके हित के लिए संघर्ष करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि युवा मोर्चा भाजपा भाजपा का वह शक्ति दंड है, जिसकी ताकत से हम इस झूठी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा हमें युवाओं के विषयो को लेकर, गांव - गांव ,जमीनी स्तर तक जाना है और जनता में विश्वास जगाना है कि जल्द ही उन्हें इस फरेबी सरकार से छुटकारा मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल शक्ति अर्जन का माध्यम नहीं बल्कि संस्कारवर्धन का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने प्रदेश युवा मोर्चा को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश युवा मोर्चा की टीम से पूरी भाजपा को बहुत अपेक्षा है। भाजयुमो ने पूरे प्रदेश में हर जिले में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती को उत्साह के साथ मानने का निर्णय लिया और विस्तार से कार्यक्रम पर चर्चा हुई है। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के आह्वान पर सभी जिले में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इस दौड़ में सम्पूर्ण प्रदेश के लोग हिस्सा लेंगे और लोगों को नशे से दूर, स्वस्थ शरीर, समृद्ध छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

भाजपा का फोकस अब गुर्जर समुदाय को साधने पर

मानगढ़ की तर्ज पर मोदी के आसींद दौरे की जिम्मेदारी भी अर्जुनराम मेघवाल को

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले में स्थित गुर्जर समुदाय के आराध्य देवनारायण भगवान के 28 जनवरी को होने वाले 1111 वें प्रकटोत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाया गया है। उनका आना लगभग तय है। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल तैयारियां कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम को भाजपा, केन्द्र सरकार और संस्कृति मंत्रालय उसी तर्ज पर भव्य रूप देने में जुटा है, जैसा दो महीने पहले नवंबर में बांसवाड़ा स्थित मानगढ़ धाम पर हुए आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम को दिया था। यह कार्यक्रम भी मंदिर ट्रस्ट का है, लेकिन भाजपा इसकी तैयारियां भव्य स्तर पर कर रही है।

मेघवाल के साथ केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राजस्थान प्रभारी अरूण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख हेमराज गुर्जर, भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली की एक मीटिंग भी सोमवार को जयपुर में हो चुकी है। अब केन्द्रीय मंत्री मेघवाल बुधवार शाम को भीलवाड़ा के सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया के साथ आसींद क्षेत्र का दौरा करेंगे।

भीलवाड़ा के सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने आसींद में 28 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के बारे में टेलीफोन पर बातचीत की है। मुझे पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम में जरूर आएंगे। आज केन्द्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल निरीक्षण के लिए आने वाले हैं। मैं भी उनके साथ मौके पर जाउंगा।

जयपुर में इस कार्यक्रम को लेकर हुई मीटिंग के बारे में भीलवाड़ा के जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली ने बताया कि कार्यक्रम के बारे में पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ मीटिंग में विस्तार से चर्चा हुई है। उन्होंने जो निर्देश दिए हैं, उनकी तैयारियों में हम सब लोग जुटे हुए हैं।

कमल का फूल, भाजपा और भगवान देवनारायण

भगवान देवनारायण का प्राकट्य 1111 साल पहले मालासेरी डूंगरी (आसींद) में हुआ था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वे कमल के फूल से प्रकट हुए थे। कमल का फूल भाजपा का चिन्ह है। ऐसे में भाजपा इस कार्यक्रम को खुद से जोड़ कर अपना संदेश देश के सम्पूर्ण गुर्जर समुदाय तक पहुंचाएगी।

2018 में भाजपा का एक भी गुर्जर विधायक नहीं

वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के टिकिट से एक भी गुर्जर विधायक को चुनाव जीतने में कामयाबी नहीं मिली थी। उस वक्त कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट थे, जिन्हें बाद में डिप्टी सीएम बनाया गया। उनके अलावा भी इसी समुदाय से शकुंतला रावत, अशोक चांदना को मंत्री बनाया गया। बसपा से आए जोगेंद्र सिंह अवाना को बोर्ड का चैयरमेन बनाया गया। कांग्रेस ने इस समुदाय को खुश करने की भरपूर कोशिश की। अब 2023 में भाजपा चाहती है कि गुर्जर समुदाय का उसे पूरा समर्थन मिले। ऐसे में आसींद में होने वाले समाज के सबसे बड़े कार्यक्रम में पीएम मोदी के आने का एक अलग मैसेज समाज में जाएगा।

28 जनवरी को
राजस्थान आ सकते हैं मोदी

राजस्थान के लगभग मध्य में है आसींद

भीलवाड़ा जिले का आसींद क्षेत्र अजमेर, भीलवाड़ा, पाली व राजसमंद जिलों की सीमाओं के बीच स्थित है। यह राजस्थान के लगभग मध्य में है। यहां कार्यक्रम होने का असर मेवाड़, मारवाड़, मेरवाड़ा, गोडवाड़ सभी क्षेत्रों की सीटों पर होगा। गुर्जर समुदाय से जुडे.लोग वर्ष भर देश-विदेश से यहां आते रहते हैं। राजस्थान में बहुत से राजनेता हैं जो अपना चुनाव कार्यक्रम यहीं से शुरू करते हैं।

राजस्थान की 12 लोकसभा और 40 विधानसभा सीटों पर गुर्जर निर्णायक

राजस्थान की कुल 25 लोकसभा सीटों में से टोंक-सवाईमाधोपुर, करौली-धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, झालावाड़-बारां, कोटा-बूंदी, जयपुर ग्रामीण, झुन्झुनूं, अलवर, चित्तौड़गढ़ जैसी 12 सीटों पर गुर्जर मतदाता संख्या के मामले में पहले, दूसरे, तीसरे या चौथे नम्बर पर आते हैं। इन सीटों पर वे चुनाव जिताने-हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऐसे ही 200 विधानसभा सीटों में से विराट नगर, जमवारामगढ़, कोटपूतली, देवली, मालपुरा, टोंक, सवाईमाधोपुर, खंडार, दौसा, सिकराय, भरतपुर, बयाना, हिंडौली, जहाजपुर, आसींद, मांडल, शाहपुरा, दूदू, अलवर, लक्ष्मणगढ़, टोडाभीम, लालसोट, बेगूं, कोटा उत्तर, झालरापाटन, किशनगढ़, पुष्कर, नसीराबाद, मसूदा, केकड़ी, करौली, बूंदी, आसींद, भीम, खेतड़ी, नीमकाथाना, केशोरायपाटन, बहरोड़, बानसूर, अलवर आदि विधानसभा सीटों पर गुर्जर समुदाय का खास दबदबा है। अभी टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट से सुखबीर सिंह जौनापुरिया सांसद हैं, जो इसी समुदाय से आते हैं। इनके अलावा लगभग 17 विधानसभा सीटों पर गुर्जर विधायक हैं। टोंक से पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी इसी समुदाय से हैं।

राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली व कश्मीर में बड़ा वोट बैंक

राजस्थान के अलावा उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली व कश्मीर में गुर्जर समुदाय बड़ा वोट बैंक है। इनमें से हिमाचल, दिल्ली और पंजाब में भाजपा की सरकारें नहीं हैं। ऐसे में इस समुदाय को इन क्षेत्रों में भी पार्टी खुद से जोड़ना चाहती है।

गहलोत, राजे व पायलट को बुलाने पर अभी संशय

इस कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत सहित पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को बुलाने पर अभी संशय बना हुआ है। सूत्रों का कहना है कि अगर पार्टी के स्तर पर उचित प्रतीत हुआ तो उन्हें सामान्य अतिथियों के रूप में ही बुलाया जाएगा। राजे और पायलट पूर्व में आसींद स्थित विश्व प्रसिद्ध मंदिर आते रहे हैं।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री फेस पर मंत्री-विधायक के अलग-अलग सुर

खाचरियावास ने राहुल को बताया बड़ा चेहरा; संयम बोले- गहलोत को आगे रखें

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चुनावी साल में चेहरे को लेकर कांग्रेस में नेताओं के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। सीएम चेहरे को लेकर कांग्रेस में नेताओं के मतभेद सामने आने शुरू हो गए हैं। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सीएम चेहरे के तौर पर अशोक गहलोत का नाम नहीं लिया है। खाचरियावास ने सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने का तर्क दिया है। उधर, सीएम सलाहकार और निर्दलीय विधायक सयंम लोढ़ा ने अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने का सुझाव दिया है।

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सीएम चेहरे के सवाल पर कहा- चेहरा एक ही है राहुल गांधी। राहुल गांधी की यात्रा में यह साबित हो गया। चेहरा अकेला राहुल गांधी ही है। राजस्थान हो या अन्य राज्य हमारे यहां चेहरा घोषित करके चुनाव होते ही नहीं हैं। कांग्रेस में अब तक राजस्थान में बिना चेहरा घोषित किए ही चुनाव होते रहे हैं। कांग्रेस में सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव होते रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी।

प्रताप सिंह खाचरियावास, मंत्री संयम लोढ़ा, सलाहकार

CM फेस पर बयानबाजी

अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने के बयानों पर मंत्री खाचरियावास ने कहा- मुझे बता दीजिए कांग्रेस ने राजस्थान में कब चेहरा घोषित करके चुनाव लड़ा? 2018 का पिछला विधानसभा चुनाव सामूहिक नेतृत्व में हुआ। किसी एक नेता का चेहरा घोषित नहीं किया था। चेहरा घोषित करना और नहीं करना हाईकमान के हाथ में रहता है। सबसे बड़ा चेहरा राहुल गांधी का ही रहेगा।

सीएम सलाहकार लोढ़ा बोले- गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़े कांग्रेस

सीएम सलाहकार संयम लोढ़ा ने अगला विधानसभा चुनाव अशोक गहलोत के नेतृत्व में लड़ने की सलाह दे चुके हैं। पिछले सप्ताह संयम लोढ़ा ने गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने का बयान दिया था, लोढ़ा ने पुराने बयान को फिर दोहराया है। संयम लोढ़ा ने कहा- मैंने सलाह दी है कि अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ें, क्योंकि पिछले चार साल में खूब काम हुआ है, उन्हीं के कामों को गिनाया जाएगा।

संयम लोढ़ा ने कहा- राजस्थान के विधायकों ने अशोक गहलोत को नेता माना है। हमारा यह मानना है कि चार साल में गहलोत के नेतृत्व में गांव, गरीब से लेकर हर क्षेत्र में काम हुआ है। विकास किया है। हम जो उम्मीद नहीं करते थे, उतना विकास किया है।

खाचरियावास के बयान के सियासी मायने

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का बयान दिखने में कांग्रेस की लाइन पर लग रहा है, लेकिन इसके सियासी मायने हैं। कांग्रेस में अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच चल रही खींचतान के बीच इस बयान को अहम माना जा रहा है।

खाचरियावास पहले सचिन पायलट खेमे में थे, लेकिन जुलाई 2020 में वे गहलोत खेमे में आ गए थे। खाचरियावास इसके बाद से मुखर होकर गहलोत का पक्ष लेते रहे हैं। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक के बहिष्कार में भी खाचरियावास शामिल थे। उस वक्त भी उन्होंने गहलोत का पक्ष लिया था। अब सीएम चेहरे पर खाचरियावास ने गहलोत का नाम नहीं लेकर सामूहिक लीडरशिप में चुनाव लड़ने का बयान देकर खुद के न्यूट्रल रहने का संकेत दिया है।

एनआईए की टीम ने कोटा में दो जगह मारी रेड

पीएफआई की फंडिंग से जुड़ा है मामला, आरोपी के बेटे को पकड़कर ले गई

'टेरर मॉड्यूल' के मामले में बड़ी कार्रवाई

कोटा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा में एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) की टीम ने गुरुवार को सुभाष नगर और विज्ञान नगर पर छापेमारी की। टीम ने सुबह करीब 3 बजे रेड मारी। सुभाष नगर में मुबारक नाम के व्यक्ति के मकान में टीम पहुंची। दोपहर 2 बजे तक जांच की गई। यहां से मुबारक के बेटे नौशाद को साथ ले गई। बताया जा रहा है कि मुबारक कैथून इलाके में रहता है। एक टीम वहां भी भेजकर सर्च की गई।

सूत्रों ने बताया- मुबारक वर्तमान में एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) से जुड़ा हुआ है। उसके पीएफआई (पॉपुलर फ्रंड ऑफ इंडिया) से भी लिंक होने की बातें सामने आई हैं। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। मकान के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया- मकान से खुदाई जैसी आवाज भी आ रही थी। मकान के बाहर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। किसी को भी गली के अंदर आने जाने नहीं दिया जा रहा था। मुबारक का बेटा कोटा के सैलून का काम करता है।

सूत्रों की माने तो पूरे मामले में पीएफआई की फंडिंग से जुड़े तार सामने आए हैं। इसी मामले में टीम नौशाद को भी अपने साथ लेकर गई है। सूत्रों की माने तो एनआईए को जांच में अहम सबूत मिले हैं।

एनआईए की टीम जांच खत्म होने के बाद मकान से एक काले रंग का बैग लेकर भी निकली है। इसी तरह विज्ञान नगर इलाके में भी पीएफआई के जिलाध्यक्ष रहे एक व्यक्ति के घर पर टीम ने छापा मारकर जांच की।

डेढ़ साल से कैथून रह रहा मुबारक

सुभाष नगर के लोगों ने बताया- मुबारक पहले मुंबई योजना स्थित मकान में ही रहता था। वह पिछले करीब डेढ़ साल से पत्नी के साथ कैथून में रह रहा था। मुबारक का एक और बेटा है। जो उन्हीं के साथ कैथून रहता है।

आरएसएस की थीम 'एक पेड़ राम का, एक राष्ट्र का'

एक साल तक चलेगा अभियान, बीजारोपण के जरिए 50 लाख परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े संगठन पूरे राजस्थान में अगले एक वर्ष में 50 लाख पौधे लगाएंगे। इसकी शुरुआत गुरुवार से हो रही है। यह अभियान 12 जनवरी से शुरू होकर 14 जनवरी 2024 तक चलेगा। देश में अब तक जितने भी पौधारोपण के अभियान चले हैं, उनसे यह पूरी तरह से अलग है क्योंकि इसमें बीज बोने से पौधारोपण की शुरुआत की जाएगी न कि नर्सरी से लाए गए पौधों को लगाने से। अभियान को आरएसएस ने एक पेड़ राम का, एक पेड़ धर्म का और एक पेड़ राष्ट्र का थीम दी है। इसके तहत संगठन ने एक परिवार के जरिए एक पौधा लगाने का लक्ष्य तय किया है। पौधा कहीं भी किसी नर्सरी से खरीद कर नहीं लगाया जाएगा। बीजों को संगठन के प्रतिनिधि परिवारों को वितरित करेंगे। बीज उनके घर-आंगन में गमले या बगीचे में बोया जाएगा। फिर उनका पौधा बनने पर उन्हें वृक्ष बनाने के लिए किसी पार्क, जंगल, स्कूल, कॉलेज या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर रोपा जाएगा।

इस अभियान के राजस्थान संयोजक विनोद मेलाना ने बताया कि पौधे लगाने के कार्यक्रम पहले भी बहुत से संगठनों ने किए हैं। पौधे लगाने मात्र से व्यक्ति या परिवारों का उनसे जुड़ाव नहीं हो पाता। अधिकांश पौधे तो पानी की कमी या रख-रखाव के खत्म हो जाते हैं। इसलिए हमने बीज देकर घर में ही पौधा बनाने का जुड़ाव परिवारों से स्थापित करने की कोशिश है। जनवरी, फरवरी व मार्च में महिलाओं (मातशक्ति) के माध्यम से परिवारों में बीज वितरण किया जाएगा। अप्रेल, मई और जून में धार्मिक संगठनों-समितियों के संतों-महात्माओं के माध्यम से पौधारोपण किया जाएगा। जुलाई, अगस्त व सितंबर में स्कूल-कॉलेजों में पौधारोपण और सेमिनार, बैठक, संगोष्ठी आदि के कार्यक्रम होंगे। अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर जनवरी (2024 की जनवरी) में पर्यावरण संरक्षण संबंधी विषयों पर रैलियां आयोजित की जाएंगी।

बीजेपी-कांग्रेस का अब नए वोटर पर फोकस

10 लाख यूथ वोटर इस बार वोट डालेगा, बीजेपी इनके लिए अभियान चलाएगी, कांग्रेस भी जोड़ेगी

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में राजनीतिक पार्टियों का फोकस अब नए मतदाताओं पर हो गया है। दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस सहित तमाम राजनीतिक पार्टियां नए और युवा मतदाताओं को रिझाने की तैयारी में है। राजस्थान में हाल ही में 19 लाख से ज्यादा नए वोटर जुड़े हैं। वहीं निर्वाचन विभाग का कहना है कि इनमें 4 लाख से ज्यादा वोटर युवा हैं जो 18 वर्ष से ज्यादा के हैं। विभाग का मानना है कि दिसम्बर में विधानसभा चुनाव तक इनकी संख्या बढ़कर 10 लाख के पार जा सकती है।

नए मतदाताओं को देखते हुए बीजेपी ने तो हाल ही में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में यह तय किया है कि अब पार्टी अपना फोकस नए मतदाताओं पर करेगी। इसके लिए अलग से एक अभियान चलाया जाएगा। बीजेपी का जनाक्रोश अभियान समाप्ति की ओर है। लगभग 20 विधानसभाओं में यह बाकी है। ऐसे में इस अभियान के खत्म होने के बाद 26 जनवरी के बाद बीजेपी इसकी शुरुआत कर सकती है।

कांग्रेस भी हाथ से हाथ जोड़ो में करेगी फोकस

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। इसके लिए कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी है। अभियान के जिला प्रभारी अपने स्तर पर बैठकें ले रहे हैं। कांग्रेस इस अभियान से लोगों को जोड़ेगी। ऐसे में इसके दौरान कांग्रेस भी नए मतदाताओं और युवाओं पर फोकस कर उन्हें बेहतर ढंग से खुद के साथ जोड़ सकती है। यह भी माना जा रहा है कि युवा वोटर्स के लिए अलग से ड्राइव कांग्रेस चलाएगी।

लेपर्ड को भगाने दौड़े तो पलटकर किया हमला

खौफ में छतों पर चढ़े लोग, थाली-ढोल बजाकर भगाते रहे

बांसवाड़ा/डूंगरपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। खेत में छुपे लेपर्ड ने हमला कर किसान को घायल कर दिया। उसे पीठ और हाथ-पैर में चोटें आई हैं। खौफ के कारण लोग घरों की छतों पर चढ़ गए और लेपर्ड को भगाने के प्रयास में थाली-ढोल बजाते रहे। घटना बांसवाड़ा में कुशलगढ़ के कांकनवाणी गांव की है। इसका वीडियो भी सामने आया है।

वन विभाग के रेंजर गिरीश लबाना ने बताया कि लोगों ने बुधवार शाम चार बजे गांव के एक खेत में से लेपर्ड के गुर्राने की आवाज सुनी। इसके बाद ग्रामीण उसे खुद ही ढूंढने लगे तो वह दूसरे खेत में जाकर छिप गया। इस दौरान उसने कुछ लोगों पर हमले का भी प्रयास किया।

लबाना ने बताया कि लेपर्ड खेतों से निकलने के लिए इधर-उधर भाग रहा था। रेस्क्यू में

ग्रामीण भी शामिल थे। इस दौरान हुका मंगलिया और खूमचंद मान सिंह दोनों डंडा लेकर लेपर्ड की तरफ भागे तो उसने पलटकर दोनों पर हमला कर दिया।

लेपर्ड के अटैक करते ही दोनों नीचे गिर गए। इस हमले में इनके पीठ और पैर दोनों जख्मी हो गए। उपचार के लिए उन्हें कुशलगढ़ हॉस्पिटल लाया गया।

यह पूरा घटनाक्रम करीब दो घंटे तक चला। लेपर्ड को गांव से भगाने के लिए छतों और खेतों में ग्रामीण शामिल हो गए थे। ढोल-थाली बजाकर लेपर्ड को आबादी क्षेत्र से भगाने का भी प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। बताया जा रहा है कि देर शाम लेपर्ड फसलों के बीच से गायब हो गया।

ग्रामीण इस हादसे के बाद अब भी डरे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे अब भी छतों पर लाठी व डंडा लेकर निगरानी कर रहे हैं। वहीं, वन विभाग की टीम भी लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक करने में जुटी हुई है। मौके पर वनपाल पार सिंह, केटल गार्ड किशोर सिंह और सज्जन सिंह लेपर्ड के मूवमेंट को लेकर जानकारी जुटा रहे हैं।

हाल फिलहाल में राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में लेपर्ड अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। रिहायशी इलाकों घुस रहे लेपर्ड की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, सरकार इस परेशानी का हल ढूंढने में अब तक नाकाम दिख रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से 3 की मौत

ट्रैक पर लोहे के सरिए पड़े मिले, पुलिस को शक- चुराकर ले जा रहे थे

कोटा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुबह 4 बजे ट्रेन की चपेट में आने से 3 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों युवक चोर बताए जा रहे हैं। जो लोहे के सरिए चुराकर ले जा रहे थे। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। सुबह मौके से गुजर रहे लोगों ने तीनों की मौत की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शवों को एमबीएस की मोर्चरी में रखवाया है। एक मृतक की शिनाख्त सुल्तानपुर निवासी जगदीश मीणा के रूप में हुई है। जबकि एक युवक के पास से चेचट की आईडी मिली है। तीसरे की पहचान नहीं हुई है। पुलिस ने बताया- घटना नयापुरा थाना क्षेत्र में बोरखेड़ा पुलिया के पास की है। मुंबई से दिल्ली जा रही राजधानी ट्रेन की चपेट में आने से तीनों की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर लोहे के सरिए मिले है। संभावना जताई जा रही है कि तीनों लोहे के सरिए को चुराकर ले जा रहे थे। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए।

जगदीश के भाई मुकेश ने बताया- जगदीश लंबे समय से कोटा में रहकर काम करता था। शराब का आदि था। कभी-कभी सुल्तानपुर आता था। तब की बात होती थी। आज सुबह पुलिस ने उसकी मौत होने की सूचना दी। उसके साथ कौन युवक थे ये पता नहीं।

नयापुरा थाना सीआई राजेंद्र कमांडो ने बताया- कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर गए। ट्रैक पर तीन युवकों की ट्रेन से कटकर मौत हो चुकी थी। एक ही तो पहचान हो गई है।

गर्भवती पत्नी और पति की रोड एक्सीडेंट में मौत

डॉक्टर को दिखाकर जा रहे थे घर, 1 साल पहले हुई थी शादी

टोंक, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पत्नी ने टोंक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अपनी गर्भवती पत्नी को सआदत अस्पताल में डॉक्टर को दिखाकर ससुराल जा रहे युवक की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गर्भवती पत्नी गंभीर घायल हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उनियारा अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने पत्नी को टोंक रेफर कर दिया, जबकि पति के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। टोंक अस्पताल में इलाज के दौरान पत्नी ने भी दम तोड़ दिया। पत्नी के शव को टोंक अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। दंपती के पास मिले अस्पताल के दस्तावेज से इनकी पहचान हुई थी।

मामला टोंक जिले के उनियारा थाना क्षेत्र का है। एएसआई रतन लाल ने बताया कि बूंदी जिले के देई थाना क्षेत्र के बांसी निवासी सीताराम कालबेलिया (27) पुत्र ओमप्रकाश की पत्नी लाछा देवी (24) गर्भवती थी और कुछ दिन बाद उसकी डिलीवरी होनी थी। पेट में दर्द होने पर सीताराम अपनी पत्नी को डॉक्टर को दिखाने के लिए आया था। डॉक्टर ने चैकअप के बाद कुछ जांचें कराने के लिए उनको गुरुवार को भी बुलाया था। ऐसे में ओमप्रकाश ने सोचा कि रात अपने ससुराल सूंथड़ा में रुक जाएंगे और गुरुवार को यहीं से डॉक्टर को दिखाने के लिए टोंक चले जाएंगे। इस दौरान रास्ते में टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे पर बेसकी गांव के पास अज्ञात कारणों के चलते रोड पर गिर पड़े। एएसआई ने बताया कि हादसे के बाद पत्नी रोड किनारे झाड़ियों में मिली थी।

साधारण सभा में आरडब्लूएस अधिकारी पर नाराज दिखे विधायक

अधिकारी द्वारा झूठ बोले जाने पर लगाई फटकार

मदनूर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मीबाई की अध्यक्षता में प्रभारी मंडल विकास अधिकारी वेंकट नरसय्या ने तीन महीने में एक बार होने वाली सर्वसाधारण सभा का आयोजन किया। सभा में जुक्कल विधायक हनुमत शिंदे मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए प्रथमतः स्वामी विवेकानंद व अहिल्या बाई होलकर की जयंती पर इनकी प्रतिमा को फूल माला चढाकर श्रद्धांजलि दी। सभा में विधायक शिंदे ने मंडल शिक्षण अधिकारी रामलू को स्वामी विवेकानंद जयंती पर दो शब्द भाषण देने को कहने पर अधिकारी ने सिर हिलाकर विधायक को सभा में स्पष्ट बताया कि उन्हें भाषण देना नहीं आता। अधिकारी सिर हिलाना देखकर सभा के जनप्रतिनिधि और विविध शाखा के अधिकारी दंग रह गये। एक मंडल शिक्षण अधिकारी रहकर स्वामी विवेकानंद पर भाषण नहीं आना कितना शर्मसार है। विधायक ने इस सभा में आर डब्लू एस अधिकारी को प्रश्न पूछा कि मिशन भगीरथ का पानी कितने गांव में सप्लाई हो रहा है। इस प्रश्न आरडब्लूएस अधिकारी ने सभा में झूठ बोलते हुए बताया कि मंडल के पूरे गाव में पानी सप्लाई हो रही है। एक व्यक्ति ने उठ कर सभा में उत्तर दिया कि सर यह अधिकारी झूठ बोल रहा है। मिशन भगीरथ मंडल केंद्र में सप्लाई नहीं हो रहा है। इस उत्तर पर विधायक शिंदे ने अधिकारी को आड़े हाथ लेते हुए बताया कि तेलंगाना सरकार गरीब जनता को फिल्टर पानी पिलाने के लिय मिशन भगीरथ योजना अमल में लाई है। आप जनता को पानी पिलाने में लापरवाही कर रहे हो। आने वाली सभा तक सभी गांव में मिशन भगीरथ का पानी सप्लाई होनी चाहिए। सभा में विविध गांव के सरपंच, एमपीटीसी विविध शाखा के अधिकारी उपस्थित थे।

नए युग के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए कौशल विकास महत्वपूर्ण : जयेश रंजन

एफटीसीसीआई पोकर्ण कौशल केंद्र का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने एफटीसीसीआई पोकर्ण स्किल सेंटर लॉन्च किया, जो एक साल में 20,000 उम्मीदवारों के बीच कौशल विकसित करेगा। एफटीसीसीआई ने अनुभवात्मक अधिगम की सुविधा के लिए विभिन्न संगठनों के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, जयेश रंजन ने कहा कि नए युग के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए कौशल विकास महत्वपूर्ण है। तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल ने कहा कि पिछले साल इंजीनियरिंग में शामिल होने वाले 62,000 छात्रों में से 44,000 ने कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग को चुना, और 14,500 ने इलेक्ट्रॉनिक्स को चुना जबकि 3,500 ने अन्य स्ट्रीम को चुना। उन्होंने कहा कि इसलिए उद्योग निकट भविष्य में कुछ क्षेत्रों में भारी कौशल अंतराल की उम्मीद कर सकता है। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि कौशल केंद्र राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद की मासिक गोष्ठी आयोजित, नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद की मासिक गोष्ठी जगद्गीर गुट्टा स्थित परशुराम मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई, जिसमें नई कार्यकारिणी का चुनाव और समाज के वार्षिकोत्सव का आयोजन प्रमुख विषय रहा। समाज के सह सचिव रंजीत कुमार शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बैठक समाज के अध्यक्ष सुजीत ठाकुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें कई विषयों पर चर्चा की गई और कई अहम फैसले लिए गए। गत पाँच वर्षों से सफलता पूर्वक समाज के कार्यों का निर्वहन करने के उपरांत वर्तमान कार्यकारिणी ने अन्य सदस्यों के सहयोग एवं सुझाव के साथ आगामी दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव का फैसला लिया।

तत्पश्चात् चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हुई जिसमें मानवेंद्र मिश्रा को अध्यक्ष, श्रीमती अनीता राय को उपाध्यक्ष, सुनील सिंह को महासचिव, पंकज कुमार (सीए) और तिरुपति राय को सह सचिव, प्रेमशंकर सिंह को कोषाध्यक्ष, श्रीमती उषा शर्मा को महिला शाखा की अध्यक्ष एवं रंजीत शुक्ला को कॉर्डिनेटर चुना गया। साथ ही कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों के रूप में सुजीत ठाकुर, इंद्रदेव सिंह, मोहन कुमार, मुकेश कुमार, पंकज सिंह, मनोज शाही, अमर सिंह, विनोद राय, श्रीमती प्रगति सिंह एवं श्रीमती स्वप्निल राय चुने गये। गोविंद राय, गोपाल चौधरी, आरएस शर्मा, श्रीमती सुधा राय, एसएन शर्मा, डॉ. आशा मिश्रा, श्रीमती रागिनी सिन्हा, सुमन्त कुमार एवं अभिषेक राय स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में चयनित हुए।

मित्र यूथ एसोसिएशन ने मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वामी विवेकानंद की 160वीं जयंती के अवसर पर मित्र यूथ एसोसिएशन, छतरीनाका में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस नेता एस.पी.क्रांति कुमार द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए क्रांति कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक महान संत और एक प्रेरक व्यक्तित्व थे और उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, क्योंकि वह एक दार्शनिक, भिक्षु और शिक्षक थे, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में एसोसिएशन के सदस्यों बी नितिन कुमार, के राघवेंद्र, बी वेंकटेश चारी, एस प्रुतविराज, अभिलाष, श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

श्री संत सेवाराम जी महाराज ने किया कैलेंडर का विमोचन

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा सन 2023 के नुतन वर्ष मल्टी कलर तिथि मिति वार त्योहार पंचाग कैलेंडर का लोकार्पण श्री रामनाथ आश्रम पर श्री सेवाराम जी महाराज के हाथों सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर रामदेव नागला, रुपचंद व्यास, नरेश पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी, अनिल जायल वाल, संदिप जायलवाल, भागीरथ पांडिया, पवन पुरोहित, दिनेश पांडिया, चेतन तिवारी, किरण व्यास, प्रेमलता व्यास, ऊषा उपाध्याय किरण तिवाड़ी, सिद्दी ओझा के अलावा स्वजातीय बन्धु उपस्थित थे। प्रकोष्ठ द्वारा श्री सेवाराम जी महाराज का शाल व माला से सम्मान किया गया।

भाजपा गोशामहल मंडल द्वारा आयोजित स्वागमी विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडल अध्यक्ष नटराज नामधारी, मेट्टू वैकुंठम , भाजपा के राज्य कार्यक्रम प्रभारी डी.गोपाल, महासचिव विपिन रामावत व अन्य। जिसमें भाग लिए हिंदी के प्रमुख प्रो. चंद्रदेव कवडे, पश्चिम रायलसीमा उपाधिधारी एम. एल. सी. प्रत्याशि शेक गैबुवली।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, श्रीनिवास यादव, मयुर, अनिल यादव व अन्य।

एपी राजभवन में संक्रांति समारोह आयोजित

विजयवाड़ा, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को यहां आयोजित विभिन्न खेलों और प्रतियोगिताओं में राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ आंध्र प्रदेश राजभवन परिसर में संक्रांति समारोह आयोजित किया गया।

महिला राज्यपाल सुप्रभा हरिचंदन ने घूम-घूम कर रंगोली प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली महिला स्टाफ सदस्यों की विभिन्न विषयों पर रंगीन डिजाइनों के लिए सराहना की। बाद में राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पुरस्कार प्रदान किए।

अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने इस अवसर पर आयोजित कई अन्य खेलों और प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और उन्हें संक्रांति उत्सव समारोह के हिस्से के रूप में दोपहर का भोजन भी परोसा गया। पी.एस. सूर्यप्रकाश, राज्यपाल के संयुक्त सचिव नारायणस्वामी, उप सचिव और अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर टैंकबं स्थित स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित अग्रणी महिला मंच की बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, टीना खंडेलवाल, रितु गोयल, चंचल अग्रवाल, स्मिता शाह, पवन भुवानिया व अन्य।

विवेकानंद जयंती पर पर्यावरण परीरक्षणा सेवा समिति नेहरु युवा केंद्र, जियागुड़ा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का दृश्य।

माघ मास के अंतर्गत अत्तापुर महिला मण्डल द्वारा आयोजित हुरडा कार्यक्रम में भाग लेती हुईं भारती करवा, प्रभा जोशी, सरला डागा, किरन बजाज, वर्षा जाकोटिया, अर्चना पंचारिया, हर्षिता बजाज, ज्योति शर्मा, अरुणा त्रिवेदी, अर्चना चांडक, नंदा अग्रवाल व अन्य।

विवेकानंद वेलफेयर एसोसिएशन ने मनाई स्वामी जी की जयंती

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक महान भारतीय दार्शनिक हैं जो हमेशा देशभक्ति, आध्यात्मिकता और युवाओं के लिए चिंता की प्रेरणा देते हैं। स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जम्पना प्रताप ने न्यू बोइनपल्ली स्वामी विवेकानंद वेलफेयर एसोसिएशन में आयोजित विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में भाग लिया और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 जनवरी को मनाया जाता है। कार्यक्रम में बोर्ड के मनोनीत सदस्य रामकृष्णा, बीआरएस नेता मर्री राजशेखर रेड्डी, वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष भास्कर रेड्डी, सचिव शशिराज यादव, अध्यक्ष बी. दयानंद यादव, ज्ञान प्रकाश, प्रकाश यादव, मल्लेश यादव एम. विश्वनाथ आदि उपस्थित रहे।

उपसरपंच पर प्रतिद्वंद्वी ने किया हमला

आदिलाबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को इकोडा मंडल केंद्र के एक होटल में एक उप-सरपंच को उसके प्रतिद्वंद्वी ने चाकू से हमला करने की कोशिश के बाद कथित तौर पर चोटें आईं।

उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सूत्रों ने कहा कि इकोडा मंडल के सिरिचलेमा गांव के उप-सरपंच अब्दुल अजीम पर उसी गांव के एक मुस्तफा ने कथित तौर पर हमला किया था। दोनों में काफी देर तक अनबन रही। अज़ीम के चेहरे और सिर पर चोटें आईं, जब मुस्तफा ने उन्हें सार्वजनिक रूप से चाकू मार दिया, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक खून बह गया। उन्हें तुरंत आदिलाबाद शहर के एक अस्पताल ले जाया गया। उनकी चिकित्सकीय स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। ईचोडा इंस्पेक्टर नीलू ने बताया कि अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

भाकपा ने मुख्यमंत्री से पुलिस शारीरिक दक्षता परीक्षा नियमों में संशोधन करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सीपीआई के वामपंथी दल ने आज राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर से एसआई और पुलिस कांस्टेबल उम्मीदवारों के चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा नियमों को संशोधित करने का आग्रह किया। पार्टी के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने मुख्यमंत्री से पुलिस के सभी उम्मीदवारों को उनके रनिंग टेस्ट के आधार पर लिखित परीक्षा के लिए योग्य घोषित करने का आग्रह किया।

उन्होंने इस मुद्दे पर सीएम को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में, राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य पुलिस भर्ती बोर्ड ने रिक्त एसआई और पुलिस कांस्टेबल पदों को भरने के लिए एक अधिसूचना जारी की और कहा कि बोर्ड ने पदों के पुरुष और महिला उम्मीदवारों की शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए नए नियम पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि कई अभ्यर्थी उनसे मिले और उन्हें बताया कि बोर्ड के संशोधित नियमों के कारण उन्हें बहुत नुकसान हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि बोर्ड ने हाई जम्प के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग लेंथ को मौजूदा 3.8 मीटर से बढ़ाकर 4 मीटर कर दिया है और पुरुषों के लिए मौजूदा 5.6 मीटर से 6 मीटर और महिला उम्मीदवारों के लिए 3.75 मीटर से 4 मीटर कर दिया है। उन्होंने सीएम से कहा कि सेना भर्ती के अधिकारियों द्वारा स्क्रीनिंग के ऐसे कठोर नियमों का पालन तक नहीं किया जाता है. उन्होंने कहा कि नए संशोधित नियमों के कारण राज्य में पुलिस पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों की संख्या 1.87 लाख से घटकर 91,000 रह गई है।

जलाधीश ने कंटी वेलुगु कार्यक्रम के लिए कई मंडलों का दौरा किया

निर्मल, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आने वाले बुधवार से मुफ्त नेत्र परीक्षण कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासक मुशरफ फारुकी ने कई मंडलों का दौरा किया।

गुरुवार को, अतिरिक्त कलेक्टर हेमंत बोरकाडे के साथ जिला प्रशासक मुशर्रफ फारूकी ने निर्मल में एएन रेड्डी कॉलोनी, लोकेश्वरम मंडल में बिलोली, भैंसा मंडल में देगांव और भैंसा गणेश नगर मुन्नुरु कापू संगम 2 समारोह हॉल का दौरा किया और कंटीवेलुगु शिविरों की व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि 18 जनवरी से शुरू होने वाले कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। 100 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में अधिकारियों को योजना तैयार करने का आदेश दिया गया है ताकि सभी टीमें बिना किसी कमी के कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम को अंजाम दे सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 300 और शहरी क्षेत्रों में 400 लोगों की आंखों की जांच की जाएगी.योजना के अनुसार प्रत्येक दिन के लिए शेड्यूल तैयार किया जाएगा और लोगों को शिबिरा पहुंचकर शेड्यूल के अनुसार आंखों की जांच करानी चाहिए। ऐसा करने से भीड़भाड़ नहीं होगी और लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि जिले में 32 नेत्र परीक्षण टीमों का गठन किया गया है, सभी टीमों को प्रशिक्षित किया जाए और गांवों में लोगों को जागरूक किया जाए। सप्ताह में 5 दिन सोमवार से शुक्रवार तक नेत्र ज्योति शिविर लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कार्यक्रम पूर्ण होने पर माड्यूल में विवरण दर्ज किया जाए। स्टाफ अगले पांच दिनों के लिए उपलब्ध होना चाहिए और सभी उपकरणों की पूर्व-जांच की जानी चाहिए और एक दिन पहले तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे योजनाबद्ध और समन्वित तरीके से काम करें और सफल हों, अगर उनकी उपेक्षा की जाती है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में आरडीओ रविकुमार, जिला चिकित्सा अधिकारी धन राज, डॉ. श्रीनिवास मास मीडिया ऑफिसर रविंदर, भैंसा के डिप्टी डीएम व हो इदरीस, चिकित्सा अधिकारी, आशा वर्कर्स स्टाफ व अन्य ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। युथ एजुकेशन एम्लॉयमेंट एण्ड वेल्फेयर एसोसियशन तथा हिंदी सेवसदन, अनंतपुर के संयुक्त तत्वावधान में धूमधाम से राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राध्यापक एम. एम. डी. अज्मतुल्ला, मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे, प्रधान मंत्री जे. प्रेमकुमार, परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, संयुक्त मंत्री पी. फयाजुद्दीन, प्रमुख साहित्यकार रमेश नारायण, विशिष्ट अतिथि, विशेष आमंत्रित उपाधिधारी एम.एल.सी. प्रत्याशि शेक गैबुवली उपस्थित हुए। इस संदर्भ में अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति के प्रचारक हैं स्वामी विवेकानंद। युवाओं को अनेक सूक्तीयाँ देते हुए अपने शक्ति का उपयोग करने के लिए युवाओं का आदर्श बने। युवा उनके पद चिह्नों पर चलना चाहिए। इस संदर्भ में अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर फूल माला समर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नए वर्ष का कालेण्डर लोकार्पण किया। अतिथियों, समाज सेवियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में युथ एजुकेशन एम्लॉयमेंट एंड वेल्फेयर एसोसियशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी. हाजिवली, मंत्री बी. चक्रवाणि, कोषाध्यक्ष हाजी करीम, अनंतपुरम जिला अध्यक्ष मनोज कुमार, सत्यसाई जिला अध्यक्ष जगदीश, युवा नायक जबीबुल्ला, मधुसूदन, रामचंद्र, इंजियाज, विनोद कुमार रेड्डी, दादु, सरदार, नरसिंह, लाल भाषा, विक्रम, युवा कार्यकर्ता, अध्यापक इक़बाल, नारायण स्वामि आदि ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

तेलंगाना समेत तीन ...

प्रतिबंधित माओवादी समूह के दक्षिण बस्तर संभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुआ। पामेद, मार्कगुडा, मेट्टागुडा, सकिलेर, रसापल्ली, एर्रपाड गांव में ड्रोन और हेलीकॉप्टरों का उपयोग कर हवाई हमले जारी हैं। इसके कारण किसान डरे हुए हैं और वे अपने खेतों में जाने में असमर्थ हैं। भय के कारण पूरे क्षेत्र के लोग डरे हुए हैं। यह ऑपरेशन गृह मंत्री अमित शाह की माओवादियों को जड़ से उखाड़ने की योजना का एक हिस्सा है.। सूत्रों के अनुसार, इसमें कुछ जवान भी घायल हुए हैं, लेकिन वे सुरक्षित हैं। गोलियां एक हेलिकॉप्टर में भी लगीं, जो सुकमा के एलमागुंडा शिविर में उतरा। ऐसी अपुष्ट खबरें हैं कि 55 वर्षीय माडवी हिडमा भी हमले में घायल हो गया है।

कौन है हिडमा और किन हमलों में रहा है शामिल

हिडमा माओवादी पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी बटालियन 1 का कमांडर है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य है। वह 2004 से अब तक 25 से अधिक हमलों में शामिल रहा है। उसने कुछ सबसे बड़े हमले 2010 में किए थे। उसने दंतेवाड़ा में हमले का नेतृत्व किया था, जब सीआरपीएफ के 76 जवान मारे गए थे। 2013 में झीरम घाटी में हुए हमले में उसका नाम आया था, जिसने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेतृत्व का सफाया कर दिया था। उसके सिर पर कुल 45 लाख रुपये का इनाम है।

राजनीतिक विज्ञापन मामले ...

आम आदमी पार्टी को सूचना एवं प्रचार निदेशालय (डीआईपी) की ओर से जारी किए गए नोटिस पर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अफसरों पर असंवैधानिक नियंत्रण का नाजायज इस्तेमाल देखिए।

बीजेपी ने दिल्ली सरकार की सूचना विभाग सचिव ऐलिस वाज (आईएएस) से नोटिस दिलवाया है कि 2017 से दिल्ली से बाहर राज्यों में दिए गए विज्ञापनों का खर्चा मुख्यमंत्री अरविंद से वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अखबारों में भाजपा के तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों के विज्ञापन छपते हैं, पूरी दिल्ली में इनके मुख्यमंत्रियों के फोटो वाले सरकारी होर्डिंग लगे हैं। क्या इनका खर्चा भाजपा मुख्यमंत्रियों से वसूला जाएगा? क्या इसीलिए दिल्ली के अफसरों पर असंवैधानिक कब्जा करके रखना चाहती है बीजेपी?

दिल्ली सरकार के अधिकारियों का एलजी और बीजेपी द्वारा दुरूपयोग किया जा रहा है, कोई सार्वजनिक सेवा कार्य करने के लिए नहीं, बल्कि निर्वाचित मंत्रियों और सत्तारूढ़ आप को निशाना बनाने के लिए। इसलिए वे सेवाओं पर अपना नियंत्रण जारी रखना चाहते हैं।

भाजपा अफसरों का दुरूपयोग कर रही है :

नोटिस पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया है कि भाजपा अफसरों का दुरूपयोग कर रही है। मंत्रियों को टारगेट किया जा रहा है। केजरीवाल को निशाना बनाया जा रहा है। केजरीवाल को धमकी मिल रही है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि नोटिस भेजने वाले अधिकारी को पत्र लिखा है। उनसे पूछा है कि दिखाइए कौन सा विज्ञापन दिया है। दिल्ली में जगह-जगह भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के विज्ञापन लगे हैं। दिल्ली सरकार के विज्ञापन उनसे किस तरह अलग हैं।

टीएमसी नेता की ...

वहीं इस घटना पर भाजपा प्रवक्ता सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि टीएमसी के गुट ही एक दूसरे के खिलाफ हमले कर रहे हैं। ये पश्चिम बंगाल को जंग का मैदान बनाना चाहते हैं। सीपीआई (एम) की केंद्रीय कमेटी के सदस्य सुजन चक्रवर्ती ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीएमसी कार्यकर्ता और नेता अब रेत खनन, कालाबाजारी के मुद्दों पर लड़ रहे हैं। चुनाव नजदीक आते ही ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी।

बता दें कि बीते साल नवंबर में भी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टीएमसी पंचायत प्रधान के पति और नादिया जिले के करीमपुर निवासी मातिरुल बिस्वास को उस वक्त गोली मारी गई थी, जब वह स्कूल में अपने बेटे से मिलने के बाद घर लौट रहे थे। मातिरुल बिस्वास की हत्या के मामले में भी टीएमसी के विभिन्न गुटों में ही झगड़े के आरोप लगे थे।

भारत ने श्रीलंका से लगातार 10वीं वनडे सीरीज जीती

राहुल की पारी के दम पर दूसरे मैच में 4 विकेट से हराया

कोलकाता, 12 जनवरी (एजभारत ने श्रीलंका से एक और वनडे सीरीज जीत ली है। टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ भारत ने 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। आखिरी मुकाबला 15 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम 39.4 ओवर में 215 रन पर ऑल आउट हो गई। उसकी ओर से डेब्यू मैच खेल रहे नुआनिदु फर्नांडो (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। विकेटकीपर बैटर कुसल मेंडिस 34 रन और वनिंदु हसरंगा 21 रन बनाकर आउट हुए। अविष्का फर्नांडो ने 20 रन बनाए। कप्तान दसुन शनाका 2 रन ही बना सके। भारत की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट चटकाए।। जबकि तेज गेंदबाज उमरान मलिक को 2 विकेट मिले।

215 रन के जवाब में भारतीय टीम ने 44वें ओवर में 6 विकेट पर जीत के लिए जरूरी रन बना डाले। उसकी ओर से केएल राहुल ने 64 रन बनाए। जबकि उप कप्तान हार्दिक पंड्या ने 36 रनों की पारी खेली। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 75 रन जोड़े। एक समय भारतीय टीम ने 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, पंड्या और राहुल ने टीम को मुश्किल परिस्थिति से निकाला।

श्रीलंका के लाहिरू कुमारा और चमिका करुणारत्ने को 2-2 विकेट मिले। जबकि कसुन रजिथा के हिस्से एक सफलता आई।

पहला: 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर कप्तान रोहित शर्मा चमिका करुणारत्ने की बॉल पर विकेट के पीछे कुसल मेंडिस के हाथों कैच दे बैठे। दूसरा : शुभमन गिल छठे ओवर में लाहिरू कुमारा की गेंद पर अविष्का फर्नांडो को कैच दे बैठे। तीसरा : विराट कोहली 10वें ओवर में लाहिरू कुमारा की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 4 रन बनाए। चौथा : श्रेयस अय्यर को कसुन रजिथा ने 15वें ओवर की दूसरी बॉल पर LBW कर दिया। पांचवां : 35वें ओवर की पहली बॉल पर चमिका करुणारत्ने ने हार्दिक पंड्या को कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। छठा : 40वें ओवर में धनंजय डी सिल्वा ने अक्षर पटेल को चमिका करुणारत्ने के हाथों कैच कराया।

हार्दिक पंड्या और केएल राहुल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 119 गेंदों पर 75 रन की साझेदारी हुई। एक समय टीम इंडिया ने 86 पर चार विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में पंड्या-राहुल ने टीम इंडिया का स्कोर 160 पार पहुंचाया।

कोलकाता के कोलकाता के ईडन गार्डेन्स मैदान पर श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी को चुना। टीम 39.4 ओवर में 215 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे नुआनिदु फर्नांडो (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस 34 रन और वनिंदु हसरंगा 21 रन बनाकर आउट हुए। अविष्का फर्नांडो ने 20 रन बनाए। कप्तान दसुन शनाका 2 रन ही बना सके।

भारतीय टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट चटकाए।। जबकि तेज गेंदबाज उमरान मलिक को 2 विकेट मिले।

डेब्यू मैच खेल रहे नुआनिदु फर्नांडो ने पहला इंटरनेशनल अर्धशतक जमाया। उन्होंने 63 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उनकी पारी में 6 चौके शामिल रहेंसियां)।

न्यूजीलैंड 79 रनों से जीता दूसरा वनडे

इ्वेन कॉन्वे ने जमाया शतक, विलियमसन ने खेली 85 रनों की पारी

कराची, 12 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने 3 वनडे मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 79 रनों से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 13 जनवरी को खेला जाएगा। पाकिस्तान ने पहला वनडे 6 विकेट से जीता था।

कराची में बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में कीवी टीम ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 49.5 ओवर में 261 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 182 रन पर ऑल आउट हो गई।

2 रन पर गंवाया पहला विकेट

पहले खेलने उतरी न्यूजीलैंड ने 2 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। ओपनर फिन एलेन 1 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नसीम शाह ने विकेटकीपर मोहम्मद नवाज के हाथों कैच कराया।

कॉन्वे-विलियमसन ने संभाली पारी

पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद ओपनर ड्वेन कॉन्वे और कप्तान केन विलियमसन ने पारी संभाली। कॉन्वे ने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जमाया। जबकि केन विलियमसन 85 रन बनाकर आउट हुए। दोनों के बीच 175 गेंदों पर 181 रनों की पार्टनरशिप हुई।

नवाज ने चटकाए 4 विकेट

पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद नवाज को चार सफलताएं मिलीं। नसीम शाह को तीन विकेट मिले।

बाबर का अर्धशतक, पर टीम को नहीं जिता सके

पाकिस्तान की ओर से कप्तान बाबर आजम ने 79 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। क्योंकि उन्हें किसी और बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए।

टिम साउदी और ईश सोढी को दो-दो विकेट

गेंदबाजी में कीवी टीम की ओर से टिम साउदी और ईश सोढ़ी ने दो-दो विकेट लिए। फर्ग्युसन, सेंटनर, ब्रेसवेल और फिलिप्स को एक-एक विकेट मिला।

वनडे रैंकिंग...छठे स्थान पर आए कोहली

सूर्या टी-20 में 908 रेटिंग पॉइंट हासिल करने वाले पहले भारतीय बने

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-श्रीलंका पहले वनडे में शतक जमाने वाले विराट कोहली को वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। जबकि सूर्या कुमार यादव टी-20 में नंबर-1 पर बरकरार हैं। वे बैटर रैंकिंग में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट हासिल करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके 908 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की। इसके अनुसार, विराट कोहली 2 स्थान के उछाल के साथ छठे नंबर पर आ गए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी एक रैंक का फायदा हुआ वह 715 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 891 पॉइंट्स के साथ टॉप वनडे बैटर हैं।

विराट श्रीलंका के खिलाफ बनाए थे 113 रन

विराट कोहली ने एक दिन पहले मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ 113 रनों की शतकीय पारी खेली थी। वनडे की बॉलर रैंकिंग में कोई भी भारतीय टॉप-10 में शामिल नहीं है। श्रीलंका के खिलाफ 2 विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज 18वें नंबर पर पहुंचे। उनके बाद जसप्रीत बुमराह 19वें नंबर पर हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में किसी भी भारतीय प्लेयर का नाम टॉप-20 तक में नहीं है।

सूर्या से 72 पॉइंट्स पीछे रिजवान

पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान टी-20 बैटर्स रैंकिंग में दूसरे नंबर हैं। लेकिन, उनके और सूर्यकुमार के बीच 72 पॉइंट्स का अंतर है। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे, चौथे पर पाकिस्तान के बाबर आजम और पांचवें नंबर पर साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम हैं। टॉप-10 में सूर्या के अलावा कोई भी भारतीय नहीं है। उनके बाद विराट कोहली 13वें ओर केएल राहुल 22वें नंबर पर हैं।

विराट का रिकॉर्ड तोड़ा

सूर्यकुमार से पहले कोई भी भारतीय टी-20 में 900 से ज्यादा रेटिंग पॉइंट हासिल नहीं कर सका था। उनसे पहले पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टी-20 में 897 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। ओवरऑल लीडरबोर्ड में इंग्लैंड के डेविड मलान ने 915 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर रखे हैं। सूर्यकुमार दूसरे नंबर पर हैं।

हार्दिक तीसरे नंबर पर आए

हार्दिक पंड्या ICC के टॉप ऑलराउंडर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उनके 219 पॉइंट्स हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन 252 पॉइंट्स के साथ पहले और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 233 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

टॉप-10 में कोई भारतीय नहीं

बॉलर्स में कोई भी भारतीय प्लेयर टॉप-10 में शामिल नहीं है। भुवनेश्वर कुमार 628 पॉइंट्स के साथ 18वें नंबर पर हैं। उनके बाद अर्शदीप सिंह 21वें नंबर पर हैं। बॉलर्स रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान 698 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं। श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा के एक स्थान के नुकसान के बाद 695 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित

18 मेंबर्स की टीम में 4 स्पिनर्स; टॉड मर्फी और लांस मॉरिस को मौका

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम जारी कर दी है। 18 मेंबर्स के की टीम में 4 स्पेशलिस्ट स्पिनर और 6 पेसर्स को जगह मिली है। टीम में 4 पार्ट टाइम स्पिनर भी हैं। 9 फरवरी से शुरू होने वाली सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को भारत से 4 टेस्ट के बाद 3 वनडे भी खेलने हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया की आखिरी टेस्ट सीरीज में 22 साल के टॉड मर्फी को भी जगह मिली है। तेज गेंदबाज लांस मॉरिस भी शामिल किए हैं। मिचेल स्टार्क पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। इस खबर में आप पढ़ेंगे बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का इतिहास, भारत के लिए सीरीज की अहमियत, भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का शेड्यूल और 18 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम-

सबसे पहले जानते हैं सीरीज का इतिहास

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज 1947-48 से खेली जा रही है। सीरीज में एक बार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करती है तो अगली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आती है। भारत ने पहली बार 1979 में 6 टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से जीती थी। इससे पहले खेली गई 7 सीरीज में से 6 सीरीज कंगारुओं ने जीती थी। एक ड्रॉ रही।

मैच	कब	कहां
पहला टेस्ट	9-13 फरवरी	नागपुर
दूसरा टेस्ट	17-21 फरवरी	दिल्ली
तीसरा टेस्ट	1-5 मार्च	धर्मशाला
चौथा टेस्ट	9-13 मार्च	अहमदाबाद
पहला वनडे	17 मार्च	मुंबई
दूसरा वनडे	19 मार्च	वाइजैक
तीसरा वनडे	22 मार्च	चेन्नई

ओवरऑल रिजल्ट पर नजर डालें तो भारत ने 10 बार यह सीरीज जीती है और ऑस्ट्रेलिया के नाम 12 सीरीज जीत हैं। इस दौरान 5 सीरीज ड्रॉ रहीं। 1996 में पहली बार इस सीरीज को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का नाम मिला।

यह सीरीज भारत के लिए कितनी अहम है?

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में 4 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज भारत के लिए अहम है, क्योंकि यह सीरीज रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने का आखिरी मौका है।

यदि टीम इंडिया इसमें से कम से कम 2 टेस्ट जीत जाती है, तो वह डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंच जाएगी।

अभी टीम 58.93% अंक के साथ पॉइंट टेबल के दूसरे स्थान पर है। जबकि ऑस्ट्रेलिया 75.56% लेकर लगभग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।

अब देखते हैं भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से जाना जाता है।

इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आ रही है। सीरीज का पहला मुकाबला 9 से 13 फरवरी के बीच नागपुर में खेला जाएगा।

पहले टेस्ट से बाहर स्टार्क, डेब्यू कर सकते हैं तेज गेंदबाज मॉरिस

मिचेल स्टार्क नागपुर टेस्ट से उंगली की चोट के कारण बाहर किए गए हैं। उनके स्थान पर तेज गेंदबाज लांस मॉरिस को डेब्यू कर सकते हैं। कंगारू टीम में चोटिल कैमरून ग्रीन भी शामिल किए गए हैं।

ऑफ स्पिनर मर्फी ने अपने प्रथम श्रेणी करियर की मजबूत शुरुआत के बाद टीम में जगह बनाई है। उनके साथ नाथन लियोन के साथ एश्टन एगर और मिशेल स्वेपसन भी चुने गए हैं। पीटर हैंड्सकॉम्ब और मैट रेनशॉ की वापसी हुई है, जबकि मार्कस हैरिस बाहर हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, लांस मॉरिस, टोड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क, मिशेल स्वेपसन, डेविड वार्नर।

उद्घाटन समारोह में लगा ग्लैमर का तड़का

दिशा पाटनी-रणवीर और नीति मोहन ने जीता दिल

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी विश्व कप का आगाज हो चुका है। यह इस टूर्नामेंट का 15वां संस्करण है। 17 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 16 देश हिस्सा ले रहे हैं। हॉकी विश्व कप में कुल 44 मैच खेले जाएंगे। कटक के बाराबती स्टेडियम में बुधवार को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और अन्य मंत्रियों की उपस्थिति में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हॉकी विश्व कप 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह, अभिनेत्री दिशा पाटनी, गायिका नीति मोहन, लिसा मिश्रा, शालमली खोलगडे और संगीतकार प्रीतम ने अपनी प्रस्तुति दी। आइए ओपनिंग सेरेमनी की कुछ तस्वीरें देखते हैं...

मुकाबलों की शुरुआत 13 जनवरी से होगी। टीम इंडिया अपने पहले मैच में शुक्रवार को स्पेन के खिलाफ खेलेगी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर और राउरकेला में टूर्नामेंट के सभी मैच खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच 29 जनवरी को खेला जाएगा।

भुवनेश्वर को लगातार दूसरी बार मेजबानी का मौका मिला है। 2018 में भी उसने हॉकी विश्व कप का आयोजन किया था। तब बेल्जियम ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराया था।

उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर सभी टीमों को शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने लिखा था- ओडिशा में 2023 हॉकी विश्व कप शुरू हो रहा है, सभी भाग लेने वाली टीमों को मेरी शुभकामनाएं। यह टूर्नामेंट खेल भावना को और मजबूत करे और हॉकी के खूबसूरत खेल को और लोकप्रिय बनाए। भारत को इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है।"

मैच में 7 विकेट लेकर मचाया हड़कंप

सीधे ऑस्ट्रेलिया को देने उतर सकता 'करंट'

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। 29 साल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने बड़ौदा के खिलाफ मैच में 7 विकेट झटक अपनी टीम यानी बंगाल की जीत की रूप रेखा तैयार करने में मदद की है.

मैच में 7 विकेट लेकर मचाया हड़कंप, सीधे ऑस्ट्रेलिया को देने उतर सकता 'करंट'मुकेश कुमार ने बड़ौदा के खिलाफ झटके 7 विकेट. बिहार में जन्म, बंगाल के लिए कर रहा कर्म. ये खिलाड़ी अब ऑस्ट्रेलिया को देने उतर सकता है करंट, क्योंकि इसके परफॉर्मेन्स का हथौड़ा है गर्म. रणजी ट्रॉफी में बड़ौदा के खिलाफ मैच में जो देखने को मिला, उसे देखकर यही कह सकते हैं, कि वो विकेट चटकाने से बाज नहीं आने वाला. हम बात कर रहे हैं 29 साल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की, जिन्होंने बड़ौदा के खिलाफ मैच में 7 विकेट झटक अपनी टीम यानी बंगाल की जीत की रूप रेखा तैयार करने में मदद की है.

पहली पारी में 78 रन की बढ़त लेने के बाद भी बड़ौदा की टीम बंगाल के सामने सिर्फ 176 रन का लक्ष्य रख सकी तो सिर्फ इसलिए क्योंकि मुकेश कुमार उसके लिए रोड़ा बन गए. बड़ौदा के गिरे 20 विकेटों में से 7 विकेट अकेले बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने लिए.

मुकेश कुमार ने 99 रन देकर चटकाए 7 विकेट

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने 99 रन देते हुए मुकाबले में 7 विकेट विकेट चटकाए. उन्होंने पहली पारी में 56 रन देकर बड़ौदा के 3 विकेट चटकाए. जबकि दूसरी पारी में 43 रन देकर 4 बल्लेबाजों को अपना निशाना बनाया. मुकेश कुमार के इस कहर का ही असर रहा कि बड़ौदा दूसरी पारी में सिर्फ 98 रन पर सिमट गई. मुकेश कुमार के अलावा मैच में बंगाल के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज इशान पोरेल रहे, जिन्होंने 3 विकेट लिए. इससे पहले मैच में बड़ौदा ने पहले बल्लेबाजी की थी. उसने अपनी पहली पारी में 269 रन बनाए थे.

बड़ौदा को बढ़त का फायदा उठाने से रोका

हालांकि, बल्लेबाजी में बंगाल की पहली पारी अच्छी नहीं रही. उसके बल्लेबाज 200 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके. पूरी टीम सिर्फ 191 रन पर ढेर हो गई. इस तरह बड़ौदा को फर्स्ट इनिंग में 78 रन की बड़ी लीड हासिल हुई. इस बढ़त के बाद मैच पर बड़ौदा की पकड़ दिखने लगी. लेकिन उसकी खुशी ज्यादा देर नहीं रही. क्योंकि पहली पारी में शेर बने बड़ौदा को दूसरी पारी में ढेर करने में मुकेश कुमार एंड कंपनी ने ज्यादा वक्त नहीं लिया.

इस प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेलेक्शन पक्का!

बड़ौदा अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी नहीं बना सका. वो केवल 98 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसके मुकेश कुमार के लिए 4 विकेटों की बड़ी भूमिका रही. बड़ौदा के खिलाफ किए इस प्रदर्शन के बाद उम्मीद रहेगी कि सेलेक्टर्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए इनके नाम का चयन करें. अगर ऐसा होता है तो ये बंगाल के इस गेंदबाज के लिए बड़ा मौका होगा.

ऑस्ट्रेलिया के एक फैसले ने इस खिलाड़ी का खून खौलाया, किया बीबीएल का बॉयकॉट

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेलने का फैसला किया जिसके बाद तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने बिग बैश लीग का बॉयकॉट कर दिया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक फैसले ने अफगानिस्तान के क्रिकेटर नवीन उल हक को इतना नाराज कर दिया कि उन्होंने इस देश की टी20 लीग बिग बैश का ही बॉयकॉट कर दिया है. सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में खेल रहे नवीन उल हक ने इस टूर्नामेंट में आगे नहीं खेलने का फैसला किया है. बता दें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को चौंकाने वाला फैसला करते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से नाम वापस ले लिया.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दलील दी कि महिलाओं और लड़कियों पर तालिबान की बढ़ती पाबंदियों के कारण खेल पाना संभव नहीं है . ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज के तहत अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई में मार्च में खेलना था जो आईसीसी सुपर लीग का हिस्सा भी है . क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के इस फैसले को नवीन उल हक ने बचकाना करार दिया. नवीन उल हक ने ट्वीट कर लिखा, 'मैं तब तक बिग बैश लीग में नहीं खेलूंगा जबतक इस तरह के बचकाने फैसले वापस नहीं लिए जाते. पहले एक टेस्ट मैच और अब वनडे सीरीज, एक मुल्क जो काफी कुछ झेल रहा है उसका समर्थन करने की बजाए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उसकी खुशी की एक वजह भी छीन रहा है.' बता दें नवीन उल हक सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में खेल रहे हैं. नवीन उल हक ने सिडनी सिक्सर्स के लिए इस सीजन में 2 मैचों में 2 विकेट हासिल किए हैं वहीं उनका इकॉनमी रेट भी 9 रन प्रति ओवर से ज्यादा रहा है. अब इस खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में आगे नहीं खेलने का फैसला किया है. ऑस्ट्रेलिया सरकार समेत सभी पक्षधारकों से मशविरे के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगामी वनडे सीरीज नहीं लेने का फैसला किया है .

एसएसके समाज, रहीमपुरा द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम के खिलाड़ियों के साथ उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष पवार गणेश, उपाध्यक्ष कोनेरी प्रमोद कुमार, चव्हाण अजय, संयोजक अक्षय चव्हाण, संयोजक नगरी राजेश, एसएसके समाज रहीमपुरा के अध्यक्ष नगरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, शिव रतन व अन्य।

राष्ट्रीय प्रगति के लिए शांति और सद्भाव की जरूरत : केसीआर

सीएम ने किया महबूबाबाद में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर का शुभारंभ

महबूबाबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को यहां नवनिर्मित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन किया। उनके साथ आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़, पंचायतीराज मंत्री येर्राबेली दयाकर राव, सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी और स्थानीय विधायक और सांसद थे।

परिसर का उद्घाटन करने के बाद, मुख्यमंत्री ने विभिन्न धर्मों के विभिन्न पुजारियों द्वारा विशेष पूजा में भाग लिया। बाद में उन्होंने जिलाधिकारी के शशांक का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया और उन्हें कलेक्टर कक्ष में कुर्सी पर बैठने को कहा। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावने गुरुवार को कहा कि भारत की प्रगति के लिए, लोगों को शांति और सद्भाव की आवश्यकता है, जहां सभी नागरिकों की भलाई सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि राजनीतिक लाभ के लिए देश के लोगों को विभाजित करने के लिए सांप्रदायिक और जातिगत नफरत को हवा दी जा रही है, जो भारत को तालिबान शासित अफगानिस्तान में बदल सकता है। हमें राष्ट्र के विकास के लिए केंद्र में एक प्रगतिशील और निष्पक्ष सरकार की आवश्यकता है और लगातार, राज्यों को विकसित करने के लिए। तेलंगाना देश को विकास की राह दिखाएगा। मुझे इस संबंध में आपके समर्थन की आवश्यकता है, उन्होंने महबूबाबाद में एकीकृत जिला समाहरणालय परिसर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित बैठक में एक उत्साही भीड़ से पूछा। चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना के बराबर प्रदर्शन नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि केंद्र की विफलताओं के कारण, तेलंगाना ने 11.5 लाख करोड़ रुपये के अपने वर्तमान जीएसडीपी के मुकाबले 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जीएसडीपी खो दिया।

उन्होंने कहा कि प्रचुर मात्रा में संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, केंद्र में आने वाली सरकारें उनके इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने में विफल रहीं। लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सरकारों पर निगरानी रखनी चाहिए कि वे प्रभावी ढंग से काम करते हैं। 20 वर्षों के बाद भी, केंद्र सरकार की अक्षमता के कारण कृष्णा नदी के पानी के बंटवारे के विवाद तटीय राज्यों के बीच लंबित हैं, लेकिन तेलंगाना आगे बढ़ गया क्योंकि वह इन सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 365 से सटे सालार थांडा में 62.50 करोड़ रुपये की लागत से समाहरणालय परिसर का निर्माण किया गया है। नवीन समाहरणालय में कलेक्टर के कक्ष, दो अतिरिक्त कलेक्टर, प्रशासनिक अधिकारी (एओ) और सभी जिला अधिकारियों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। समाहरणालय परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने महबूबाबाद नगर पालिका और जिले के तीन अन्य नगर पालिकाओं, थोरूर, दोरनाकल और मरीपेडा के विकास के लिए धन की घोषणा की, इसके अलावा जिले के लिए एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि नया इंजीनियरिंग कॉलेज अगले शैक्षणिक वर्ष से काम करना शुरू कर देगा। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि समाहरणालय सहित जिला कार्यालयों में आने वाले लोगों को बैठने की व्यवस्था और शौचालय नहीं होने के कारण काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब राज्य के 30 जिलों में सभी सुविधाओं के साथ नए भवन हैं।

सोमेश कुमार पहुंचे अमरावती आंप्र सीएम से मुलाकात की

आंप्र सीएस को भी सौंपी ज्वाइनिंग रिपोर्ट

अमरावती, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सोमेश कुमार ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से अमरावती स्थित उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की। केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के 12 जनवरी तक एपी कैडर को रिपोर्ट करने के निर्देश के बाद आंध्र प्रदेश सरकार के साथ अपनी नौकरी की रिपोर्ट करने के बाद मुख्यमंत्री के साथ यह शिष्टाचार मुलाकात थी।

सोमेश कुमार, जिन्हें उच्च न्यायालय द्वारा तेलंगाना का आवंटन रद्द करने के बाद तेलंगाना के मुख्य सचिव के पद से हटा दिया गया था, आंध्र प्रदेश में नई पोस्टिंग लेने के लिए अमरावती पहुंचे। मुख्यमंत्री से मुलाकात से पहले सोमेश कुमार ने आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव केएस जवाहर रेड्डी से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें ज्वाइनिंग रिपोर्ट सौंपी। कुमार ने गन्नावरम हवाई अड्डे पर पहुंचने पर संवाददाताओं से कहा कि मैंने भारत सरकार के आदेश का पालन किया है और आंध्र प्रदेश सरकार को रिपोर्ट किया है। एक अधिकारी के रूप में, मुझे सरकार द्वारा दी गई कोई भी जिम्मेदारी निभानी है।

उन्होंने कहा कि सरकार जो भी जिम्मेदारी सौंपती है, मैं उसके लिए तैयार हूं। कोई पद छोटा या बड़ा नहीं होता। मुझे जो भी पद मिलेगा, मैं काम करूंगा।' गौरतलब है कि 10 जनवरी को, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 2016 में सोमेश कुमार को तेलंगाना आवंटित करने वाले केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के आदेश को रद्द कर दिया। उसी दिन भारत सरकार के कार्मिक प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने उन्हें तेलंगाना से मुक्त कर दिया और 12 जनवरी तक आंध्र प्रदेश सरकार में शामिल होने का निर्देश दिया। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को शांति कुमारी को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया।

भारत को गौरवान्वित करूंगी : निखत जरीन

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अर्जुन पुरस्कार विजेता और आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप विजेता निखत ज़रीन ने कहा है कि वह भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी देश और राज्य को गौरवान्वित करेंगी। कंट्री क्लब के अध्यक्ष वाई. राजीव रेड्डी ने हैदराबाद की सीनियर क्रिकेट महिला टीम की उप-कप्तान प्रणवी चंद्रा के साथ निखत ज़रीन को उनकी हालिया उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। निखत ज़रीन और प्रणवी चंद्रा को राजीव रेड्डी ने कंट्री क्लब, बेगमपेट में आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों के लिए कंट्री क्लब की मानद सदस्यता प्रदान की।

मीडिया को संबोधित करते हुए, कंट्री क्लब समूह के अध्यक्ष वाई राजीव रेड्डी ने कहा कि खेल स्वास्थ्य को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से अब कोविड के बाद और अधिक। देश में कई खेल लीगों की शुरुआत के साथ ऐसे लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है जो अन्य भारतीय खेलों में रुचि दिखाई है। खेल हमेशा कंट्री क्लब डीएनए का अपनी स्थापना के समय से एक अभिन्न अंग रहा है। कंट्री क्लब ने पूरे भारत में खेल कार्यक्रमों और खेल एथलीटों के प्रचार और उत्थान के लिए पिछले 3 दशकों में विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की हैं।

निखत जरीन ने कहा कि वह मार्च में दिल्ली में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इस बार लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मान न केवल जिम्मेदारियां बढ़ाता है बल्कि जिम्मेदारी की याद भी दिलाता है। इस अवसर पर राजीव रेड्डी ने उन्हें कंट्री क्लब की मानद सदस्यता प्रदान की। भारतीय पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वंकिना चामुंडेश्वरनाथ, भारतीय पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर भी मौजूद थीं।

बस की टक्कर में 11 लोग घायल

यदाद्री-भोंगिर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चौटुप्पल मंडल के गुंडला बावी में गुरुवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर दो निजी बसों की आपस में टक्कर हो जाने से 11 यात्री घायल हो गये।

हादसा उस समय हुआ जब ऑरेंज ट्रैवल्स की एक बस ने पीछे से मिथरी ट्रेवल्स की एक अन्य बस को टक्कर मार दी। दो निजी बसें हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थीं। एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने घायलों को चौटुप्पल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

डीएच ने संक्रांति पर रंगोली विजेताओं को आकर्षित किया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशालय के निदेशक डॉ. श्रीनिवास राव आज संक्रांति उत्सव के अवसर पर अपने मूल स्थान भादाद्री कोत्तागुडेम की महिलाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता लेकर आए। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर घोषणा की और राज्य की महिलाओं से कहा कि वे अपनी रंगोली के साथ एक सेल्फी लेकर उन्हें अपनी तस्वीरें भेजें और कहा कि वे विजेताओं का चयन करेंगे और उन्हें पहले 10 विजेताओं को एक ग्राम सोना और प्रतियोगिता के 50 अन्य विजेताओं को 10 ग्राम रजत देंगे। उन्होंने कहा कि वह भद्राद्री कोठागुडेम जिले के डॉ. जीएसआर चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से प्रतियोगिता आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरे जिले में प्रतियोगिता आयोजित कर रहे हैं और कहा कि जिले की सभी महिलाएं प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से 15 जनवरी से पहले अपने व्हाट्सएप नंबर पर अपनी प्रविष्टियां भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि वह 26 जनवरी को शाम 5 बजे कोत्तागुडेम की श्रीनगर कॉलोनी में विजेताओं को पुरस्कार सौंपेंगे।

सीएम केसीआर खम्मम में 'कांति वेलुगु' के दूसरे चरण का 18 जनवरी को करेंगे शुभारंभ

स्वास्थ्य मंत्री ने समीक्षा बैठक में दी कई जानकारी

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 18 जनवरी को दोपहर 1 बजे खम्मम में कांटी वेलुगु के दूसरे चरण का शुभारंभ करेंगे। 200 करोड़ रुपये की पहल, जिसमें पूरे तेलंगाना में बड़े पैमाने पर नेत्र जांच शिविर होंगे, 1.50 करोड़ व्यक्तियों को कवर किया जाएगा और इस प्रक्रिया में लाभार्थियों के लिए 55 लाख मुफ्त चश्मा और दवाएं वितरित की जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री, टी. हरीश राव ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा खम्मम में पहल शुरू करने के बाद सभी जिलों में नेत्र जांच शिविर औपचारिक रूप से शुरू होंगे। गुरुवार को यहां एक समीक्षा बैठक में, उन्होंने 16,533 विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले कांटी वेलुगु शिविरों के सुचारू संचालन के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया। हरीश राव ने कहा कि शिविरों के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण, पढ़ने के चश्मे और पात्र लाभार्थियों को वितरित की जाने वाली दवाएं शुक्रवार तक शिविरों में पहुंच जाएंगी। नेत्र जांच शिविरों में भाग लेने की आवश्यकता पर जागरूकता अभियान स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर चलाए जाने चाहिए। कांटी वेलुगु का पहला चरण आठ महीने में आयोजित किया गया था, लेकिन हम 100 कार्य दिवसों में दूसरे चरण को पूरा करने का इरादा रखते हैं।

संक्रांति भीड़ : पतंगी टोल प्लाजा पर भारी ट्रैफिक जाम

यादाद्री-भोंगिर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे ही लोगों ने संक्रांति त्योहार के लिए अपने मूल स्थानों पर जाना शुरू किया, जिले में चौटुप्पल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर पतंगी टोल प्लाजा पर एक बड़ा ट्रैफिक जाम लग गया। 16 टोल गेटों में से 10 गेट हैदराबादसे विजयवाड़ाकी ओर जाने वाले वाहनों के लिए आवंटित किए गए थे, जबकि छह गेट हैदराबाद की ओर आने वाले वाहनों के लिए है। वाहन हैदराबाद से विजयवाड़ामार्ग पर लगभग आधा किलोमीटर तक टोल प्लाजा पर फंसे रहे। आज रात एनएच 65 पर वाहनों की आवाजाही और बढ़ सकती है।

एटीएम चोरी के प्रयास में ऑटो चालक गिरफ्तार

आदिलाबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) चोरी करने की कोशिश के आरोप में एक ऑटो-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया गया। आदिलाबाद के डीएसपी उमेंद्र ने कहा कि कस्बे के कैलासनगर के 23 वर्षीय मोहम्मद अजाज को एटीएम चोरी करने की कोशिश के बाद भागते समय हिरासत में लिया गया है। काफी समय तक शराब के सेवन के आदी रहने के बाद अजाज ने एक शानदार जीवन शैली का नेतृत्व करने के लिए अपराध करना कबूल किया। उसने स्वीकार किया कि उसने 8 जनवरी को कस्बे में एक रेस्तरां के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चुराई और महाराष्ट्र के किनवट में दोपहिया वाहन को ठिकाने लगाने का असफल प्रयास किया। आदिलाबाद I नगर निरीक्षक के सत्यनारायण, उप-निरीक्षक जी नारायण, ए हरिबाबू, अशोक और अंजम्मा उपस्थित थे।

नागरिकों को सुखद वातावरण प्रदान करने में जुटी जीएचएमसी

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी बिना किसी हिचकिचाहट के पूरे हैदराबाद शहर में लोगों के लिए एक हरा-भरा और सुखद वातावरण प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विशेष रूप से लोगों को वाहन और वायु प्रदूषण से होने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए विभिन्न नवीन तरीकों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में सुधार किया जा रहा है। ज्ञात हो कि हरितहरम के माध्यम से शहर में व्यापक रूप से वृक्षारोपण के कारण बढ़ी हुई हरियाली की पृष्ठभूमि में ट्री सिटी ऑफ हैदराबाद अवार्ड के साथ वन क्षेत्र 23 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही ज्ञात होता है कि हैदराबाद शहर ने अन्न भंडार में विश्व में सर्वश्रेष्ठ होने का पुरस्कार जीता है। तेलंगाना के लिए हरित हारम कार्यक्रम में शहर के निवासियों को हर सात लक्ष्य से अधिक पौधे लगाकर स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा रहा है। वृक्षारोपण से सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक लाभ होता है। इसके अलावा, यह व्यापक रूप से माना जाता है कि वायु की गुणवत्ता में सुधार होगा और वायु प्रदूषण समाप्त हो जाएगा। जीएचएनसी ने शहर के लोगों को हरियाली के साथ एक सुखद वातावरण और मनोरंजन लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न तत्वों की प्रेरणा से शहर भर में कई थीम पार्क स्थापित किए हैं। ये थीम पार्क किसी खास थीम या विषय पर केंद्रित होते हैं जो मनोरंजन, हरियाली प्रदान करते हैं। इस प्रकार, जीएचएनसी लोगों के रोमांचक आनंद और मनोरंजन को पूरा करने के लिए ग्रेटर हैदराबाद में सभी चार पक्षों को उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। शहर भर में 132. करोड़ रुपये की लागत से 57 थीम पार्क बनाए गए हैं, जिनमें से 6 थीम पार्क बनकर तैयार हो गए हैं और जनता के लिए उपलब्ध करा दिए गए हैं और बाकी प्रगति के अंतिम चरण में हैं। इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एलबी नगर जोन में 13 थीम पार्क हैं और केवल एक थीम पार्क बनकर तैयार हुआ है। चारमीनार जोनल में तीन में से तीन कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं।

तेलंगाना में भूजल स्तर को सुधारने में मिशन काकतीय का योगदान

मिशन काकतीय को फिर से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भूजल स्तर में सुधार और सिंचाई और पीने के उद्देश्यों के लिए पानी उपलब्ध कराने में राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम मिशन काकतीय की सफल भूमिका को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया है।

राज्यों और जिलों के लिए सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) की नवीनतम रिपोर्ट, प्रतिस्पर्धात्मकता और सामाजिक प्रगति अनिवार्य संस्थान द्वारा तैयार की गई है, और विभिन्न राज्यों में भूजल स्तर को देखते हुए आर्थिक सलाहकार परिषद और प्रधान मंत्री को प्रस्तुत की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार तेलंगाना में केवल दो जिले, हैदराबाद और राजन्ना सिरसिला, 'अतिदोहित' श्रेणी में हैं, जबकि 23 जिले 'सुरक्षित' श्रेणी में है। इसके अलावा, रिपोर्ट ने राज्य में जल स्तर को बढ़ाने के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय उपायों को स्वीकार किया। तेलंगाना सरकार के मिशन काकतीय के तहत, जिलों के लोग जल संसाधनों के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। मिशन ने एक स्थानीय सरकारी निकाय को विकेंद्रीकृत तरीके से पानी निकासी और सिंचाई आधारित सामुदायिक प्रबंधन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करने का जनादेश दिया है। इसके अलावा, प्रस्तावित योजनाओं पर ग्रामीणों और किसानों के साथ चर्चा की गई, जिन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा (134.567), राजस्थान (150.227), पंजाब (164.427) और दिल्ली (101.407) वर्तमान में एक महत्वपूर्ण चरण में थे क्योंकि उनका भूजल निष्कर्षण मूल्य 100 प्रतिशत से अधिक था और 'में गिरता है' अतिदोहित' श्रेणी। अरुणाचल प्रदेश (0.367), सिक्किम (0.867), नागालैंड (1.047), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (2.67), और मिजोरम (3.817) सुरक्षित सीमा में आते हैं और बाकी की तुलना में भूजल निष्कर्षण का सबसे कम प्रतिशत है देश की। जब पानी की निकासी की बात आती है, तो 110 से अधिक जिलों में भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन होता है, यानी इन जिलों के लिए उपलब्ध पानी के प्रतिशत के रूप में पानी की निकासी 100 प्रतिशत से अधिक है। इनमें से 17 जिलों में जल निकासी 200 प्रतिशत से अधिक है, जिसमें जैसलमेर (राजस्थान), संगरूर (पंजाब), जालंधर (पंजाब) और जोधपुर (राजस्थान) में जल निष्कर्षण का उच्चतम प्रतिशत क्रमशः 318.63 प्रतिशत, 301.62 प्रतिशत, 257.59 प्रतिशत और 254.07 प्रतिशत है। इसकी तुलना में, 513 जिले भूजल निष्कर्षण (70%) के सुरक्षित चरण के भीतर है।

पुलिस ने 14 से 16 जनवरी तक सड़कों पर पतंगबाजी पर रोक लगाई

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के हित में शहर में और पूजा स्थलों के आसपास और सभी मार्गों पर पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आदेश जारी किए और यह 14 जनवरी की सुबह 6 बजे से 16 जनवरी की सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 के नियम 8 के अनुसार संबंधित पुलिस अधिकारियों से अनुमति प्राप्त किए बिना सार्वजनिक स्थान या सार्वजनिक स्थान पर लाउड स्पीकर/डीजे पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए। इसके अलावा, वक्ताओं या सार्वजनिक संबोधन प्रणाली या किसी अन्य गतिविधियों से ध्वनि प्रदूषण का स्तर अनुमेय सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। व्यावसायिक क्षेत्र के लिए अनुमति की सीमा दिन के समय-65 डेसिबल और रात के समय 55 डेसिबल, आवासीय क्षेत्र-55 डेसिबल और 55 डेसिबल और साइलेंट जोन-50 डेसिबल और 40 डेसिबल के लिए अनुमति है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर या सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का उपयोग नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने माता-पिता और नागरिकों से अपील की कि वे पतंग उड़ाते समय अपने बच्चों का मार्गदर्शन करें और उनकी देखरेख करें और दुर्घटनाओं से बचने के लिए उन्हें छतों पर बिना पैरापेट की दीवारों के न जाने दें। पुलिस ने माता-पिता से कहा कि वे देखें कि उनके बच्चे भटकी हुई पतंगों को इकट्ठा करने के लिए सड़कों पर न दौड़ें।

हैदराबाद सीपी ने कहा कि अगर बच्चे बिजली के खंभों या केबलों से भटकी हुई पतंगों को इकट्ठा करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें बिजली के झटके के संबंध में कमजोरियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। पुलिस ने मौज-मस्ती करने वालों को अलाव के लिए जबरन लकड़ी इकट्ठा नहीं करने और मालिकों की सहमति से ही लकड़ी का उपयोग करने को कहा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.